हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 1 मार्च 2026

PATANJALI®

पतंजलि के "देश का सबसे बड़ा ब्राण्ड" बनने की कहानी

पतंजलि®

पूजनीय स्वामी रामदेव जी व आचार्य श्री बालकृष्ण जी के तीन दशकों से अधिक के अनवरत पुरुषार्थ, तपस्या और अटल संकल्प के बल पर पतंजलि ने भारत के घर–घर तक अपनी पहुंच बनाई और करोड़ों देशवासियों के हृदय को जीता। योग व आयुर्वेद, जो कभी केवल गुफाओं और गुरुकुलों तक सीमित था, उसे पतंजलि ने जन–जन तक पहुँचाने का ऐतिहासिक कार्य किया। जनमानस की आवश्यकता और आग्रह के अनुरूप औषधियों के साथ–साथ दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया, और इस प्रकार पतंजलि ने स्वदेशी चेतना को प्रबल किया। लगभग पांच लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। एक करोड़ से अधिक दुकानों तक स्वदेशी सेवा का व्यापक विस्तार हुआ है। 100 करोड़ भारतीयों के समर्थन और 1 करोड़ से अधिक कार्यकर्ताओं के निःस्वार्थ सेवा के लिए हम कृतज्ञ हैं।

5000 से अधिक उत्पादों के साथ स्वदेशी संकल्प: लगभग पाँच हजार से अधिक दैनिक उपयोग की वस्तुएँ, पशु आहार, औषधियाँ तथा जीवनोपयोगी उत्पाद देशवासियों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। रोजगार सृजन के साथ–साथ लगभग एक करोड़ प्रशिक्षित कार्यकर्ता निःशुल्क एवं निःस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में समर्पित हैं। इन अनवरत प्रयासों और संकल्पों के परिणामस्वरूप आज पतंजलि समूह का वार्षिक टर्नओवर लगभग 50,000 करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है।

अर्थ से परमार्थ व राष्ट्रसेवा (Prosperity for Charity): PFL को प्राप्त होने वाला सम्पूर्ण लाभ, पतंजलि गुरुकुलम्, भारतीय शिक्षा बोर्ड, आचार्यकुलम, पतंजलि विश्वविद्यालय, रिसर्च फाउंडेशन, चिकित्सा, शिक्षा, वृक्षारोपण, सनातन धर्म और भारत माता की सेवा में पूर्णतः समर्पित किया जाता है। इस प्रकार लाभ का 100% भाग निःस्वार्थ चैरिटी और राष्ट्रसेवा के कार्यों में लगाया जाता है। पूजनीय स्वामी रामदेव जी का संकल्प है कि अपने अंतिम श्वास तक हम पवित्रता और प्रामाणिकता के साथ भारत माता की सेवा करते रहेंगे तथा एक स्वस्थ, समृद्ध और परम वैभवशाली भारत के निर्माण में अपना योगदान देते रहेंगे। पूजनीय आचार्य बालकृष्ण जी कई वर्षों से विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों और अनुसंधानविदों की श्रेणी में सम्मिलित हैं। उनके दृष्टिकोण से पतंजलि विज्ञान, अनुसंधान और स्वदेशी नवाचार के माध्यम से वैश्विक मानचित्र पर अग्रणी ब्रांड बन रहा है। योग, आयुर्वेद, स्वदेशी, सनातन धर्म की सेवा में आज पतंजलि भारत के श्रेष्ठतम संस्थान के रूप में कार्यरत है।

हाई बी. पी. को प्राकृतिक रूप से निर्मूल करने के लिए।

डायबिटीज को रिवर्स करने में लाभदायक

वात रोग, आर्थराइटिस, RA, CRP, AVN, ANA, HLA-B27 आदि के लिए

ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, कफ़, कोल्ड के लिए रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन

ब्रेन, नर्वस सिस्टम व मेमोरी के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां

इम्यूनिटी के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां

किडनी प्रॉब्लम्स को रिवर्स करने के लिए

फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस आदि को रिवर्स करने के लिए

बहिष्कार करें– केमिकल व एनिमल बेस्ड प्रोडक्ट्स का और न्यूट्रेला नैचुरल ऑर्गेनिक प्रोटीन, विटामिन्स, ओमेगा आदि अपनाएं

ओबेसिटी के लिए अचूक औषधि

कोलेस्ट्रॉल के लिए

थायरॉइड के लिए

चिकित्सा के परामर्श के लिए अपने नज़दीकी पतंजलि चिकित्सालय पर अवश्य विज़िट करें।

5000 पतंजलि के एक्सक्लूसिव स्टोर्स के लोकेशन का पता जानने के लिए गूगल पर सर्च करें।

एक कॉल से सभी समस्याओं को घर बैठे नि:शुल्क सॉल्व करने के लिए कॉल करें– **1800 296 1111**
तथा पतंजलि की समस्त सेवाओं की जानकारी के लिए **8954 555 999** पर कॉल करें

घर बैठे पतंजलि प्रोडक्ट्स ऑनलाइन आर्डर करने के लिए ऑर्डर मी ऐप डाउनलोड करें।

डाउनलोड करें
ORDER ME

पतंजलि के एक्सक्लूसिव स्टोर पर डिस्काउन्ट पाने और साथ ही 15 लाख के इन्श्योरेंस का लाभ उठाने के लिए पतंजलि स्वदेशी समृद्धि कार्ड बनवाएं। कार्ड का मेम्बर बनने के लिए अपने नज़दीकी पतंजलि स्टोर पर सम्पर्क करें।

PATANJALI® wellness
Yoga, Ayurveda & Naturopathy

समस्त असाध्य रोगों से स्थायी मुक्ति पाने के लिए एक बार 7 दिन पतंजलि वेलनेस में रेजिडेंशियल योग, आयुर्वेद एवं पंचकर्म आदि की चिकित्सा के लिए अवश्य आयें।
रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : **8954666222, 8954666333**

लगभग 1 करोड़ स्टोर्स पर पतंजलि के प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं। फिर भी कोई प्रोडक्ट स्टोर पर उपलब्ध नहीं है तो आप दुकानदार से इसकी डिमाण्ड करें, वो इसे उपलब्ध करायेंगे।

भारत एक ऋषि एवं कृषि प्रधान देश है। इसलिए उच्चतम श्रेणी के पशु आहार एवं फूड सप्लीमेंट्स।

पतंजलि पशु आहार

पतंजलि मसाले, पापड़, दलिया, कैंडी, मुरब्बा, नमकीन और पाचक

नोट– पतंजलि के मल्टीग्रेन आटा व कुछ विशिष्ट 1 हजार प्रोडक्ट्स पतंजलि एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर ही उपलब्ध हैं।

पतंजलि के आटा रैंज एवं पतंजलि चावल रैंज

दिल्ली एनसीआर, उत्तराखण्ड, राजस्थान व महाराष्ट्र में पतंजलि के डेयरी प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं।

पतंजलि हेल्दी एवं न्यूट्रिशियस फूड प्रोडक्ट्स, पावर वीटा, केसर व ड्राईफ्रूट्स, अचार, जैम व सॉस, पोहा, सूजी, बेसन, सेवई

स्वीट्स एवं स्नैक्स

माइग्रेन पेन, मस्तिष्क आदि के लिए सर्वश्रेष्ठ पतंजलि बादाम रोगन व बादाम पाक

बादाम रोगन व बादाम पाक, एनर्जी बार एवं इंस्टेंट मिक्स

महाकोश, सनरिच, रुची गोल्ड देश का नं. 1 पाल्म ऑयल ब्राण्ड एवं न्यूट्रेला ऑयल रैंज

धूप–अगरबत्ती के नाम पर बहुत भयंकर मिलावट है तथा 100% पवित्रता बाँस रहित अगरबत्ती, भीमसेनी कपूर, शुद्धतम तिल तेल, हवन सामग्री आदि से अपने इष्ट का पूजन करें।

भोपाल, रविवार 1 मार्च 2026 ■ फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष-13 ■ वर्ष : 12, अंक : 330 ■ पृष्ठ : 16 मूल्य : 4.00 ** मौसम अधि. 29 न्यून. 17 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अली खामेनेई | बेंजामिन नेतन्याहू | डोनाल्ड ट्रंप

ऑपरेशन 'रोरिंग लॉयन': इजराइल और अमेरिका का ईरान पर भीषण हवाई हमला, तेहरान दहला

अमेरिका-इजराइल का ईरान पर 'विध्वंसक' हमला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार की सुबह अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ एक संयुक्त सैन्य अभियान शुरू किया। इजराइल ने इसे 'ऑपरेशन रोरिंग लॉयन' और अमेरिकी पेंटागन ने इसे 'ऑपरेशन एपिक फरी' नाम दिया है। इस हमले का मुख्य उद्देश्य ईरान की परमाणु क्षमताओं को नष्ट करना और वहां सत्ता परिवर्तन की नींव रखना बताया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हमले के दौरान ईरान की राजधानी तेहरान, इस्फहान और कोम जैसे महत्वपूर्ण शहरों में भारी बमबारी की गई।

खबरों के मुताबिक, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के कार्यालय और आवास के पास भी मिसाइलें गिरी हैं, हालांकि उनके सुरक्षित स्थान पर होने की सूचना है। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने भी इजराइल के उत्तरी हिस्सों और बहरीन व कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे ▶▶ शेष पेज 4 पर

ईरान के एक स्कूल पर हमले में 85 छात्राओं सहित 201 की मौत, जवाब में ईरान ने 400 मिसाइलें दागीं

ईरान का दावा: हमलों में 14 अमेरिकी बेस तबाह किए सैकड़ों अमेरिकी सैनिक मारे गए और घायल हुए

इजराइल का दावा- ईरान के रक्षा मंत्री और सैन्य कमांडर की मौत, 500 ठिकानों को निशाना बनाया

- ट्रंप का बड़ा ऐलान कहा ईरानी परमाणु खतरे को खत्म करने के लिए शुरू किया सैन्य अभियान
- सुप्रीम लीडर पर निशाना अयातुल्ला खामेनेई के आवास के पास धमाके
- खाड़ी देशों ने बंद किया एयरस्पेस, तेल संकट गहराने की आशंका

यूएनएससी ने संघर्ष विराम की अपील की

तेहरान में मिसाइल अटैक के बाद उठता धूल का गुबार

एयर इंडिया समेत 12 एयरलाइंस ने वॉर जोन में फ्लाइट्स रोकीं

ईरान-इजराइल वॉर की वजह से कई एयरलाइंस ने इस क्षेत्र की उड़ानें रद्द कर दी हैं। जिसमें एयर फ्रांस, एयर इंडिया, इबेरिया एक्सप्रेस, इंडिगो, जापान एयरलाइंस, लॉट एयरलाइंस लुफ्थांसा, नॉर्वेजियन एयर, टर्किश एयरलाइंस, वर्जिन एटलांटिक, कतर एयरवेज एवं एयर अल्जीरिया शामिल है।

भारतीयों के लिए एडवाइजरी

आपात स्थिति के लिए दूतावास ने 24 गुणा 7 हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं: +989128109115, +989128109109, +989128109102, और +989932179359

सुबह हमला... ताकि ज्यादा हो नुकसान

शनिवार की सुबह करीब 6.10 बजे का समय ही हमलों के लिए क्यों चुना गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुबह के समय शुरुआती हमलों का समय ईरानियों को चौंकाने के लिए चुना गया, क्योंकि उन्हें दिन के समय हमले ▶▶ शेष पेज 4 पर

हमले में ईरान को भारी नुकसान

ईरान की राजधानी तेहरान, देजफुल और खार्ग द्वीप सहित ईरान के कई शहरों को निशाना बनाया गया। तेहरान में यूनिवर्सिटी स्ट्रीट और जम्हूरी जिले के पास कई मिसाइलें गिरीं। दक्षिण ईरान के होर्मोजगन प्रांत में गर्ल्स स्कूल पर मिसाइल गिरने से 85 छात्राओं ▶▶ शेष पेज 4 पर

ईरान ने आठ देशों में किए जवाबी हमले

- **इजराइल:** तेल अवीव, हाइफा और अन्य शहर
- **बहरीन:** जुफैर नौसेना बेस, यूएस 5वीं फ्लीट मुख्यालय
- **कतर:** अल उदीद एयर बेस
- **कुवैत:** कैम्प अरिफजान, अहमद अल-जाबेर एयर बेस, मुबारक एयर बेस
- **संयुक्त अरब अमीरात:** अल धफरा एयर बेस, जेबेल अली पोर्ट, अल फुजैरा एयर बेस
- **सऊदी अरब:** रियाद में प्रिंस सुल्तान एयर बेस, ताबुक एयर बेस, खमीस मुशैत बेस, जेद्दाह में एक पश्चिमी बेस
- **जॉर्डन:** मुवाफ्फक सल्ती एयर बेस
- **इराक:** अरबिल में यूएस बेस ▶▶ पढ़ें पेज 08 भी

विदेश मंत्रालय बोला- सभी पक्ष संयम बरतें

नई दिल्ली। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के ताजा हमलों के बाद भारत सरकार की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी किया। इस बयान में कहा गया कि भारत, ईरान और खाड़ी क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करता है। सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव बढ़ाने से बचने और आम नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है। मंत्रालय ने कहा कि तनाव कम करने और मूल मुद्दों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीतिक रास्ता अपनाया जाना चाहिए।

कूनो नेशनल पार्क में चीतों की कुल संख्या 48 हुई

बोत्सवाना से लाए गए 9 चीते कूनो पहुंचे, बाड़े में क्वारंटीन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल/ श्योपुर

- *चीतों को विशेष विमान से बोत्सवाना से पहले ग्वालियर एयरपोर्ट लाया गया फिर बाड़े में शिफ्ट किया गया*

बोत्सवाना से करीब 12 घंटे की हवाई यात्रा के बाद 9 विदेशी चीते शनिवार को भारत पहुंच गए हैं। इन चीतों को विशेष विमान से बोत्सवाना से पहले ग्वालियर एयरपोर्ट लाया गया। यहां से हेलीकॉप्टर से कूनो लाकर सीधे क्वारंटीन बाड़ों में शिफ्ट कर दिया गया। चीतों की इस नई खेप में 6 मादा और 3 नर चीते हैं। इसके साथ ही देश में चीतों की कुनबा बढ़कर कुल 39 से 48 हो गई है। चीतों के कूनो पहुंचने पर केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव खुद कूनो पहुंचे। उन्होंने सभी चीतों को कूनो नेशनल पार्क के क्वारंटीन बाड़ों तक छोड़ा।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि देश का चीता प्रोजेक्ट मप्र के कूनो नेशनल पार्क में सफलता की कहानी बयां कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ▶▶ शेष पेज 4 पर

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा-मप्र का कूनो नेशनल पार्क सफलता की कहानी बयां कर रहा

भूपेंद्र यादव चीतों को क्वारंटीन बाड़े में छोड़ते हुए

तीन हेलीकॉप्टर से कूनो पहुंचे चीते

बोत्सवाना से वायुयान के माध्यम से 9 चीतों को ग्वालियर स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट लाया गया। यहां से वायुसेना के तीन हेलीकॉप्टरों से कूनो नेशनल पार्क के लिए एयरलिफ्ट किया गया। सभी 9 चीते शनिवार की सुबह 9.30 बजे कूनो ▶▶ शेष पेज 4 पर

कूनो अब दूसरे राज्यों को चीता देने वाला राज्य बना

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि कूनो में जिस तेजी के साथ चीता प्रजनन बढ़ा है, उससे कूनो सिर्फ चीता बसाहट वाला वन्य जीव अभयारण्य ही नहीं रहा, बल्कि वह दूसरे वन्य जीव अभयारण्य को चीता देने वाला बन गया है। उन्होंने कहा कि बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन की दिशा में कई देश साथ आए हैं। कूनो ▶▶ शेष पेज 4 पर

एक माह के क्वारंटीन के बाद जंगल में छोड़ा जाएगा

बोत्सवाना से आए सभी 9 चीतों को एक महीने तक क्वारंटीन बाड़ों में रखा जाएगा। इस दौरान उनकी सेहत, व्यवहार और अनुकूलन क्षमता पर लगातार नजर रहेगी। ▶▶ शेष पेज 4 पर

सीएम डॉ. यादव ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने दिल्ली में शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि इस मीटिंग में मप्र से राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल होने वाले नेताओं के नामों और मप्र के संगठनात्मक विस्तार को लेकर चर्चा की गई है। माना जा रहा है कि राज्यसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की गई है। राज्यसभा में भाजपा अपना उम्मीदवार किसे बनाएगी इसे लेकर चर्चा की गई है। बता दें कि मप्र में राज्यसभा की दो सीटें खाली हो रही हैं।

राहत और बचाव कार्य के बाद झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया

आंध्र प्रदेश पटाखा फैक्टरी में धमाका

21 लोगों की मौत, आठ लोगों की हालत गंभीर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद 21 लोगों की मौत हो गई। राहत और बचाव कार्य में लगी पुलिस की टीम ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। राज्य की गृह मंत्री वंगालपुडी अनीता ने बताया कि पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद 21 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। गृह मंत्री के मुताबिक धमाके में गंभीर रूप से घायल ▶▶ शेष पेज 4 पर

धमाके के बाद पटाखा फैक्टरी में उठती आग की लपटें

मुख्यमंत्री से मिले मप्र बस ऑनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी

विस्तृत चर्चा के बाद बस हड़ताल वापस ली अधिसूचना को 'होल्ड' करने के दिए निर्देश

सीएम ने कहा- सबके हितों की करेंगे रक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के हर ग्रामीण अंचल तक यात्रियों को सुगम आवागमन की सुविधा मिले, इसके लिए हम हर जरूरी कदम उठा रहे हैं। इस लक्ष्य के लिए हम कटिबद्ध हैं। सबके हितों की रक्षा हो और लोक परिवहन सेवा भी निर्बाध रूप से चलती ▶▶ शेष पेज 4 पर

बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने की बड़ी पहल, किशोरियों को मिलेगी निःशुल्क वैक्सीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पूरे देश में प्रिवेंटिव हेल्थ केयर को सशक्त करने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। इसी कड़ी में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है। सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में दृढ़ता के साथ कार्य कर रही है।

भारत बेटियों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है, एचपीवी टीकाकरण अभियान उसी संकल्प का हिस्सा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को नई दिल्ली से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मप्र में बेटियों और महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए राज्यव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया है। इसके तहत मप्र सरकार ने लगभग 8 लाख किशोरियों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए केंद्र से 7 लाख 58 हजार 500 से अधिक वैक्सीन डोज प्राप्त हो चुके हैं। यह टीका 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी और 15 वर्ष से कम आयु की पात्र बालिकाओं को लगाया जाएगा। उन्हें वैक्सीन की केवल एक डोज दी जाएगी।

खास बातें

- मप्र में एचपीवी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 8 लाख किशोरियों को मिलेगा लाभ
- राज्य सरकार महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और सुरक्षित भविष्य के लिए प्रतिबद्ध

एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू।

प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक होंगे टीकाकरण सत्र

प्रदेश में एचपीवी टीकाकरण सत्र प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। टीकाकरण स्वैच्छिक है तथा अभिभावकों की सहमति अनिवार्य होगी। पात्रता के तहत वे बालिकाएं शामिल हैं, जिन्होंने अपना 14 वां जन्मदिन पूरा कर लिया है लेकिन 15वां नहीं मनाया है, साथ ही अभियान प्रारंभ होने के 90 दिनों के भीतर 15 वर्ष पूर्ण करने वाली बालिकाएं भी पात्र होंगी। समस्त जिलों के लगभग 471 स्वास्थ्य केन्द्रों पर टीकाकरण किया जाएगा।

सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है और इससे बचाव के लिए एचपीवी टीका अत्यंत प्रभावी उपाय है। इसी उद्देश्य से राज्य में व्यापक स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभिभावकों से अपनी बेटियों के उज्ज्वल और कैंसर-मुक्त भविष्य के लिए उनका टीकाकरण अवश्य करवाने और अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के तहत मिशन मधुहारी की शुरुआत की जा रही है, जिसके तहत टाइप-1 मधुमेह से पीड़ित बच्चों और युवाओं के लिए सभी जिला अस्पतालों में साप्ताहिक क्लीनिक संचालित होंगे, जहाँ इंसुलिन जाँच और विशेषज्ञ परामर्श मिलेगा।

आत्मनिर्भर नई पीढ़ी का निर्माण सरकार का संकल्प

मप्र में डॉ. कैलाशनाथ काटजू हॉस्पिटल भोपाल से अभियान का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक है। महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के बाद सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है, जिसकी प्रिवेलेंस दर लगभग 1 लाख में 156 है। एचपीवी वैक्सीनेशन भविष्य में सर्वाइकल कैंसर को नियंत्रित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बीमारी होने के बाद इलाज करने से बेहतर है कि हम उसे होने ही न दें। यह अभियान प्रिवेंशन केयर की दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रदेश के 16 जिलों में मिशन मधुहारी का किया शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मिशन मधुहारी का शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए आदर्श जीवनशैली, संतुलित आहार और समय पर पहचान अत्यंत आवश्यक है। यह पहल टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों एवं किशोरों के समग्र उपचार एवं देखभाल के लिए शुरू की गई है। टाइप-1 मधुमेह ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में इंसुलिन का निर्माण नहीं होता और आजीवन उपचार की आवश्यकता होती है।

शुक्ल ने किया शुभारंभ।

खबर संक्षेप

आयुष विभाग का आंदोलन प्रमुख सचिव से चर्चा के बाद किया स्थगित

भोपाल। आयुष विभाग का आंदोलन प्रमुख सचिव आयुष विभाग मधयप्रदेश शासन से चर्चा के बाद स्थगित कर दिया गया है। आयुष अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गोवर्धन सिंह सिसोदिया, उपाध्यक्ष निशा खड़िया, संगठन मंत्री हेमलता सेंगर, सचिव आशुतोष रावत, कोषाध्यक्ष महेश खोरे आदि प्रदेश पदाधिकारियों ने बताया कि प्रमुख सचिव आयुष विभाग मध्यप्रदेश शासन से आयुष अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि मण्डल से मांगों के संबंध में चर्चा की गई।

राजस्व शिविरः निगम के वाहनों से कराई मुनादी, मैसेज भेजकर दी सूचना

भोपाल। नगर निगम द्वारा शनिवार को लगाए गए विशेष राजस्व वसूली शिविर में शहर के शहर के 1706 करदाताओं ने 1 करोड़ 82 लाख रुपए निगम के कोष में जमा करवाए। निगम द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम माह मार्च में करदाताओं को संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार, ठोस अपषिष्ट प्रबंधन प्रभार सहित अन्य करों-शुल्कों की अदायगी में सुविधा को देखते हुए निगम के सभी 85 वार्डों सहित अन्य स्थानों पर विशेष राजस्व वसूली शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह से नई दिल्ली में की सौजन्य भेंट, कृषि कैबिनेट के बारे में दी जानकारी

किसानों को कृषि कैबिनेट में देंगे होली की सौगात, कल बड़वानी में होगी कृषि कैबिनेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य में पहली बार कृषि कैबिनेट जनजातीय अंचल बड़वानी में 2 मार्च को आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इसमें किसानों को होली की सौगात देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित इस वर्ष में हम किसानों को आत्मनिर्भर बनाने वाले सभी कार्यों और नवाचारों को प्रोत्साहन देंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी किसानों की बेहतरी के लिए हम कई प्रकार के नवाचार कर रहे हैं। हमारी सरकार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। राज्य सरकार के 17 अलग-अलग विभागों पशुपालन, उद्यानिकी, सहकारिता, कृषि, उद्योग को साथ लेकर किसानों की समृद्धि के लिए बगीचे से लेकर बाजार तक विस्तृत योजना तैयार की गई है।

डॉ. यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री से सौजन्य भेंट के बाद यह बात कही। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय गृह मंत्री शाह से भेंटकर उन्हें अवगत कराया कि राज्य सरकार की ओर से विश्व के श्रेष्ठ शासकों में सर्वोच्च स्थान रखने वाले सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित कई आयोजन किए गए हैं।

केन्द्रीय गृहमंत्री शाह से चर्चारत सीएम डॉ. यादव।

बालिकाओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में आज प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान की शुरूआत की है। इसके तहत प्रदेश की 8 लाख से अधिक बालिकाओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। यह अभियान प्रदेश की 14 से 15 साल की बालिकाओं के लिए एक वरदान साबित होगा।

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री की खाली पड़ी जमीन पर बनेगा भव्य स्मारक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में 40 साल पहले भीषण गैस त्रासदी हुई थी। जिसमें 25 हजार से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई। राज्य सरकार ने बीते साल यूनियन कार्बाइड कारखाने में जमा कचरे का सफलतापूर्वक निष्पादन कराया है। यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री की खाली पड़ी जमीन पर एक भव्य स्मारक बनाए जाने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री शाह से मार्गदर्शन प्राप्त किया है। यहां 87 एकड़ भूमि पर भोपाल गैस त्रासदी स्मारक, साइंस पार्क, कन्वेंशन सेंटर, आदि विकास आधारित राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने की योजना है।

सरकार हर मुश्किल वक्त में किसानों के साथ खड़ी है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार हर मुश्किल वक्त में किसानों के साथ खड़ी है। प्राकृतिक आपदा से किसानों को हुई फसल क्षति के मुआवजे के लिए सर्वे के बाद सरकार मदद कर रही है। मप्र देश का फूड बॉस्केट है। प्रदेश में रबी, खरीफ, ग्रीष्मकालीन फसलों की अच्छी उत्पादकता है। मप्र दलहन उत्पादन में अग्रणी राज्य है। गेहूं उत्पादन में भी हम देश में दूसरे स्थान पर हैं। प्रदेश में उड़द, मसूर, तुअर पर्याप्त मात्रा में पैदा होती है। मप्र तिलहन में भी प्रथम स्थान रखता है।

केन्द्रीय मंत्री शाह से चर्चारत विजयवर्गीय।

जन्मस्थली भाभरा में श्रद्धांजलि अर्पित की

सीएम ने कहा कि भगोरिया को राजकीय पर्व के रूप में मना रही है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं शुक्रवार को आलीराजपुर जिले के उदयगढ़ में भगोरिया उत्सव में शामिल हुए और अमर शहीद चंद्रशेखर के बलिदानदिवस पर उनकी जन्मस्थली भाभरा में श्रद्धांजलि अर्पित की।

मध्यप्रदेश नक्सलवादी अभियान से मुक्त हुआ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मप्र नक्सलवादी अभियान से मुक्त हो गया है। लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला मप्र पहला राज्य है, यह हमारे लिए उल्लेखनीय उपलब्धि है। प्रदेश में हर तरह की नक्सल गतिविधियों पर नकेल कसी है। बालाघाट ने लंबे समय तक नक्सलवाद का दंश झेला है। क्षेत्र के समग्र विकास के लिए यहां बैगा महोत्सव आयोजित किया जाए। केन्द्रीय वनमंत्री भूपेन्द्र यादव से सीएम और प्रदेशाध्यक्ष ने भेंट की।

केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र से डॉ. यादव, हेमंत ने भेंट की।

शहीदी वर्ष पर प्रेरणादायी व्याख्यान संपन्न

त्याग, तप और तेज की त्रिवेणी गुरु तेगबहादुरः रामदत्त चक्रधर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले सिखों के नौवें गुरु गुरु तेगबहादुरजी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में संस्कृति थिएटर, कल्चरल स्ट्रीट, भंवरताल, जबलपुर में एक भव्य एवं प्रेरणादायी व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नगर के विभिन्न वर्गों, व्यवसायों एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर ने अपने ओजस्वी एवं भावपूर्ण उद्बोधन में गुरु तेगबहादुर जी के अद्वितीय त्याग, तपस्या, धैर्य और अप्रतिम साहस का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने कहा कि गुरु तेगबहादुर जी का जीवन केवल एक धार्मिक महापुरुष का जीवन नहीं था, बल्कि वह अन्याय के विरुद्ध निर्भीकता से खड़े होने और सत्य की रक्षा के लिए सर्वस्व अर्पण करने की प्रेरक गाथा है।

व्याख्यान आयोजित।

परमवीर थे गुरु तेगबहादुर

चक्रधर ने बताया कि गुरु तेगबहादुर जी, गुरु हरगोविंद के सुपुत्र थे। बाल्यावस्था में उनका नाम त्यागमल था, किंतु मात्र 13 वर्ष की आयु में युद्धभूमि में असाधारण वीरता का परिचय देने पर उन्हें "तेगबहादुर" की उपाधि प्राप्त हुई। यह नाम केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि उनके तेजस्वी व्यक्तित्व और अदम्य साहस की पहचान बन गया-तेग की धार जैसी प्रखरता और बहादुरी का प्रतीक। मुख्य वक्ता ने उस ऐतिहासिक कालखंड का स्मरण कराया जब औरंगज़ेब के शासनकाल में धार्मिक असहिष्णुता और अत्याचार चरम पर थे।

आस्था की स्वतंत्रता के प्रतीक

चक्रधर ने कहा कि गुरु तेगबहादुर जी ने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि धर्म केवल पूजा-पद्धति का विषय नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आस्था की स्वतंत्रता का प्रतीक है। उनका बलिदान किसी एक समुदाय के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए था। उन्होंने गुरुजी के साथियों-भाई मति दास, भाई दयाल दास और भाई सती दास-के अद्भुत साहस का भी उल्लेख किया। विपरीत परिस्थितियों और अमानवीय यातनाओं के बावजूद उन्होंने अपनी आस्था नहीं छोड़ी और अडिग रहे। चक्रधर ने कहा कि यह बलिदान केवल सिख समाज का इतिहास नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के आत्मसम्मान, सहिष्णुता और धर्मनिष्ठा का अमर अध्याय है। अपने वक्तव्य के समापन में उन्होंने कहा कि गुरु तेगबहादुर जी का बलिदान भारतीय इतिहास में धार्मिक स्वतंत्रता, नैतिक साहस और मानवीय गरिमा की अमिट मिसाल है।

100 युवाओं के साथ विधायक रामेश्वर शर्मा ने कोलार में देखी फिल्म

फिल्म देखते शर्मा।

संघ की 100 वर्ष की यात्रा पर आधारित 'शतक' का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर संघ पर आधारित फिल्म "शतक" को शनिवार को कोलार स्थित डीडीएक्स थिएटर में प्रदर्शित किया गया। यहां हुजूर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा ने 100 से अधिक युवाओं, कॉलेज छात्र-छात्राओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ पहुँचकर फिल्म देखी।

बता दें कि - फिल्म "शतक" राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 से लेकर 100 वर्षों की संगठनात्मक यात्रा, विचारधारा, राष्ट्र सेवा के कार्यों तथा सामाजिक योगदान पर आधारित है। शताब्दी वर्ष के अवसर पर रिलीज हुई इस फिल्म में संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन से जुड़े प्रसंगों, प्रारंभिक संघर्षों और संगठन के विस्तार की कथा को रोचक एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

राष्ट्र सेवा और हिंदू जागरण के 100 वर्ष की यात्रा है शतक : शर्मा

फिल्म देखकर थिएटर से बाहर आए विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने राष्ट्र सेवा और हिंदू जागरण के 100 वर्ष पूर्ण किए हैं। वर्ष 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा जो बीज बोया गया था, वह आज व्यापक संगठन के रूप में देशभर में समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। संघ का मूल भाव राष्ट्र के प्रति समर्पण, समाज को संगठित करना और प्रत्येक नागरिक को परिवार का सदस्य मानकर उसकी सेवा करना रहा है। उन्होंने कहा कि युद्धकाल, प्राकृतिक आपदाओं, बाढ़, भूकंप या महामारी जैसी चुनौतियों के समय संघ के स्वयंसेवकों ने निरंतर सेवा कार्य किए हैं।

निटर में उत्साहपूर्वक मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

प्राचीन विज्ञान से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक भारत की ज्ञान परंपरा का आधुनिक विस्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित एनआईटीटीटीआर में इस वर्ष के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में सप्ताह भर विभिन्न कार्यशालों और प्रतियोगिताएं का आयोजन किया गया। इसमें 3डी प्रिंटिंग लैब और रोबोटिक्स लैब में हैंड्स ऑन प्रैक्टिस, प्रतियोगिताएं जैसे क्विज़, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर, मॉडल प्रस्तुतियां शामिल रहीं।

इनके माध्यम से विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा से आधुनिक विज्ञान और तकनीक की आधारशिला से जोड़ा गया। निटर के निदेशक, डॉ. सीसी त्रिपाठी ने संबोधन में विज्ञान और नवाचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा हमारे युवा अपनी वैज्ञानिक धरोहर के वाहक बनें और विकसित भारत के निर्माण में योद्धा की भूमिका निभाएं।

निटर में आयोजन।

तेजी से आगे बढ़ रहा भारत

संस्थान के डीन साइंसेज, प्रो. पीके पुरोहित ने कहा आज भारत डिजिटल इंडिया, सेमीकंडक्टर निर्माण और एआई नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि हम अपनी प्राचीन वैज्ञानिक विरासत को आधुनिक अनुसंधान और तकनीक के साथ जोड़ें, तो भारत वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की नई कहानी लिख सकता है।

राज्य सरकार ने शुभ रंजन सेन को पीसीसीएफ हॉफ बनाया, दो साल तक इस पद पर रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य सरकार ने 1991 बैच के आईएफएस अफसर शुभरंजन सेन को पीसीसीएफ हॉफ के पद पर पदस्थ करने को आदेश शनिवार को जारी कर दिया। उनका कार्यकाल एक मार्च 2026 से शुरू होगा। सेन इससे पहले पीसीसीएफ के पद पर पदस्थ थे।

उनकी सेवानिवृत्ति अप्रैल 2028 में होगी। वे करीब दो साल तक इस पद पर रहेंगे। अभी पीसीसीएफ हॉफ के पद पर विजय कुमार अंबाड़े पदस्थ थे। उनका कार्यकाल फरवरी 2026 तक ही था। वे आज सेवानिवृत्त हो गए। उनकी सेवानिवृत्ति के पहले ही सेन को पीसीसीएफ हॉफ बनाने का आदेश जारी कर दिया गया। आईएफएस सेन भुवनेश्वर उड़ीसा के मूल निवासी है। वे वाइल्डलाइफ में पदस्थ थे। वन महकमे में काफी समय बाद कोई पीसीसीएफ हॉफ अपने से उपर के दो अफसरों को सुपरसीट कर इस कुर्सी तक पहुंचा है। आईएफएस में काफी समय से परंपरा बन गई थी कि ग्रेडेशन लिस्ट केअनुसार हॉफ की कमान दी जाती थी। पहले यह भी चर्चा थी कि आईएफएस के ग्रेडेशन सूची में अंबाड़े से ठीक नीचे एचयू खान को पीसीसीएफ हॉफ की कमान दी जाएगी। उनकी सेवानिवृत्ति जुलाई 2026 में है। वरिष्ठता क्रम में खान के ठीक नीचे 1990 बैच के आईएफएस अफसर विभाष कुमार ठाकुर का नाम है।

काफी समय बाद टूटा वरिष्ठता क्रम का सिलसिला

वन महकमे में काफी समय बाद वरिष्ठता क्रम से पीपीसीएफ हॉफ बनाने का सिलसिला टूटा है। इससे पहले आईएफएस की लॉबी इतनी मजबूत थी कि एक महीने तो छोड़िए एक दिन के लिए भी पीसीसीएफ हॉफ की कुर्सी मिल जाती थी। कुछ समय पहले पीसीसीएफ एके जैन को महज एक दिन के लिए हॉफ की कमान दी गई थी। उसमें भी आदेश उस दिन दोपहर में निकला और शाम को सेवानिवृत्त हो गए। किंतु इस बार आईएफएस सेन ने सभी को पछाड़ दिया।

हजारों नागरिकों ने निःशुल्क परामर्श, जांच और प्राथमिक उपचार का लाभ प्राप्त किया

भोपाल में स्वास्थ्य सेवा का महाकुंभः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शताब्दी वर्ष पर 100 स्थानों पर एक साथ स्वास्थ्य शिविर लगाए

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का संचालन सफलतापूर्वक पूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के ऐतिहासिक अवसर पर आज राजधानी भोपाल में सेवा और समर्पण का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा आयोजित इस विशाल अभियान के अंतर्गत शहर के 100 विभिन्न केंद्रों पर एक ही समय में 'निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर' का सफलतापूर्वक संचालन किया गया।

इस भव्य आयोजन को आरोग्य भारती, सबका सहारा सोशल वेलफेयर सोसाइटी और एमपी टीबी एसोसिएशन के विशेष सहयोग से पूर्ण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोजन के अध्यक्ष डॉ. अभिजीत देशमुख और भोपाल विभाग सेवा प्रमुख पर्वत सिंह ने की।

फ्री हेल्थ कैंप।

10,000 से अधिक नागरिकों ने उठाया लाभ

इस विशाल स्वास्थ्य अभियान के माध्यम से भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों में औसतन 10,000 नागरिकों ने निःशुल्क परामर्श, जांच और प्राथमिक उपचार का लाभ प्राप्त किया। इतनी बड़ी संख्या में जनभागीदारी इस आयोजन की सफलता का जीवंत प्रमाण है।

प्रमुख चिकित्सा संस्थानों का अभूतपूर्व सहयोग

इस महा-अभियान की सफलता में भोपाल के प्रतिष्ठित सरकारी और निजी चिकित्सा संस्थानों ने रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य किया। आयोजन समिति ने विशेष रूप से सीएमएचओ भोपाल और हमीदिया अस्पताल के प्रशासनिक सहयोग की सराहना की। इसके साथ ही ईएसआईसी, चिरायु मेडिकल कॉलेज, एलएन मेडिकल कॉलेज, मानसरोवर मेडिकल कॉलेज, पीपुल्स मेडिकल कॉलेज, भोपाल मेमोरियल अस्पताल, कैरियर कॉलेज, आर.डी. मेमोरियल आयुर्वेदिक कॉलेज, महावीर मेडिकल कॉलेज आदि के विशेषज्ञ डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ ने निःस्वार्थ सेवाएँ प्रदान कीं।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 1 मार्च 2026

चिनार ड्रीम सिटी में छठवीं मंजिल से फिर गिरी लिफ्ट, एक घायल... डेढ़ माह में दूसरा हादसा

रहवासी बोले- मेंटेनेंस का काम करवाने में देरी, लोग असुरक्षित महसूस कर रहे

लिफ्ट गिरने से घायल हुआ युवक अनुज।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर के होशंगाबाद रोड स्थित चिनार ड्रीम सिटी में 77 वर्षीय बुजुर्ग प्रीतम गिरि गोस्वामी की लिफ्ट में गिरकर मौत की दर्दनाक घटना सामने आने के करीब डेढ़ माह बाद शनिवार को सुबह एक बार फिर छठवीं मंजिल से लिफ्ट नीचे गिर गई। इससे एक युवक अनुज पथोल घायल हो गया, जबकि दूसरे युवक प्रदीप को मामूली चोटें आई हैं। घायल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

गनीमत रही कि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद से यहां रहने वाले परिवार दहशत में हैं। कॉलोनी में सोसाइटी भंग है और प्रशासक के जिम्मे मेंटेनेंस का काम है।

- ***जनवरी में सोसाइटी में बुजुर्ग की लिफ्ट में गिरकर हो चुकी है दर्दनाक मौत***
- ***जनवरी में हुए हादसे के बाद 14 ब्लॉक में लगीं 14 लिफ्ट बंद कर दी गई थीं, दशहत में 672 परिवार***
- ***डेढ़ माह में प्रशासक बदल दिया, मेंटेनेंस के लिए मैकेनिक आए थे, लेकिन लापरवाही हो रही है***

चिनार ड्रीम सिटी।

सोसाइटी में 672 परिवार रहते हैं

ड्रीम सिटी के डेवलपर चिनार ग्रुप ने 28 एकड़ में अपार्टमेंट 12 साल पहले बनाए थे। यहां 14 ब्लॉक हैं। प्रत्येक ब्लॉक में 48 परिवार रहते हैं। हर ब्लॉक में लोगों की आवाजाही के लिए लिफ्ट लगी है। यहां 672 परिवार रहते हैं। अपार्टमेंट में मेंटेनेंस की जिम्मेदारी के लिए मेंटेनेंस समिति है। ड्रीम सिटी रहवासी रखरखाव सहकारी संस्था के चुनाव नहीं होने के कारण वर्तमान में प्रशासक नियुक्ति किया गया है।

तकनीकी खराबी की ओर ध्यान नहीं दिया

रहवासियों ने बताया कि अपार्टमेंट में लगी लिफ्ट तकनीकी खराबी के कारण आए दिन बंद रहती थीं। इनके मेंटेनेंस की ओर ध्यान नहीं देने से यह खराब हो गईं। बीते माह हादसे के बाद नए प्रशासक ने इन्हें बदलने और मेंटेनेंस का काम शुरू करवाया था। जबकि अधिकांश तो बंद ही थीं।

युवकों ने बचने के लिए इमरजेंसी बटन दबाने की कोशिश की

शनिवार को सुबह छठवीं मंजिल पर रहने वाले दो युवक सुबह करीब दस बजे जैसे ही लिफ्ट का गेट खोलकर खड़े हुए, वैसे ही तेज गति से लिफ्ट नीचे जाने लगी। युवकों ने इमरजेंसी बटन दबाने की कोशिश भी की, लेकिन तब तक वे नीचे गिर गई और तेज आवाज सुनकर फ्लैट में रहने वाले लोग बाहर निकल आए। लोगों की मदद से दोनों युवकों को बाहर निकाल गया। एक युवक के पैर में गंभीर चोट आई है। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज चल रहा है, जबकि दूसरे युवक को मामूली चोटें आई हैं। उक्त युवक ब्लॉक आई-605 में किराए से रहते थे और एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। उक्त घटना से कॉलोनी में रहने वाले परिवारों में खासी नाराजगी है।

सोसाइटी में बंद लिफ्ट।

बीते माह हादसे के बाद 6 मंजिला अपार्टमेंट की 14 लिफ्ट बंद की थीं

चिनार ड्रीम सिटी में 77 वर्षीय बुजुर्ग प्रीतम गिरि गोस्वामी की लिफ्ट में गिरकर मौत की दर्दनाक घटना सामने आने के बाद यहां के 14 ब्लॉक में लगीं 14 लिफ्ट बंद कर दी गई थीं। कुछ का मेंटेनेंस किया गया था और कुछ का काम चल रहा था।

खबर संक्षेप

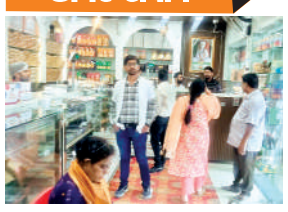

कोलार में ऑनडोर से नमकीन के लिए सैंपल

भोपाल। होली को देखते हुए खाद्य विभाग ने रोजाना सैंपलिंग शुरु कर दी है। जिसके तहत एक दिन पहले टोल प्लॉजा से 27 क्विंटल मावा पकड़ा गया था। शनिवार को चार टीमों ने अलग-अलग संस्थानों से खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए हैं। टीम ने कोलार स्थित ऑनडोर से नमकीन और दाल और दस नंबर मार्केट स्थित गागर स्वीट्स से मिल्क केक और मलाई बर्फी के सैंपल लिए हैं। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार को टीमों ने मनोकांशा गृह उद्योग जहांगीराबाद से गुजिया, नमकीन, मावा बर्फी, ऑनडोर कोलार से नमकीन और दाल, ब्रज स्वीट्स एंड डेयरी कोलार से मावा और रसगुल्ला, देवनारायण स्वीट्स कोलार से बर्फी, जैन डेयरी कोलार से मावा और पनीर, हीरा स्वीट्स कोलार से गुजिया के सैंपल लिए।

भू-माफिया रमाकांत को 7 वर्ष का कारावास

भोपाल। करोड़ों रुपए की ठगी कर फरार होने वाले भूमाफिया डीआईएल कंपनी के तत्कालीन मैनेजिंग डायरेक्टर रमाकांत विजयवर्गीय आयु 70 वर्ष पुत्र बापूलाल विजयवर्गीय निवासी सोलेस स्काई लक्जूरिया निपानिया थाना लसूड़िया इंदौर को अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती सुरेखा मिश्रा ने भादसं की धारा- 409 और 420 के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 7 वर्ष के सश्रम कारावास और 2,000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। आरोपी रमाकांत विजयवर्गीय को एक मामले में 2 जून 2022 को जिला न्यायालय ने आजीवन कारावास और 3 अक्टूबर 2024 को 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है।

बाकी निर्माण हटाने रिसोर्ट संचालक और स्टील कारोबारी ने प्रशासन से मांगी दो दिन की मोहलत

एफटीएल में क्रिसेंट क्लब, 200 फीट की बाउंड्रीवॉल ढहाई बिल्डिंग कांट्रेक्टर ने सेंटिंग रखने बनाया गोदाम जमींदोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बड़े तालाब के फुल टैंक लेवल से 50 मीटर दायरे में नो कंट्रक्शन जोन को लेकर चल रही मुहिम के तहत सर्वेंट क्वाटर को भी तोड़ा

बड़े तालाब के फुल टैंक लेबल से पचास मीटर दायरे में नो कंट्रक्शन जोन को लेकर चल रही मुहिम के बीच शनिवार को बैरागढ़ एसडीएम रविशंकर राय की टीम हलालपुरा पहुंच गई। टीम ने सबसे पहले तालाब के एफटीएल सीमा पर पक्की बाउंड्री और क्लब का हॉल सहित अन्य निर्माण होने पर दस्तावेज मांगे, लेकिन वहां कर्मचारियों ने दस्तावेज पेश करने के लिए दो दिन की मोहलत मांगी। जिसके बाद टीम ने 200 फीट लंबी पक्की बाउंड्रीवॉल को बुलडोजर से ढहा दिया। इसके साथ सर्वेंट क्वाटर को भी तोड़ा गया है। नजदीक स्थित अमीन कांट्रक्टर के आठ हजार वर्गफीट में बने गोदाम के एक हिस्से को ढहा दिया गया। टीम ने बीम डालकर पक्का निर्माण करने पर एक कर्टन वॉल भी तोड़ी है। अब टीम दो दिन बाद दोबारा से यहां आकर क्रिसेंट क्लब को तोड़ने का काम शुरु करेगी।

दो दिन में हटाने की लिखित सहमति

टीम जब एफटीएल में बुलडोजर लेकर पहुंची तो स्टील कारोबारी बब्लू और रिसोर्ट संचालक शैलेंद्र रैना ने निर्माण हटाने के लिए दो दिन की मोहलत मांगी है। जिसके लिए दोनों ने सहमति पत्र भी दिया है। यहां पर निर्माण करने के दौरान दोनों ने नगर निगम और टीएंडसीपी से परमिशन नहीं ली थी। एसडीएम ने बताया कि जिन लोगों को मोहलत दी गई है, वह खुद ही अपना निर्माण हटा लें, वरना दो दिन बाद उसे तोड़ दिया जाएगा।

क्रीसेंट क्लब की पक्की बाउंड्रीवॉल ढहाई।

- ***बैरागढ़ एसडीएम रविशंकर राय की टीम ने हलालपुरा में कार्रवाई की***
- ***नगर निगम, टीएंडसीपी से परमिशन नहीं ली थी***

50 मीटर में आने वाले सभी निर्माण टूटेंगे

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि एफटीएल से 50 मीटर के दायरे में जितने भी निर्माण 16 मार्च 2022 के बाद हुए हैं, उन्हें अतिक्रमण के तहत तोड़ा जाएगा। ये बड़ा तालाब का शहरी हिस्सा है, जबकि ग्रामीण हिस्से में एफटीएल से ढाई सौ मीटर की दूरी तय है। अब तक के सर्वे में कुल 153 झुग्गियां और पक्के निर्माण सामने आ चुके हैं। इनमें कई रसूखदारों के आलीशान बंगले बने हैं।

कलियासोत के पचास मीटर से हटाई 8 डेयरियां

कलियासोत डैम किनारे पचास मीटर के दायरे में दो साल पहले हटाई गई एक दर्जन डेयरियां दोबारा से बना ली गई। शनिवार को टीटी नगर अर्चना शर्मा की टीम ने नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते के साथ पहुंचकर आठ डेयरियों को जमींदोज कर दिया। इधर चार डेयरी संचालकों को दो दिन की मोहलत दी है। डेयरी संचालक खुशीलाल आयुर्वेदिक महाविद्यालय के पास शेड बनाकर कारोबार कर रहे थे। एनजीटी में 9 डेयरियों को हटाने के संबंध में याचिका दायर की गई थी, जिसके बाद कोर्ट ने इन डेयरियों को हटाने का आदेश जारी किया। जिसके बाद शनिवार को एसडीएम की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरु की। जिसके बाद टीम ने जमीन से आठ डेयरियों को हटा दिया।

- ***एनजीटी के आदेश पर एसडीएम की टीम ने की कार्रवाई***
- ***खुशीलाल आयुर्वेदिक महाविद्यालय के पास शेड बनाए थे***

कलियासोत डैम किनारे से हटाई डेयरियां।

रॉयल गार्डन की बाउंड्रीवॉल तोड़ी

निगम के अतिक्रमण दस्ते ने बैरागढ़ क्षेत्र में रॉयल गार्डन की अवैध रूप से बनी पक्की बाउंड्रीवाल को जेसीबी मशीन से तोड़ी गई। गार्डन संचालक ने बिना परमिशन के बाउंड्रीवॉल का निर्माण कर लिया था।

बिल्डिंग कांट्रेक्टर का गोदाम ढहाया। इंसेट में प्रशासन की टीम।

परमिशन के दस्तावेज पेश नहीं किए गए

एक हफ्ते पहले ही राजस्व विभाग की टीम ने क्रिसेंट क्लब के शकील खान और मोहम्मद रिजवान को निर्माण के संबंध में परमिशन दिखाने की सूचना दे दी थी, लेकिन दस्तावेज पेश नहीं किए गए। जिसके बाद शनिवार को तड़के तहसीलदार हर्ष विक्रम सिंह के साथ टीम बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंची, तो एफटीएल पर बनी बाउंड्रीवॉल और सर्वेंट क्वार्टर जमींदोज कर दिया। क्लब और मैरिज गार्डन को तालाब के एफटीएल सीमा से 50 मीटर के दायरे में बनाया गया है। इसी तरह बिल्डिंग कांट्रेक्टर ने भी एफटीएल सीमा से पक्का निर्माण किया था। जिसे ढहा दिया गया है।

कलियासोत डैम किनारे किया जा रहा एक दर्जन डेयरियों का संचालन, होगा सर्वे

यहां पर 9 की जगह एक दर्जन डेयरियों का संचालन किया जा रहा था। जिसके बाद सिंगपुर स्थित पवन यादव, हेमंत यादव, फूल सिंह, जीतेंद्र यादव, उदयभान यादव, राधेश्याम साहू, अनिल यादव और बबलू यादव की डेयरी को जमींदोज किया गया है। जबकि चार डेयरी संचालकों को दो दिन की मोहलत दी गई है। तालाब के सीमांकन को लेकर टीएंडसीपी से नक्शा मांगा गया है, जिसके आधार पर तालाब के पचास मीटर दायरे का सीमांकन किया जाएगा।

शिकायत पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज

रेरा भवन में सेक्शन अधिकारी ने महिला वकील से की छेड़छाड़

भोपाल। एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित रेरा भवन में शुक्रवार दोपहर महिला वकील से रेरा के सेक्शन अधिकारी ने छेड़छाड़ कर दी। वकील का कहना है कि वह काम से रेरा के दफ्तर गई थी। वहां सेक्शन अधिकारी ने उन्हें बार बार चाय काफी और खाना खाने की जिद की। इसी बीच बुरी नियत से छेड़छाड़ की। पुलिस ने वकील की शिकायत पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर लिया है। सेक्शन अधिकारी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार बीस साल की युवती पेशे से वकील है। शुक्रवार को वह काम से रेरा भवन गई थी। वहां सेक्शन अधिकारी हिमनानी से मिली। हिमनानी ने उसे चाय कॉफी और चाकलेट खाने की बात कही। वह कहने लगे कि खाना खा लो। इस दौरान बुरी नियत से उन्होंने छेड़छाड़ की। घटना की जानकारी उन्होंने अपने साथ काम करने वाले अन्य वकीलों को दी। इसके बाद वकीलों के कहने पर थाने पहुंची और हिमनानी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

प्रदेश में गर्मी के तीन महीनों के दौरान भीषण गर्मी, इस महीने लू के एक या दो दिन हो सकते हैं

इस महीने दिन का सामान्य पारा 33.9 डिग्री पहुंचेगा 40 डिग्री तक, रात का पारा होता है 17.6 डिग्री, रहेगा 19 डिग्री या अधिक

आज से गर्मी का सीजन शुरू: मार्च से मई के बीच गर्मी ज्यादा, बारिश कम, लू के दिन अधिक रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एक मार्च से गर्मी का सीजन शुरू हो रहा है। तीन महीने यानि मार्च, अप्रैल और मई के बीच इस साल मौसम अलग ही अंदाज में पेश आएगा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला और आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार इस साल गर्मी के सीजन में गर्मी सामान्य से अधिक रहेगी।

बारिश सामान्य से कम और लू के दिन भी अधिक रहेंगे। कुल मिलाकर गर्मी अधिक परेशान करेगी। विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार मप्र में मार्च में गर्मी अंतिम सप्ताह में जोर पकड़ेगी। इस महीने लू के दिन एक या दो हो सकते हैं।

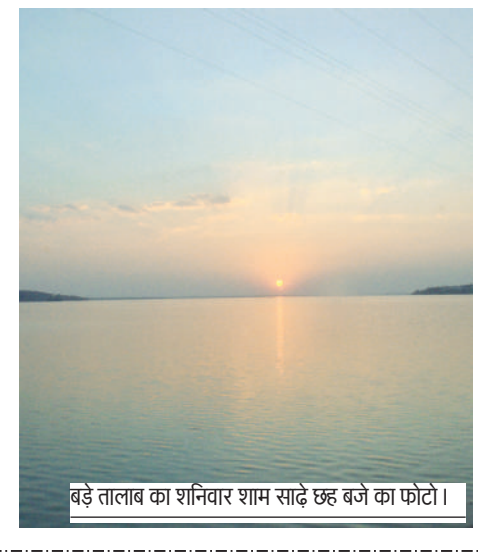
बड़े तालाब का शनिवार शाम साढ़े छह बजे का फोटो।

मार्च में कैसा रहेगा राजधानी भोपाल का मौसम

मार्च में भोपाल में दिन का सामान्य पारा 33.9 डिग्री है, लेकिन मार्च के तीसरे सप्ताह में 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। रात का पारा सामान्य तौर पर 17.6 डिग्री रहता है, जो अंतिम सप्ताह में 19 से 21 डिग्री के करीब रहेगा। यहां औसतन दो दिन में 8.8 मिमी तक बारिश होती है, लेकिन यह इससे कम होने का अनुमान है। इस बीच एक-दो दिन ओले गिर सकते हैं। इसके पीछे कारण कमजोर ला नीना की स्थिति को माना जा रहा है।

अप्रैल और मई भी अधिक गर्म

शुक्ला के अनुसार सीजन में अप्रैल और मई में भी गर्मी अधिक पड़ेगी। तापमान औसत सामान्य से औसतन एक से डेढ़ डिग्री तक अधिक रहने का अनुमान है। इस बीच लू की स्थित बढ़ेगी। अप्रैल में 5 से 7 दिन और मई में 10 से 12 दिन लू के हो सकते हैं। कुल मिलाकर गर्मी के पूरे सीजन में करीब 21 से 22 दिन लू के रहेंगे। अप्रैल और मई में बारिश भी औसत से कम रहेगी। इससे गर्मी अधिक परेशान करेगी।

मार्च के रिकॉर्ड पर एक नजर

भोपाल में इस महीने ऑल टाइम रिकॉर्ड के अनुसार सबसे अधिक दिन का पारा 41 डिग्री 30 मार्च 2021 को रहा था। वहीं सबसे कम रात का तापमान 6.1 डिग्री 9 मार्च 1979 को दर्ज हुआ है। सबसे अधिक बारिश 108.8 मिमी मार्च 2006 में हुई। 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश 44.6 मिमी 10 मार्च 2006 को दर्ज की गई थी।

पेज एक का शेष...

अमेरिका-इजराइल का...

हैं। इस हमले के कारण पश्चिम एशिया के कई देशों ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जिससे वैश्विक विमान सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। दक्षिण ईरान में एक स्कूल पर हुए हमले में 85 छात्राओं सहित 201 की मौत की भी खबर है, जिससे मानवीय संकट गहरा गया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने जंग को लेकर आपात बैठक बुलाई। यूएन सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने एक बयान जारी कर दुश्मनी तुरंत खत्म करने की अपील की है और चेतावनी दी है कि ऐसा न करने पर आम लोगों और इलाके की स्थिरता के लिए गंभीर नतीजों वाले बड़े इलाके में लड़ाई का खतरा है। इस बीच, ईरान ने गुटेरेस को एक पत्र भेजा है, जिसमें उसने यूएन से इंटरनेशनल शांति की जिम्मेदारी लेने की अपील की है। इजराइल दौरे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लौटते ही हुए इन हमलों के मायने भी निकाले जा रहे हैं। पाक महीना रमजान के दौरान हुए इस अमेरिका-इजराइल का ईरान पर 'विध्वंसक' हमले ने समूची दुनिया को चौंका दिया है।

ईरान ने जवाबी हमले 400 मिसाइलें दागीं: ईरान ने इन हमलों के जवाब में इजरायल और खाड़ी देशों में स्थित 14 अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं। दावा किया गया है कि इसमें सैकड़ों सैनिक मारे गए और घायल हुए हैं। अबू धाबी में ईरानी मिसाइल के मलबे से एक व्यक्ति की मौत हो गई। बहरीन में स्थित अमेरिकी नौसेना मुख्यालय पर मिसाइल हमले की खबरें हैं। इजरायल के यरूशलेम और उत्तरी इजरायल के आसमान में धमाके सुने गए हैं, जहां इजराइली डिफेंस सिस्टम मिसाइलों को रोकने की कोशिश कर रहा है। दुबई के बुर्ज खलीफा के पास भी धमाका हुआ।

इस्फहान परमाणु केंद्र पर हमला सैन्य कमांडर की मौत : शुरुआती रिपोर्टों और सैटेलाइट इमेजरी के अनुसार, इस्फहान परमाणु प्रौद्योगिकी केंद्र की इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। वहीं इजराइली अधिकारियों के अनुसार, ईरान के रक्षा मंत्री अमीर नसीरजादेह और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी के चीफ मेजर जनरल मोहम्मद पाकपुर इस हमले में मारे गए हैं। पाकपुर को 2025 में पूर्व कमांडर हुसैन सलामी की मौत के बाद नियुक्त किया गया था। दावा किया गया है कि ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ मेजर जनरल आमिर हतामी भी तेहरान पर हुए हवाई हमलों में मारे गए हैं।

आईआरजीसी के मेजर जनरल की ट्रंप को धमकी: इस बीच, आईआरजीसी के मेजर जनरल इब्राहिम जब्बारी ने सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधे धमकी दे दी है। उन्होंने ऐसे हथियारों से हमला करने की बात की है जिससे अभी दुनिया अनजान है। दरअसल, आईआरजीसी के मेजर जनरल इब्राहिम जब्बारी ने धमकी देते हुए कहा कि ट्रंप को यह पता होना चाहिए कि आज हमने पुराने भंडार में मौजूद मिसाइलों को दागा, जल्द ही हम ऐसे हथियार का प्रदर्शन करेंगे जो अमेरिका ने पहले कभी नहीं देखे होंगे। वहीं,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान' शुरू होने के ऐलान करते हुए एक वीडियो के जरिए ईरानी जनता से कहा कि जब हम अपना काम पूरा कर लेंगे, तो आप अपनी सरकार पर कब्जा जमा लेना। वह आपकी होगी जिसकी बागडोर आप अपने हाथ में ले सकेंगे। मुमकिन है कि आने वाली कई पीढ़ियों में यह तुम्हारे पास एकमात्र अवसर होगा।'

सुबह हमला...

की उम्मीद नहीं थी। ईरान ने कल्पना नहीं की होगी कि हमला दिन के उजाले में होगा। ऐसे में ईरान में ज्यादा से ज्यादा नुकसान की आशंका है। इजराइली हमलों में ईरान में हुई जानमाल की हानि का अभी तक कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं आया है। इजराइली सेना का दावा है कि ईरान में 500 ठिकानों को निशाना बनाया गया है।

हमले में ईरान....

समेत 201 की मौत हो गई और कई घायल हुए हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के कार्यालयों के पास भी धमाके हुए हैं, हालांकि उनके हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। ईरान ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है और मोबाइल सेवाएं बाधित हैं।

बोत्सवाना से आए ...

के प्रयासों से भारत (मप्र) में चीतों के प्रतिस्थापन की योजना पूरी तरह से सफल रही है। केंद्रीय मंत्री यादव 9 चीतों को कूनो में बने क्वारंटीन बाड़ों में रिलीज करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में चीता प्रोजेक्ट को साढ़े तीन साल का समय हो गया है। इन साढ़े तीन सालों में वन्य जीव विशेषज्ञों ने जो उम्मीद जताई थी, उस पर कूनो खरा उतरा है। इस मौके पर नवीन व नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला समेत कई जनप्रतिनिधि, सांसद, विधायक, वन विभाग के वरिष्ठ अफसर मौजूद थे। कार्यक्रम में डीजी (वन्य जीव) भारत सरकार सुशील कुमार अवस्थी, प्रमुख सचिव (वन) संदीप यादव, पीसीसीएफ (हॉफ) वीएन अंबाडे समेत अन्य अफसर मौजूद थे। अंबाड़े का शनिवार को अंतिम कार्यकाल थे। इसी के साथ वे सेवानिवृत्त हो गए।

भारत में चीतों की वर्तमान स्थिति यह है: बोत्सवाना से 9 चीतों के आने के बाद अब देश में कुल चीतों की कुल संख्या 48 हो गई है। इनमें 45 कूनो नेशनल पार्क में और 3 गांधी सागर अभयारण्य में है। सबसे पहले 17 सितंबर 2022 को लाए गए 8 नामीबियाई चीतों में से 3 यहां पूरी तरह से स्थापित हो चुके हैं। उनके 17 भारतीय जन्मे शावकों सहित कुल नामीबियाई मूल की चीतों कर आबादी 20 हो गई है। 18 फरवरी 2023 को लाए गए 12 दक्षिण अफ्रीकी चीतों में से 8 स्थापित हैं। उनके 11 भारतीय जन्मे शावकों सहित कुल दक्षिण अफ्रीकी मूल की स्थापित आबादी 19 हो गई है। इनमें से 16 कूनो में एवं 3 गांधी सागर में हैं।

कूनो अब दूसरे ....

नेशनल पार्क में चीतो का कुनबा निरंतर बढ़ रहा है, वर्तमान में भारत में चीतों की संख्या 48 हो गई है, जिनमें 45 कूनो नेशनल पार्क और 3 गांधी सागर अभयारण्य में है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रयासों से विश्व में जैव विविधता संरक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है और 97 देश इस मंच के सदस्य बन गए हैं।

एक माह के....

इसके बाद चीता स्टीयरिंग समिति तय करेगी कि किन चीतों को खुले जंगल में छोड़ा जाए और किन्हें निगरानी में रखा जाए। उधर, कूनो में अब मादाओं का पलड़ा और बढ़ गया है। वन्यजीव विशेषज्ञ इसे बेहद अहम मान रहे हैं। वव्य विशेषज्ञों का मानना है कि मादा चीतों की संख्या बढ़ने से क्षेत्रीय टकराव कम होगा और शावकों के जन्म की संभावना बढ़ेगी।

तीन हेलीकॉप्टर से ....

नेशनल पार्क पहुंचे। 9 चीतो में 6 मादा और 3 नर चीते शामिल है। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री यादव ने बोत्सवाना से आए 9 चीतो में से तीन चीतो को प्रतीकात्मक रूप से क्वांरटीन के लिए पालपुर मेघपुरा पूर्व बीट में बनाए गए बाड़े में रिलीज किया।

21 लोगों की ....

कई लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि धमाके में घायल हुए छह लोगों की हालत गंभीर है। पटाखा फैक्टरी में धमाके पर राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दुख जताया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में नायडू ने लिखा कि काकीनाडा जिले के वेतलापलेम गांव में एक पटाखा बनाने वाली यूनिट में हुए धमाके की खबर विचलित करने वाली है। इस हादसे में कई लोगों की जान गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हादसे के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली है और उन्हें पीड़ितों को हरसंभव मदद मुहैया कराने का निर्देश दिया गया है। सीएम नायडू ने कहा, राहत और बचाव कार्यों पर सरकार नजर रख रही है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, जब धमाका हुआ उस समय पटाखा बनाने वाली इस फैक्टरी में करीब 20 लोग काम कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने हादसे की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं।

विस्तृत चर्चा के...

रहे, यही हमारा ध्येय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम यात्रियों को विशेषकर ग्रामीण अंचल के लोगों को सुगम परिवहन की सेवा देना चाहते हैं, पर इस उद्देश्य की पूर्ति में किसी का नुकसान भी नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों (बस ट्रांसपोर्टर्स) से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बस ऑपरेटर्स की सभी शंकाओं व कठिनाई का मिल-बैठकर हल निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑनर्स के पदाधिकारी, परिवहन मंत्री से मिलकर अपनी सभी समस्याओं का समाधान कराएंगे। इसके लिए वे परिवहन मंत्री को भी निर्देशित कर रहे हैं। दोनों पक्षों की चर्चा और समाधान के बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासन द्वारा जारी की गई एक सूचना एवं एक अधिसूचना को होल्ड करने के निर्देश दिए। बैठक में सचिव परिवहन मनीष सिंह, बस ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, अन्य पदाधिकारी एवं प्रदेश के दस संभागों से आए बस ऑनर्स उपस्थित थे।

एसोसिएशन पदाधिकारियों ने जताया सीएम का आभार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सकारात्मक बातचीत, अपनी मांगों के संबंध में विस्तृत चर्चा एवं उपर्युक्त सूचना/अधिसूचना को होल्ड करने का आश्वासन मिलने के बाद मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन (बस ट्रांसपोर्टर्स) के पदाधिकारियों ने आगामी 2 मार्च 2026 से प्रारंभ होने वाली बस हड़ताल वापस ले लेने की घोषणा की है। एसोसिएशन ने विषय का संतोषजनक समाधान निकालने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हृदय से आभार भी जताया।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
आम सूचना

बागमुगालिया एक्सटेंशन हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भोपाल में भूखण्ड/भवन क्रमांक एच.आई.जी.-317 मण्डल द्वारा श्री दरबार सिंह राजपूत आत्मज श्री ठाकुर प्रसाद सिंह राजपूत के नाम पर भाड़ाक्रय हस्तान्तरण आदेश क्र . 3596-3600 दिनांक 16/11/2012 को हस्तान्तरित किया गया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 23/11/2012 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। केता/विक्रेता द्वारा आवेदन, परिचय पत्र, शपथ-पत्र, संयुक्त शपथ-पत्र एवं मण्डल प्रारूप पर आवेदन प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्रीमती सोनाली विजयवर्गीय पत्नी श्री नितेश विजयवर्गीय एवं श्रीमती दिव्या विजयवर्गीय पत्नी श्री भरत बियजवर्गीय के संयुक्त नाम पर हस्तान्तरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है एवं उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख दिनांक 16/02/2026 को केता के पक्ष में दस्तावेज पंजीकृत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त संपत्ति श्रीमती सोनाली विजयवर्गीय पत्नी श्री नितेश विजयवर्गीय एवं श्रीमती दिव्या विजयवर्गीय पत्नी श्री भरत बियजवर्गीय के संयुक्त नाम पर हस्तान्तरण का प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है। उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2, भापोल

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
आम सूचना

न्यू अशोका गार्डन हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भोपाल में भूखण्ड / भवन क्रमांक 655 ए-सेक्टर मण्डल द्वारा श्री कालका प्रसाद आत्मज श्री रंगई के नाम पर भाड़ाक्रय आधार पर हस्तान्तरण आदेश क्र. 7681-7689 दिनांक 31/07/1986 को हस्तान्तरित किया गया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 06/03/1987 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। श्री कालका प्रसाद आत्मज श्री रंगई की दिनांक 02/11/2022 को मृत्यु होने के उपरांत उनकी पत्नी / पुत्रगण 1) श्रीमती शिवकला पत्नी स्व. श्री कालका प्रसाद 2) श्री बृज लाल 3) श्री जानकी प्रसाद 4) श्री किशोरी प्रसाद पुत्रगण स्व. श्री कालका प्रसाद के द्वारा उक्त संपत्ति को अपने संयुक्त नाम पर नामान्तरण करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मूल आवंटी के अन्य वारिसों का अनापत्ति शपथ-पत्र, परिचय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं मण्डल प्रारूप में आवेदन पत्र प्रस्तुत किए गए है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति 1) श्रीमती शिवकला पत्नी स्व. श्री कालका प्रसाद 2) श्री बृज लाल 3) श्री जानकी प्रसाद 4) श्री किशोरी प्रसाद पुत्रगण स्व. श्री कालका प्रसाद के संयुक्त नाम से नामान्तरण हेतु प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है। यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2, भापोल

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION, GWALIOR
WORKSHOP DEPARTMENT

File No. 38/25x4/19/WS/2025-26 DATE : 25/02/2026

जनसम्पर्क RO क्रमांक 118 **DETAILED NOTICE INVITING TENDER** दिनांक 26-02-2026

Online tenders are invited on behalf of Gwalior Municipal Corporation.

Sr. no.	Name of Work	Probable Amount of Contract	Tender ID no.	Date of release of Tender	Last date for purchase online tender dated
1	Supply of 19 Nos EV Garbage Tipper With Charging Unit, 01 Year Defect liability/Warrantee period and 03 year Annual Maintenance of 19 Nos EV Garbage Tipper and Charging Unit as per Specification & Condition to GMC.	3,37,46,869 (with GST)	2026_UAD_485092_1	25-02-2026	26-03-2026

Further details can be seen at **http://mptenders.gov.in**

Nodal Officer, Workshop, Nagar Nigam Gwalior

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

-:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ::-

क्रं./ 384/लो.क.वि./न.पा./2026 कुम्हारी, दिनांक 25/02/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
186317	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kumhari, Chhattisgarh	112.45	19.03.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कुम्हारी

FORM - IV
Statement of ownership and other particulars about Hari Bhoomi as required by Registration of Newspapers (Central) Rules 1956 :

1. Place of Publication : Haribhoomi Office, PB-2, 4th Floor, Mansarovar Complex, Ward No. 50, Shivajinagar, Near Rani Kamlapati Railway Station, Hoshangabad Road, Bhopal, Madhya Pradesh-462016
2. Periodicity of Publication: Daily
3. Printer's Name : Achint Maheshwari Nationality: Indian Address: Plot No. 160, New H Sector, Industrial Estate, Govindpura, Bhopal-462023
4. Publisher's Name : Achint Maheshwari Nationality : Indian Address : As above
5. Editor's Name : Dr. Himanshu Dwivedi Nationality : Indian Address : Plot No. 160, New H Sector, Industrial Estate, Govindpura, Bhopal-462023

Hari Bhoomi, is owned by Hari Bhoomi Communications Private Limited, 201, Onkardeep Building, A-19, Connaught Place, New Delhi-110001 having following share holders holding more than one percent of the total capital :

i) Abhimanyu Sindhu, 53-57, Sector -14, Rohtak, Haryana - 124001
ii) Sarvesh Sindhu 23 Rajdoot Marg, Chanakyapuri, New Delhi - 110021
iii) Vir Sen Sindhu 1, Garud Nagar, Gevra Project, Korba, Chhattisgarh - 495452
iv) Vrit Pal Sindhu 23 Rajdoot Marg, Chanakyapuri, New Delhi - 110021
v) Satya Pal Sindhu 53-57, Sector -14, Rohtak, Haryana - 124001
vi) Anika Sindhu 53-57, Sector -14, Rohtak, Haryana - 124001
vii) Swasti Sindhu 53, Sector-14, Rohtak, Haryana-124001
viii) Rachna Sindhu 57, Sector-14, Rohtak, Haryana-124001
ix) M/s Indus Edumanagement Services Private Limited 129, Transport Centre, Punjabi Bagh, West Delhi-110035
x) Paramitra Holdings Private Limited, 129, Transport Centre, Punjabi Bagh, West Delhi-110035

I, Achint Maheshwari, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Sd/-
Achint Maheshwari
Dt. 01-03-2026 Publisher

MINISTRY OF MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
GOVERNMENT OF INDIA
कयर बोर्ड

संविदा के आधार पर परियोजना / तकनीकी कर्मचारियों की नियुक्ति

भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय, कयर बोर्ड अपने दो अनुसंधान संस्थानों, केंद्रीय कयर अनुसंधान संस्थान, आलप्पुषा,केरल और केंद्रीय कयर प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक,बेंगलुरु के लिए पूर्णतः संविदा के आधार पर परियोजना/तकनीकी कर्मचारियों (7 रिक्तियां) की नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता हैं।

आवेदक विस्तृत विज्ञापन के लिए कयर बोर्ड की वेबसाइट **(www.coirboard.gov.in)** पर जा सकते हैं। सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन 22 मार्च , 2026 को शाम 5.30 बजे तक या उससे पहले ऑनलाइन जमा किए जाने चाहिए।

17.02.2026 cbc25131/12/0048/2526 www.coirboard.gov.in ह/- सचिव

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी **भोपाल बाजार** विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473

वैवाहिकी
वर चाहिए
वर चाहिए
जीवन साथी चाहिए जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना हो सम्पर्क करें
7566281535

वधु चाहिए
वधु चाहिए
बिलासपुर निवासी बिजनेस एवं प्राइवेट जॉब कर रहे 28 वर्षीय सरयूपारी ब्राह्मण युवक हेतु सुयोग्य वधु चाहिए सर्व ब्राह्मण स्वीकार्य
सम्पर्क करें-
6263215412
9229991967

वधु चाहिए- अग्रवाल वधु चाहिए उम्र 26 वर्ष रंग गोरा अकेला 12वीं पास ऊंचाई 5'5" अविवाहित स्वंय की व्यवसाय, स्वयं का घर उच्च वर्ग हेतु वधु चाहिए मो.- 7049784336, 8815859240, पता- बी. अग्रवाल, राधाकृष्ण मंदिर डोंगरगांव छत्तीसगढ़ (6681)

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

फार्म हाउस उपलब्ध है
प्राकृतिक सोन्दर्य से भरपूर संपूर्ण सुविधाओं के साथ।
बैंक फाईनेंस सुविधा उपलब्ध
अम्बाड़ी हिल्स फार्महाउस
दीवानगंज में मेन विदिशा रोड पर

सम्पर्क करें 9755600569, 9755600827
हर रविवार आफिस से साइट विजिट की सुविधा
आफिस: आदित्य कन्सट्रक्सन एण्ड मार्केटिंग, हाउस न. 16, 66 फीट, कोकता ट्रांसपोर्ट नगर रोड, महोली, भानपुर, भोपाल

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार,जाहिर सूचना
@ Rs.1200/- 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू
बुकिंग के लिए संपर्क करें।
मो. 9977912473

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंज़िल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:-
220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करेंद भोपाल
मो. 7772079910

WE PROVIDE THE BEST SOLAR ENERGY
Na 2 Lakh Mein.. Na 1.5 Lakh Mein..
COMPLETE SOLAR SOTUTIONS
BEST OFFER
HERRY UP!
BRANDS we deal with! TATA POWER SOLAROOF WAAREE adani Solar ECE INDIA
Sirf ₹72,000 Mein! 3.3 kW Solar Lagaye
Bachat ka Naya Tareeka!
Contact us 99932-41867, 73549-99281
Aura Mall, Bhopal, 462010
228, Dwarkadhish Colony Indore (M.P.) 452005

हरिभूमि रनिंग क्लासीफाइड
उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आम सूचना/कोर्ट नोटिस

राशिफल

मेष रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

शब्द पहेली - 6153

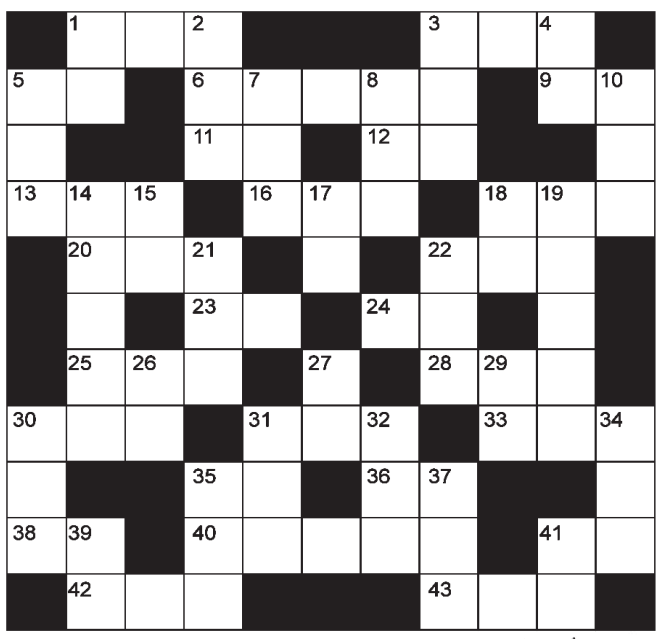

बाएँ से दाए-
1. सेवक,दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला,जाम-2
11. टोंटी,नलका-2
12. आनंद,जूस-2
13. प्रतिज्ञा,शपथ-3
16. सिमरन,सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन,लेखनी-3
22. कमल,जलज-3
23. क्रोध,गुस्सा-2
24. पाश,फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव,प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे
1. उर्वरक-2
2. विशाल,श्रेष्ठ-3
3. धनवान,संपन्न-3
4. घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5. दैत्य,असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार,पार लगाना-3
10. शरण,आश्रय-3
14. चूर-चूर,ढहा-5
15. टोंटी,नलका-2
17. युद्ध,संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र,दोस्त.मीत-2
27. हूर,अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर,नैहर-3
34. युक्तिवाद,पैरवी-3
35. टब,परात,तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत,तह-2
41. कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -6152 का हल

क	म	ला	का	र			कु	रा	न	
था	न		र		कै	ला	श		भ	ला
वा			खा	वि	द		ल			य
च	म	क	ना			त		क	स	क
क		या		क	ल	क	ल		ली	
	आ	स		ल		रा		शा	म	
	रा		क	र	ता	र		म		ख
श	म	न		व			म	त	ल	ब
ह			म		दा	म	न			र
र	थ		ग	र	म		च		दा	दा
	ल	की	र			स	ली	के	दा	र

सूडोकु नवताल - 6163

कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6162 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

होली से समझें निवेश के चटख रंग
लाल पीला, हरा या नीला

किस 'रंग' के एसेट में कितना पैसा लगाने से भविष्य होगा मजबूत

•

गोल्ड, इक्विटी, डेब्ट और हाई-रिस्क निवेश में उम्र के हिसाब से पैसा लगाएं

होली का आनंद तभी है जब हर रंग का संतुलित मिश्रण हो। ठीक वैसे ही निवेश में भी संतुलन जरूरी है। यदि आप इन चारों रंगों का सही तालमेल बिठा लेते हैं, तो आपका भविष्य आर्थिक रूप से मजबूत और सुरक्षित बन सकता है। इस होली केवल गुलाल न उड़ाएं, बल्कि अपने वित्तीय जीवन को भी नए रंग दें। अनुशासन, धैर्य और संतुलन यही है सफल निवेश का मंत्र। जब आपका पोर्टफोलियो संतुलित होगा, तभी आपका भविष्य सच में रंगीन व खुशहाल होगा।

निवेश मंत्रा

सेंट्रल डेस्क

होली का त्योहार रंगों, उमंग और नई शुरुआत का प्रतीक है। जैसे होली के हर रंग का अपना महत्व होता है, वैसे ही निवेश की दुनिया में भी हर एसेट क्लास की अलग भूमिका होती है। अक्सर लोग निवेश को लेकर दो बड़ी गलतियां करते हैं या तो सारा पैसा सुरक्षित समझकर एफडी और बचत खाते में डाल देते हैं, या फिर तेजी के लालच में पूरा धन शेयर बाजार में लगा देते हैं। दोनों ही स्थितियां लंबे समय में संतुलित नहीं मानी जातीं। असल में मजबूत वित्तीय भविष्य का राज डायवर्सिफिकेशन यानी संतुलित निवेश में छिपा है। यदि आपके पोर्टफोलियो में पीला (गोल्ड), हरा (इक्विटी), नीला (डेब्ट) और थोड़ा सा लाल (हाई-रिस्क) रंग सही अनुपात में हो, तो आपका आर्थिक जीवन भी होली की तरह रंगीन और संतुलित बन सकता है।

पीला रंग
गोल्ड, सुरक्षा व स्थायित्व

भारत में सोना सिर्फ धातु नहीं, भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व भी रखता है। निवेश की दृष्टि से गोल्ड को सेफ हेवन कहा जाता है। जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, आर्थिक अनिश्चितता बढ़ती है या वैश्विक तनाव होता है, तब सोना अक्सर स्थिरता प्रदान करता है। गोल्ड का मुख्य उद्देश्य तेज रिटर्न देना नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो को संतुलित रखना है। यह महंगाई के खिलाफ एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कुल निवेश का लगभग 10% से 15% हिस्सा गोल्ड में होना चाहिए। इससे ज्यादा निवेश करने से ग्रोथ प्रभावित हो सकती है। आज के समय में फिजिकल गोल्ड की बजाय सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड, गोल्ड ईटीएफ या डिजिटल गोल्ड बेहतर विकल्प माने जाते हैं। इससे शुद्धता, सुरक्षा और पारदर्शिता बनी रहती है।

हरा रंग
इक्विटी ग्रोथ का असली इंजन

हरा रंग खुशहाली और तरक्की का प्रतीक है। निवेश में यह इक्विटी यानी शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड को दर्शाता है। यदि आपका लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की उच्च शिक्षा या वित्तीय स्वतंत्रता—तो इक्विटी से बेहतर विकल्प मुश्किल है। इतिहास बताता है कि लंबी अवधि (15–20 वर्ष) में इक्विटी ने अन्य एसेट क्लास की तुलना में बेहतर रिटर्न दिए हैं। हालांकि इसमें उतार-चढ़ाव रहता है, लेकिन समय के साथ यह अस्थिरता संतुलित हो जाती है। एक सरल फॉर्मूला यह है कि 100 में से अपनी उम्र घटाइए जो संख्या आए, उतना प्रतिशत इक्विटी में निवेश किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपकी उम्र 30 वर्ष है, तो लगभग 70% तक इक्विटी में निवेश संभव है (जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार)। नए निवेशकों के लिए सीधे शेयर खरीदने की बजाय एसआईपी के माध्यम से डायवर्सिफाइड म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर रहता है। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम होता है और नियमित निवेश की आदत बनती है।

नीला रंग : डेब्ट/एफडी :
स्थिरता और भरोसा

नीला रंग शांति और संतुलन का प्रतीक है। निवेश में यह डेब्ट इंस्ट्रूमेंट्स जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), डेब्ट म्यूचुअल फंड और बॉन्ड को दर्शाता है। डेब्ट का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा और स्थिर रिटर्न देना है। यह उन लक्ष्यों के लिए जरूरी है जो निकट भविष्य में पूरे करने हैं, जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर की डाउन पेमेंट या इमरजेंसी फंड। हर व्यक्ति को कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड डेब्ट में रखना चाहिए। इससे अचानक नौकरी जाने, बीमारी या अन्य आर्थिक संकट की स्थिति में मदद मिलती है। डेब्ट का हिस्सा उम्र के साथ बढ़ाना समझदारी है। जैसे-जैसे रिटायरमेंट नजदीक आता है, जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। हालांकि एफडी सुरक्षित विकल्प है, लेकिन डेब्ट म्यूचुअल फंड या उच्च रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड भी बेहतर रिटर्न दे सकते हैं। निवेश से पहले जोखिम और टैक्स प्रभाव को समझना जरूरी है।

लाल रंग : हाई रिस्क, अवसर और सावधानी

लाल रंग ऊर्जा और जोश का प्रतीक है, लेकिन निवेश में यह सावधानी का संकेत भी देता है। इसमें क्रिप्टोकरेंसी, पेनी स्टॉक्स, स्मॉल कैप के अत्यधिक अस्थिर शेयर या ट्रेंड आधारित निवेश शामिल हो सकते हैं। इनमें कम समय में बड़ा रिटर्न मिलने की संभावना होती है, लेकिन नुकसान का खतरा भी उतना ही अधिक रहता है। इसलिए इसमें कुल निवेश का 2% से 5% से अधिक हिस्सा नहीं होना चाहिए। लाल रंग को मुख्य निवेश की तरह नहीं, बल्कि प्रयोगात्मक हिस्से की तरह देखें। यदि नुकसान हो भी जाए, तो आपकी कुल वित्तीय स्थिति पर बड़ा असर न पड़े।

उम्र के अनुसार निवेश का संतुलन

उम्र के साथ वित्तीय प्राथमिकताएं बदलती हैं। इसलिए पोर्टफोलियो का संतुलन भी समय-समय पर बदलना चाहिए।

20–30 वर्ष : इस उम्र में जिम्मेदारियां कम और जोखिम लेने की क्षमता अधिक होती है। लगभग 70% इक्विटी, 20% डेब्ट और 10% गोल्ड उपयुक्त हो सकता है।

30–45 वर्ष : परिवार और जिम्मेदारियां बढ़ती हैं। इक्विटी 50–60%, डेब्ट 25–35% और गोल्ड 10–15% तक संतुलित रखा जा सकता है।

45–55 वर्ष : रिटायरमेंट की योजना बनानी शुरू कर दें। इक्विटी कम कर 30–40% रखें और डेब्ट 50% तक बढ़ाएं।

60 वर्ष के बाद : पूंजी की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। 60–70% डेब्ट, 10–20% गोल्ड और सीमित इक्विटी पर्याप्त है।

इस होली करें पोर्टफोलियो की सफाई

- जैसे हम होली से पहले घर की सफाई करते हैं, वैसे ही निवेश की समीक्षा भी जरूरी है।
- उन निवेशों को हटाएं जो वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रहे हैं।
- यदि बाजार तेजी से बढ़ा है और इक्विटी का हिस्सा बहुत ज्यादा हो गया है, तो मुनाफा निकालकर डेब्ट या गोल्ड में ट्रांसफर करें।
- हर साल कम से कम एक बार री-बैलेंसिंग करें।
- छोटी राशि से भी नई एसआईपी शुरू करें। नियमित निवेश लंबी अवधि में बड़ा अंतर लाता है।
- बीमा और इमरजेंसी फंड को प्राथमिकता दें।

ऐसे समझें महत्व

- पीला रंग देता है सुरक्षा।
- हरा रंग देता है ग्रोथ।
- नीला रंग देता है स्थिरता।
- लाल रंग देता है अवसर।

सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट के लिए क्यों बढ़ रहा पैसिव फंड्स का क्रेज?

बचत

सेंट्रल डेस्क

क्या आप भी आईटी या बैंकिंग सेक्टर की तेजी का फायदा उठाना चाहते हैं, लेकिन स्टॉक चुनने में उलझे हैं? तो आप अकेले नहीं हैं। बदलते निवेश ट्रेंड्स के बीच, अब निवेशकों के लिए एक स्मार्ट और आसान तरीका सामने आया है: पैसिव म्यूचुअल फंड्स। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के अनुसार, पैसिव फंड्स अब सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान बना रहे हैं, और इसने निवेशकों के बीच इसका क्रेज तेजी से बढ़ाया है। इस लेख में हम जानेंगे कि पैसिव फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता के पीछे क्या कारण हैं और कैसे यह निवेशकों को सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट में एक बेहतरीन विकल्प दे रहे हैं।

पैसिव फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता

आज के निवेश माहौल में, जहां अनिश्चितताएं और बाजार के उतार-चढ़ाव सामान्य हो गए हैं, निवेशक अपनी निवेश रणनीतियों को सरल, सस्ते और सुरक्षित बनाने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। पैसिव फंड्स का एक प्रमुख लाभ यह है कि ये कम लागत, अच्छी पारदर्शिता, और कम जोखिम के साथ निवेश के एक बेहतरीन तरीके के रूप में उभर रहे हैं। पैसिव म्यूचुअल फंड्स अब निवेशकों के लिए एक बहुत ही आकर्षक विकल्प बन चुके हैं। ये न केवल सस्ते होते हैं, बल्कि सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को भी आसान और सुरक्षित बना रहे हैं। पहले जहां किसी विशेष सेक्टर में निवेश करने के लिए काफी रिसर्च और स्टॉक चयन की आवश्यकता होती थी, वहीं पैसिव फंड्स ने इसे सरल बना दिया है। इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ के माध्यम से, निवेशक अब आसानी से किसी भी सेक्टर की ग्रोथ का फायदा उठा सकते हैं, चाहे वह आईटी, फार्मा, बैंकिंग, या कोई और सेक्टर हो।

सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट क्यों है आसान?

पैसिव फंड्स का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह सीधे किसी इंडेक्स को फॉलो करता है, जैसे कि निफ्टी आईटी, निफ्टी बैंक, या निफ्टी फार्मा। इन फंड्स का मैनेजर केवल उस इंडेक्स में मौजूद स्टॉक्स में निवेश करता है, जैसा कि इंडेक्स में निर्धारित होता है। इससे निवेशक को स्टॉक्स के चयन में होने वाली गलती से बचने का फायदा मिलता है। माना कि आप मानते हैं कि आईटी सेक्टर आने वाले समय में अच्छा प्रदर्शन करेगा। अब, अगर आप इस सेक्टर में निवेश करना चाहते हैं, तो पहले आपको उसके कुछ प्रमुख स्टॉक्स का चुनाव करना पड़ता था। लेकिन अब पैसिव फंड्स के जरिए आप बिना किसी जोखिम के पूरे आईटी सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इसका मतलब है कि आप उस सेक्टर के सारे स्टॉक्स में निवेश कर रहे होते हैं, न कि केवल कुछ चुने हुए स्टॉक्स में। इससे, किसी एक स्टॉक के गलत चुनाव से होने वाले नुकसान का खतरा भी कम हो जाता है, आप पूरी इंडस्ट्री की ग्रोथ में शामिल होते हैं।

कम लागत और पारदर्शिता का फायदा

अन्य कारण जो पैसिव फंड्स को निवेशकों के बीच अधिक लोकप्रिय बना रहा है, वह है इनकी कम लागत व पारदर्शिता। पैसिव फंड्स का एक्सपेंस रेशियो एक्टिव फंड्स के मुकाबले काफी कम होता है, जो निवेशक के लॉन्ग-टर्म रिटर्न पर सकारात्मक असर डालता है। पैसिव फंड्स में निवेशक को स्पष्ट रूप से पता होता है कि उनका पैसा किस-किस स्टॉक में निवेशित है, क्योंकि ये फंड्स किसी विशेष इंडेक्स का अनुसरण करते हैं। उदाहरण के लिए, निफ्टी आईटी इंडेक्स में जो 10-15 स्टॉक्स शामिल हैं, वे सभी पैसिव फंड में भी मौजूद होते हैं। इस पारदर्शिता की वजह से निवेशकों को ये फंड्स अधिक विश्वसनीय और सुरक्षित लगते हैं। यही कारण है कि ये छोटे और नए निवेशकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बन चुके हैं।

सेक्टोरल कॉल्स लेने में रिस्क मैनेजमेंट

हालांकि, सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट में जोखिम हमेशा रहता है। किसी एक सेक्टर पर अधिक निर्भरता कभी भी नुकसानदायक हो सकती है, अगर वह सेक्टर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन न करे। लेकिन पैसिव फंड्स के जरिए इस रिस्क को बेहतर तरीके से मैनेज किया जा सकता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का मानना है कि पैसिव फंड्स के जरिए निवेशक अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। सेक्टोरल फंड्स, जैसे कि आईटी, बैंकिंग, या फार्मा, इन क्षेत्रों में उछाल आने पर अच्छा रिटर्न देते हैं। इन फंड्स में निवेश करने से निवेशक उस पूरे सेक्टर के लाभ का पूरा फायदा उठा सकते हैं। साथ ही, इन फंड्स में लिक्विडिटी भी अच्छी होती है, यानी निवेशक अपनी स्थिति के हिसाब से आसानी से अपने निवेश को भुना सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर बैंकिंग सेक्टर में तेजी आती है और आपको लगता है कि यह काफी समय तक बढ़ेगा, तो आप बैंकिंग पैसिव फंड्स में निवेश कर सकते हैं। यदि किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो आप अपने निवेश को बदल सकते हैं और दूसरी सेक्टरल फंड में ले सकते हैं।

पैसिव फंड्स का भविष्य

आज के निवेशकों के लिए, जिनके पास समय की कमी है और जो रिसर्च या स्टॉक चयन में उलझना नहीं चाहते, पैसिव फंड्स एक बेहतरीन समाधान हो सकते हैं। इन फंड्स में निवेश करने के द्वारा, निवेशक सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट का फायदा उठाते हुए कम लागत में अधिक पारदर्शिता और सुरक्षित तरीके से निवेश कर सकते हैं। यही कारण है कि ये फंड्स अब निवेशकों के बीच एक लोकप्रिय विकल्प बन चुके हैं। वहीं, जैसे-जैसे बाजार और निवेश की दुनिया में बदलाव हो रहा है, पैसिव फंड्स का महत्व और बढ़ने की संभावना है। यह उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प है जो आर्थिक बदलावों का फायदा उठाना चाहते हैं, लेकिन जोखिम से बचना भी चाहते हैं।

इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान

पैसिव फंड्स ने निवेशकों के लिए सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान और सुरक्षित बना दिया है। पहले जहां निवेशक को सेक्टोरल स्टॉक्स के चयन में काफी रिसर्च करनी पड़ती थी, वहीं अब पैसिव फंड्स ने इस काम को आसान बना दिया है। इसके जरिए निवेशक किसी भी खास सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। कम लागत, पारदर्शिता व बेहतर रिस्क मैनेजमेंट की वजह से पैसिव फंड्स अब निवेशकों की पहली पसंद बन रहे हैं। चाहे आप आईटी सेक्टर में निवेश करना चाहते हों या बैंकिंग सेक्टर की तेजी का फायदा उठाना चाहते हों, पैसिव फंड्स आपको इसे सरल और प्रभावी तरीके से करने का मौका दे रहे हैं।

जानकारी

सेंट्रल डेस्क

मल्टी-एसेट फंड्स का क्रेज, गोल्ड और सिल्वर ने चमकाई निवेशकों की किस्मत

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में निवेशकों का रुख तेजी से मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स (एमएएफएस) की ओर बढ़ा है। अस्थिर बाजार में जहां पारंपरिक इक्विटी स्कीम्स के रिटर्न दबाव में रहे, वहीं इन फंड्स ने विविध एसेट क्लास में निवेश की रणनीति से निवेशकों को बेहतर संतुलित रिटर्न दिया। ताजा उद्योग आंकड़ों के अनुसार, इस कैटेगरी का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) पिछले एक साल में 72% बढ़कर करीब 1.75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह उछाल बताता है कि निवेशक अब केवल शेयर बाजार पर निर्भर रहने के बजाय संतुलित और सुरक्षित विकल्पों की तलाश में हैं।

गोल्ड और सिल्वर की रिकॉर्ड तेजी का असर

पिछले एक वर्ष में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के मुताबिक, मल्टी-एसेट फंड्स ने औसतन 23% का रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 50 ने इसी अवधि में लगभग 14.27% का रिटर्न दिया। इस बेहतर प्रदर्शन के पीछे प्रमुख कारण रहा कीमती धातुओं की चमक। चांदी की कीमतों में लगभग 171% और सोने में करीब 81% तक की तेजी दर्ज की गई। चूंकि मल्टी-एसेट फंड्स अपने पोर्टफोलियो में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ या संबंधित इंस्ट्रूमेंट्स शामिल करते हैं, इसलिए इनकी कीमतों में उछाल का सीधा फायदा निवेशकों को मिला।

क्या हैं मल्टी-एसेट फंड्स?

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स ऐसे हाइब्रिड म्यूचुअल फंड होते हैं जो कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इनमें इक्विटी (शेयर), फिक्स्ड इनकम (बॉन्ड/डेट इंस्ट्रूमेंट) और कमोडिटी (मुख्यतः सोना और चांदी) शामिल हैं। इन फंड्स की सबसे बड़ी खासियत है ऑटोमैटिक रीबैलेंसिंग। यानी अगर शेयर बाजार बहुत तेजी से ऊपर जाता है और पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर मुनाफावसूली कर उस राशि को गोल्ड या डेट में शिफ्ट कर देता है। इसी तरह, यदि बाजार गिरता है तो कम कीमत पर इक्विटी बढ़ाई जाती है। इससे जोखिम संतुलित रहता है और निवेशक को बार-बार खुद निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ती।

अस्थिर बाजार में स्थिरता का सहारा

बाजार की अनिश्चितता के दौर में डायवर्सिफिकेशन (विविधीकरण) सबसे कारगर रणनीति मानी जाती है। मल्टी-एसेट फंड्स इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। जब इक्विटी कमजोर होती है, तब डेट या गोल्ड सहारा देते हैं। वहीं तेजी के दौर में इक्विटी रिटर्न को आगे बढ़ाती है। वेल्थ मैनेजर्स का कहना है कि जिन निवेशकों के पास बाजार को लगातार ट्रैक करने का समय या अनुभव नहीं है, उनके लिए यह विकल्प बेहद उपयुक्त है। खासकर नए निवेशकों या मध्यम जोखिम लेने वालों के लिए ये फंड संतुलित रणनीति पेश करते हैं।

टैक्स का फायदा भी बड़ा कारण

मल्टी-एसेट फंड्स की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण टैक्स एफिशिएंसी भी है। यदि कोई निवेशक खुद शेयर बेचकर सोना खरीदता है या एसेट क्लास बदलता है, तो हर लेनदेन पर उसे कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है। लेकिन फंड के भीतर फंड मैनेजर द्वारा की गई खरीद-फरोख्त पर निवेशक को अलग से टैक्स नहीं देना होता। यदि किसी मल्टी-एसेट फंड में इक्विटी का हिस्सा 65% या उससे अधिक है, तो वह टैक्स के लिहाज से इक्विटी फंड की श्रेणी में आता है। ऐसे में निवेशक को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स का लाभ मिलता है, जो अन्य विकल्पों की तुलना में अधिक फायदेमंद हो सकता है। यही वजह है कि टैक्स प्लानिंग के नजरिए से भी ये स्कीम आकर्षक बन रही हैं।

किसके लिए हैं उपयुक्त?

- वे निवेशक जो मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहते हैं
- वे लोग जिनके पास पोर्टफोलियो मैनेज करने का समय नहीं है
- रिटायरमेंट या दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए संतुलित निवेश चाहने वाले
- अस्थिर बाजार में पूंजी संरक्षण के साथ ग्रोथ चाहने वाले
- हर निवेशक की जरूरत और जोखिम क्षमता अलग होती है। इसलिए फंड चुनते समय यह देखना जरूरी है कि उसमें इक्विटी, डेट और कमोडिटी का अनुपात क्या है। कुछ फंड आक्रामक होते हैं जिनमें इक्विटी का हिस्सा ज्यादा होता है, जबकि कुछ अपेक्षाकृत रक्षात्मक रणनीति अपनाते हैं।

क्या आगे भी बनी रहेगी चमक?

विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के माहौल में गोल्ड और सिल्वर जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग बनी रह सकती है। हालांकि, पिछले साल जैसी असाधारण तेजी हर साल मिले, यह जरूरी नहीं। इसलिए निवेशकों को केवल पिछले रिटर्न देखकर निर्णय नहीं लेना चाहिए, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्य और समयावधि के अनुसार रणनीति बनानी चाहिए।

रिटायरमेंट के समय निवेश की बदल जाती हैं प्राथमिकताएं, महंगाई भी बड़ी चुनौती

सीनियर सिटीजंस के लिए म्यूचुअल फंड सबसे सुरक्षित व फायदेमंद रिटायरमेंट के बाद नहीं होगी कोई परेशानी, आराम से कटेगा बुढ़ापा

पूंजी को सुरक्षित रखते हुए बनाना होता है नियमित कैश फ्लो

तैयारी

सेंट्रल डेस्क

रिटायरमेंट के बाद जिंदगी का सबसे अहम सवाल होता है क्या नियमित आय बनी रहेगी और क्या जमा पूंजी सुरक्षित रहेगी? नौकरी के दौरान हर महीने सैलरी आती है, लेकिन रिटायरमेंट के बाद वही आय पेंशन, ब्याज या निवेश पर निर्भर हो जाती है। ऐसे में सिर्फ पैसा बचाकर रखना काफी नहीं होता, बल्कि उसे समझदारी से निवेश करना जरूरी हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सीनियर सिटीजंस के लिए ऐसे म्यूचुअल फंड्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं, जो कम जोखिम के साथ स्थिर रिटर्न और नियमित आय की सुविधा दें। रिटायरमेंट के समय निवेश की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। अब लक्ष्य तेजी से पैसा बढ़ाना नहीं, बल्कि पूंजी को सुरक्षित रखते हुए नियमित कैश फ्लो बनाना होता है। साथ ही महंगाई भी एक बड़ी चुनौती है। अगर पैसा सिर्फ सेविंग अकाउंट या पारंपरिक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में रखा जाए, तो महंगाई की वजह से उसकी वास्तविक क्रय शक्ति घट सकती है। इसलिए ऐसी रणनीति जरूरी है जो जोखिम को सीमित रखते हुए लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सके। वित्तीय सलाहकारों के अनुसार, सीनियर सिटीजंस के लिए कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स, इक्विटी सेविंग्स फंड्स और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स जैसे विकल्प संतुलित निवेश का रास्ता दिखाते हैं। इन फंड्स के साथ सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) जोड़ दिया जाए तो हर महीने नियमित आय भी सुनिश्चित की जा सकती है।

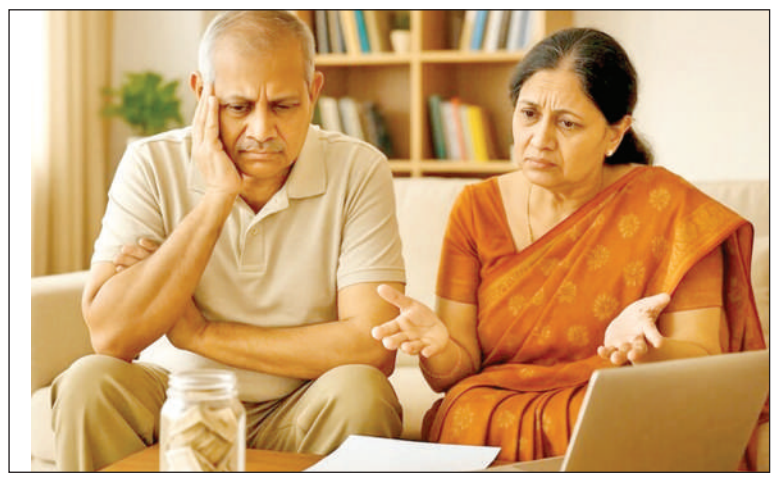

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स: मार्केट के हिसाब से एसेट एलोकेशन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स या डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड्स बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट में निवेश का अनुपात बदलते रहते हैं। जब बाजार महंगा या जोखिमपूर्ण दिखता है, तो फंड मैनेजर इक्विटी एक्सपोजर घटाकर डेट में निवेश बढ़ा देते हैं। वहीं बाजार में गिरावट के समय इक्विटी हिस्सा बढ़ाया जाता है। इस रणनीति का फायदा यह है कि निवेशक को बाजार के समय का अनुमान लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। फंड मैनेजर खुद जोखिम को मैनेज करता है। रिटायरमेंट के बाद ऐसे फंड्स निवेशकों को अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव के साथ लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देने का प्रयास करते हैं।

किन बातों का रखें ध्यान?

हालांकि ये फंड्स अपेक्षाकृत कम जोखिम वाले माने जाते हैं, फिर भी निवेश से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है

जोखिम प्रोफाइल समझें: हर व्यक्ति की जोखिम लेने की क्षमता अलग होती है।

एसेट एलोकेशन तय करें

- **आपातकालीन फंड रखें :** कम से कम 6 से 12 महीने का खर्च लिक्विड फंड या सेविंग अकाउंट में रखें।
- **टैक्स प्लानिंग करें :** निकासी और कैपिटल गेन पर लगने वाले टैक्स को समझें।
- **वित्तीय सलाह लें :** किसी प्रमाणित वित्तीय सलाहकार से सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है।

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स : सुरक्षा के साथ सीमित ग्रोथ

रिटायर्ड निवेशकों के लिए कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स एक लोकप्रिय विकल्प बन रहे हैं। इन फंड्स में आमतौर पर 75 से 90 प्रतिशत हिस्सा डेट इंस्ट्रूमेंट्स जैसे सरकारी बॉन्ड, कॉर्पोरेट बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश किया जाता है। बाकी 10 से 25 प्रतिशत हिस्सा इक्विटी में लगाया जाता है। डेट हिस्से की वजह से पोर्टफोलियो में स्थिरता बनी रहती है, जबकि सीमित इक्विटी एक्सपोजर महंगाई से मुकाबला करने में मदद करता है। यही वजह है कि जोखिम लेने से बचने वाले सीनियर सिटीजंस के लिए ये फंड्स एफडी की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, साथ ही उतार-चढ़ाव भी नियंत्रित रहता है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये भी बाजार आधारित उत्पाद हैं। इनमें रिटर्न की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबे समय में संतुलित प्रदर्शन देखने को मिला है।

इक्विटी सेविंग्स फंड्स : संतुलन और टैक्स एफिशिएंसी

इक्विटी सेविंग्स फंड्स उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपयुक्त माने जाते हैं, जो 3 से 5 साल की मध्यम अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि ये इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज रणनीति के बीच संतुलन बनाते हैं। आर्बिट्राज का मतलब है बाजार के अलग-अलग सेगमेंट में कीमतों के अंतर का फायदा उठाना। इससे फंड को अपेक्षाकृत कम जोखिम के साथ रिटर्न कमाने का मौका मिलता है। चूंकि ये फंड्स इक्विटी कैटेगरी में आते हैं, इसलिए टैक्सेशन के लिहाज से भी निवेशकों को फायदा मिल सकता है। प्योर इक्विटी फंड्स की तुलना में इनका उतार-चढ़ाव कम होता है। यही कारण है कि जो सीनियर सिटीजंस पूरी तरह इक्विटी में निवेश नहीं करना चाहते, लेकिन एफडी से थोड़ा ज्यादा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए यह एक संतुलित विकल्प हो सकता है।

एसडब्ल्यूपी : पेंशन जैसा नियमित कैश फ्लो

सिर्फ निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे नियमित आय निकालने की व्यवस्था भी जरूरी है। यहां सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। एसडब्ल्यूपी के तहत निवेशक एकमुश्त राशि किसी हाइब्रिड या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में लगाते हैं और फिर हर महीने एक निश्चित रकम निकालते रहते हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी वरिष्ठ नागरिक ने 20 लाख रुपये निवेश किए हैं और वे हर महीने 15,000 रुपये निकालना चाहते हैं, तो एसडब्ल्यूपी के जरिए यह संभव है। शेष राशि बाजार में निवेशित रहती है और संभावित रूप से बढ़ती भी रहती है। इस तरह निवेशक को पेंशन जैसी नियमित आय मिलती है और पूंजी भी धीरे-धीरे खत्म होने के बजाय काम करती रहती है। एसडब्ल्यूपी का एक बड़ा फायदा यह भी है कि यह वित्तीय अनुशासन बनाए रखता है। निवेशक जरूरत से ज्यादा रकम नहीं निकालते और लंबी अवधि तक फंड बना रहता है।

सन् 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान संगठन के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य सबसे गंभीर और खतरनाक सैन्य संघर्ष प्रारंभ हो गया है। नौबत यहां तक आ पहुंची है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने ऐलान किया है कि अफगान तालिबान के खिलाफ सैन्य युद्ध जारी रखा जाएगा। वहीं, इस युद्ध में दोनों ओर से सैकड़ों लोगों के मारे जाने की भी खबरें हैं। इस विवाद की मुख्य जड़ पाकिस्तान और अफगानिस्तान को विभाजित करने वाली तकरीबन दो हजार किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन को माना जा रहा है। इसके अलावा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी की पाकिस्तान में बढ़ती गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं, जिसके अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान से गहरे संबंध हैं। पाकिस्तान कई वर्षों से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से प्रतिबंधित टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। तालिबानी नेताओं के भारत के प्रति नरम रुख से भी पाकिस्तान नाखुश है। इसको लेकर दोनों पक्षों में तनाव एक बार फिर बेहद बढ़ गया है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है। कुल मिलाकर दक्षिण एशिया की शांति के लिए पाक-अफगानिस्तान संघर्ष का बढ़ना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

क्या युद्ध का आगाज है पाक वर्सेज अफगान

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

विदेशी मामलों के जानकार

सन् 2021 में अफगानिस्तान में फिर से तालिबान तंजीम के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य सबसे गंभीर और खतरनाक सैन्य संघर्ष प्रारंभ हो गया है। दोनों मुल्कों के मध्य परस्पर ताल्लुकात के निरंतर बिगड़ते चले जाने की पृष्ठभूमि में सबसे बड़ी वजह रही है कि पाकिस्तान हुकूमत द्वारा तालिबान हुकूमत पर तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मिलिटेंट्स को पनाह प्रदान करने, उनको संरक्षण और सैन्य इमदाद फराहम करने का संगीन इल्जाम आयद करता रहा है। उल्लेखनीय है कि टीटीपी द्वारा पाकिस्तान के अनेक सैन्य और नागरिक इलाकों पर घातक आक्रमण अंजाम दिए जाते रहे हैं। इतिहास की तल्ख विडंबना देखिए कि हुकूमत ए पाकिस्तान की फौज द्वारा ही अफगान तालिबान तंजीम को अफगानिस्तान की राजसत्ता पर 1996 में आसीन कराया गया था। विगत अनेक दशकों के दौरान हुकूमत ए पाकिस्तान अफ़गान तालिबान को प्रबल समर्थन प्रदान करना अपने राष्ट्रीय हित का मामला मानती रही।

दोनों मुल्कों के मध्य परस्पर ताल्लुकात के निरंतर बिगड़ते चले जाने की पृष्ठभूमि में सबसे बड़ी वजह रही है कि पाकिस्तान हुकूमत द्वारा तालिबान हुकूमत पर तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मिलिटेंट्स को पनाह प्रदान करने, उनको संरक्षण और सैन्य इमदाद फराहम करने का संगीन इल्जाम आयद करता रहा है। इतिहास की तल्ख विडंबना देखिए कि हुकूमत ए पाकिस्तान की फौज द्वारा ही अफगान तालिबान तंजीम को अफगानिस्तान की राजसत्ता पर 1996 में आसीन कराया गया था।

सैन्य युद्ध जारी रखने का ऐलान

अब तो नौबत यहां तक आ पहुंची है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने ऐलान किया है कि अफगान तालिबान के खिलाफ सैन्य युद्ध जारी रखा जाएगा। आसिफ ने इल्जाम आयद किया है कि अफगानिस्तान की सरजमीं से पाकिस्तान के खिलाफ आक्रमणकारी साजिशें परवान चढ़ती रही हैं और पाकिस्तान पर घातक आक्रमण अंजाम दिए जाते रहे हैं। तालिबान हुकूमत के सैन्य प्रवक्ता ने फरमाया है कि जब कभी हम पर पाकिस्तान द्वारा सैन्य हमला अंजाम दिया जाएगा तो फिर हम समुचित सैन्य प्रतिउत्तर प्रदान करेंगे, लेकिन हम कभी पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष प्रारंभ नहीं करेंगे। यक्ष प्रश्न है कि यदि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य एक लंबी और फुल स्केल जंग शुरू हो जाती है तो फिर इसका क्या परिणाम मुमकिन हो सकता है। यह संभव है कि अफगान विरुद्ध पाक जंग के परिणाम स्वरूप गंभीर क्षेत्रीय अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। भारत के लिए अफगान विरुद्ध पाक जंग का एक सकारात्मक परिणाम भी हो सकता है कि पाक हुकूमत भारत की ओर से अपना रुख मोड़ लेने पर मजबूर हो सकती है।

कूटनीतिक बातचीत शुरू

अनेक विवेचकों का विचार है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य किसी बड़े युद्ध की संभावना फिलहाल नहीं प्रतीत हो रही है। विगत अनेक वर्षों से जब से तालिबान अफगानिस्तान में सत्तानशीन हुए हैं, तभी से यह सिलसिला निरंतर चलता रहा है कि पाकिस्तान फौज अफगानिस्तान पर हमला अंजाम देती है और फिर तालिबान जवाबी कार्रवाई करते हैं, सीमा पर तनाव उत्पन्न होता है और कूटनीतिक बातचीत शुरू हो जाती है। अफगानिस्तान के हालात को देखते हुए यह मुमकिन नहीं है कि तालिबान हुकूमत वस्तुतः पाकिस्तान के विरुद्ध किसी बड़ी जंग का आगाज करेगी, क्योंकि इसके लिए सैन्य क्षमताओं, हवाई संसाधनों, सप्लाई चैन और प्रशिक्षित सैनिकों की बड़ी दरकार होती है। अफगान तालिबान यकीनन पाकिस्तान फौज के प्रत्येक आक्रमण का समुचित उत्तर अवश्य ही देंगे, क्योंकि यह उनकी संप्रभुता और राष्ट्रीय आत्म सम्मान का बुनियादी प्रश्न है। वस्तुतः कूटनीतिक तौर पर हुकूमत ए पाकिस्तान द्वारा तालिबान हुकूमत को टीटीपी के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई अंजाम देने के लिए बातचीत के तमाम तरीके अख्तियार किए जा चुके हैं।

डूरंड लाइन स्वीकार नहीं

अभी तक तालिबान हुकूमत टीटीपी के विरुद्ध कोई भी निर्णायक कार्रवाई के लिए कदाचित तैयार नहीं हुई है। इसके पीछे एक विशिष्ट कारण रहा है कि तालिबान हुकूमत सोचती है कि अगर टीटीपी विरुद्ध फैसलाकुन कार्रवाई की जाएगी तो फिर टीटीपी के लड़ाके अंतरराष्ट्रीय दहशतगर्द तंजीम इस्लामिक स्टेट की तरफ जा सकते हैं, जो कि तालिबान की सबसे बड़ी दुश्मन तंजीम है। टीटीपी वस्तुतः एक खुदमुख्तार और आजाद पख्तूनिस्तान के लिए विगत अनेक विगत दशकों से पाक हुकूमत के विरुद्ध संघर्षरत रही है। अफ़गान वस्तुतः पाकिस्तान और अफगानिस्तान को विभाजित करने वाली तकरीबन दो हजार किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन को कदाचित स्वीकार नहीं करते हैं। डूरंड लाइन को अफ़गानों को विभाजित और कमजोर करने वाली ब्रिटिश साम्राज्यवादी साजिश की कुटिल कूटनीतिक लाइन करार देते रहे हैं। डूरंड लाइन के दोनों तरफ पख्तूनों की बड़ी आबादी विद्यमान है। पाकिस्तान के उत्तरी क्षेत्र के सरहदी इलाकों में बसे हुए पख्तूनों और बलोचों द्वारा पाकिस्तान से मुकम्मल आजादी हासिल करने के लिए एक दीर्घकालीन गोरिल्ला युद्ध निरंतर जारी रहा है। इसी इलाके में टीटीपी का भी उदय हुआ था, जो कि तहरीक ए तालिबान अफगानिस्तान से प्रबल तौर पर प्रेरित रही है और गहन तौर से संबंधित भी रही है। अफगानिस्तान में सत्तानशीं तहरीक ए तालिबान अफगानिस्तान पख्तूनों के प्रभुत्व वाली तंजीम है। यही कारण है कि अफगानिस्तान हुकूमत आजकल पाकिस्तान के लिए भयंकर सरदर्द बनी हुई है। विगत वर्ष अक्टूबर महीने में जब अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर खान मुक्तकी भारत यात्रा पर पधारे थे, उस वक्त भी अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य एक सैन्य संघर्ष हुआ था। अक्टूबर के सैन्य संघर्ष में भी एक-दूसरे को काफी नुकसान पहुंचाने की बात कही गई थी। पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में अफगान शरणार्थियों को वापस भेज दिया था।

भारत के लिए अफगान अहम

अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत से पहले भारत और अफगानिस्तान के मध्य अत्यधिक प्रगाढ़ संबंध रहे। दरअसल कूटनीतिक और रणनीतिक तौर से भी भारत के लिए अफगानिस्तान सदैव से महत्वपूर्ण मुल्क रहा है। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध 1947 से ही निरंतर तनावपूर्ण बने रहे हैं। 2021 से जब से अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत कायम हुई है, तभी से पाकिस्तान को संतुलित करने के लिए भारत तालिबान हुकूमत से कूटनीतिक बातचीत को सकारात्मक तरीके से निरंतर आगे बढ़ाता रहा है। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान की छापामार दहशतगर्दो की कार्यवाहियां दरअसल पाकिस्तान के आंतरिक व्यवस्था की कमजोरी को दुनिया के सामने पेश करती है। इनका बेबोनी आज इल्जाम पाकिस्तान का गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय भारत सरकार पर आयद करता रहा है।

अफगान तालिबान की शह पर चल रहा

तनाव

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी मौजूदा सैन्य संघर्ष की वजह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी की पाकिस्तान में बढ़ती गतिविधियां हैं, जिसके अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान से गहरे संबंध हैं। अफगानी तालिबान ने पाकिस्तान पर भी अफगानी तर्ज पर इस्लामी शासन स्थापित करने का सपना देखा है। इस सपने को हाल ही में तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी ने देखा और उसकी घोषणा भी की है, जिसे अफगानी तालिबान का गहरा समर्थन है। मौजूदा अफगान-पाक संघर्ष की बड़ी वजह यही है। पाकिस्तान का आरोप है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान उसके यहां आतंकी कार्रवाइयों को अंजाम देता है। इसी आरोप में पाकिस्तान ने 21 से 26 फरवरी के बीच अफगानिस्तान के काबुल, कंधार, पक्तिका और खोस्त जैसे प्रमुख शहरों में हवाई हमले किए। हालांकि तब पाकिस्तान का दावा था कि उसने टीटीपी के ठिकानों को निशाना बनाया है, जबकि अफगानी तालिबान का कहना है कि पाकिस्तान ने उसकी संप्रभुता का उल्लंघन किया है। इसके बाद अफगानी तालिबान की ओर से भी पाकिस्तानी इलाकों को निशाना बनाया जा रहा है। अफगानी तालिबान का दावा है कि उसने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को भी निशाना बनाया है। जहां तक टीटीपी और अफगानी तालिबान के रिश्ते की बात है तो दोनों समूह एक ही विचारधारा और कट्टरपंथी इस्लामी कानूनों का न सिर्फ पालन करते हैं, बल्कि अपने प्रभाव वाले इलाकों में उसे ही लागू करते हैं। टीटीपी के लड़ाके संगठन में शामिल होने के बाद अफगानी तालिबान के सर्वोच्च नेता के ही प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान में करीब साढ़े छह हजार टीटीपी के लड़ाके हैं। हालांकि एक अन्य अनुमान के मुताबिक, इन दिनों टीटीपी के पास करीब पैंतीस हजार लड़ाके हैं। टीटीपी ने अपने नए सांगठनिक ढांचे का भी ऐलान किया है। इस घोषणा का उद्देश्य खुद को विद्रोही समूह से बदलकर 'समानांतर सरकार' के रूप में स्थापित करना है। टीटीपी ने इसके तहत पाकिस्तान को उत्तरी, मध्य, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में बांटा है, जिन्हें वह 'वियालत' यानी छाया प्रांत कह रहा है। शासन व्यवस्था के लिए टीटीपी ने खुफिया विंग, आर्थिक निदेशालय, मीडिया इकाई और न्यायिक प्रणाली का भी ऐलान किया है। पहले टीटीपी की गतिविधियां सिर्फ अफगानी सीमा से सटे पाकिस्तान के कुछ इलाकों में ही थीं, लेकिन अब उसने अपनी गतिविधियां खैबर पख्तूनख्वा के साथ-साथ बलूचिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर तक में बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के कुछ जानकारों का मानना है कि वह बलूच लड़ाकों को भी समर्थन दे रहा है। टीटीपी धीरे-धीरे लगातार ताकतवर बनता जा रहा है। उसके पीछे माना जा रहा है कि अफगानी तालिबान का प्रत्यक्ष सहयोग है। इसके पास आधुनिक अमेरिकी असॉल्ट राइफलें और मशीन गन हैं। माना जा रहा है कि ये हथियार वे हैं, जिन्हें अमेरिकी सेना भागते हुए अफगानिस्तान में छोड़ गई थीं। टीटीपी का दावा है कि उसने ड्रोन हमलों की क्षमता भी विकसित कर ली है। अपने अंदरूनी इलाके में टीटीपी की बढ़ती भूमिका और शासन के उसके सपने के ऐलान से पाकिस्तान उससे चिढ़ा हुआ है। हाल के दिनों में पाकिस्तान में आत्मघाती हमले भी बढ़े हैं। यहां के बन्नू और बाजौर इलाकों में ये ज्यादा हुआ है। टीटीपी ने ही दावा किया है कि साल 2025 में उसने पाकिस्तान में 3,573 आतंकी हमलों को अंजाम दिया, जिसमें करीब 3,481 सुरक्षाकर्मी मारे गए। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच विवाद की वजह डूरंड रेखा भी है, जिसे अफगानी तालिबान नहीं मानता। पाकिस्तान इन वजहों से टीटीपी को अपनी आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी को अफगानिस्तान ना सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह और वैचारिक समर्थन मुहैया करा रहा है, बल्कि आर्थिक मदद भी दे रहा है। यह सच है कि पाकिस्तानी सेना के मुकाबले टीटीपी सीधे युद्ध के मामले में कमजोर है, लेकिन गुरिल्ला रणनीति, स्थानीय भूगोल की समझ और बढ़ते अत्याधुनिक हथियारों के प्रयोग ने इसे बेहद घातक संगठन बना दिया है। बहरहाल तालिबान से जूझ रहे पाकिस्तान को देखकर इतना जरूर कहा जा सकता है कि सांप को पालना आखिरकार पालने वाले के लिए ही खतरनाक होता है। सवाल है कि क्या इससे वैश्विक राजनीति कुछ सबक लेगी?

जहां तक टीटीपी और अफगानी तालिबान के रिश्ते की बात है तो दोनों समूह एक ही विचारधारा और कट्टरपंथी इस्लामी कानूनों का न सिर्फ पालन करते हैं, बल्कि अपने प्रभाव वाले इलाकों में उसे ही लागू करते हैं। टीटीपी के लड़ाके संगठन में शामिल होने के बाद अफगानी तालिबान के सर्वोच्च नेता के ही प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं।

काबुल में भारत का बढ़ रहा प्रभाव

रणनीति

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

अगस्त 2021 में जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया था, तब पाकिस्तान में जश्न का माहौल था। इस्लामाबाद को लगा था कि उसने अफगानिस्तान में अपनी पसंद की सरकार बनवाकर 'मास्टर स्ट्रोक' खेल दिया है। हालांकि, 2026 तक आते-आते तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। आज दोनों देशों की सेनाएं डूरंड लाइन पर एक-दूसरे पर गोले बरसा रही हैं और हालात युद्ध जैसे हो गए हैं। आखिर ऐसा क्या हुआ कि पाकिस्तान का 'रणनीतिक दोस्त' उसके लिए 'एक बुरा ख्वाब' बन गया? दरअसल, सबसे बड़ा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के आतंकी अफगान जमीन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं और उन्हें तालिबान का संरक्षण प्राप्त है। जिस आतंकी इकोसिस्टम को पाकिस्तान ने दशकों तक पाला-पोसा, वही अब उसके सुरक्षा बलों पर भारी पड़ रहा है। बता दें, तालिबान को खड़ा करने में पाकिस्तान की बड़ी भूमिका रही है। सोवियत-अफगान युद्ध के समय से लेकर अमेरिका के खिलाफ लड़ाई तक, पाकिस्तान ने तालिबान को रणनीतिक संपत्ति की तरह इस्तेमाल किया। 2021 में जब अमेरिका की वापसी के बाद तालिबान सत्ता में लौटा, तो पाकिस्तान में जश्न का माहौल था। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि उसे 'रणनीतिक गहराई' मिलेगी, यानी भारत के खिलाफ एक मजबूत सहयोगी, लेकिन तालिबान ने सत्ता में आने के बाद खुद को पूरी तरह इस्लामाबाद के इशारों पर चलने वाला नहीं दिखाया। उसने अपनी स्वतंत्र नीति अपनाई और भारत जैसे देशों से संपर्क भी बनाए रखा। यही बात पाकिस्तान की सैन्य एस्टेब्लिशमेंट को खल गई। पाकिस्तान को अंदाजा ही नहीं था कि जिसे उसने पाला-पोसा, वही आगे चलकर आंख में आंख डालकर खड़ा हो जाएगा। यह इस्लामाबाद के लिए एक रणनीतिक झटका था। भारत के लिए तालिबान से संवाद कोई वैचारिक विचलन नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक आवश्यकता है। बीते दो दशकों में भारत ने अफगानिस्तान में तीन अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है- सड़कों, अस्पतालों, संसद भवन और शिक्षा में, लेकिन 2021 के बाद अफगानिस्तान फिर आतंकवादी ठिकानों और क्षेत्रीय अस्थिरता का केंद्र बनने का खतरा बना। पाकिस्तान और चीन के बढ़ते प्रभाव ने भारत को यह सोचने पर मजबूर किया कि दूरी बनाकर रखना स्वयं के हितों को नुकसान पहुंचाना होगा। दरअसल कूटनीतिक लिहाज से भारत के लिए अफ़ग़ानिस्तान हमेशा से काफ़ी महत्वपूर्ण रहा है और ख़ासकर पाकिस्तान से भारत के संबंध लगातार तनावपूर्ण रहे हैं, जिससे भारत के लिए अफ़ग़ानिस्तान का महत्व बढ़ जाता है। हालांकि अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान के शासन को क़रीब पांच साल का समय हो गया है और भारत की कोशिश रही है कि पाकिस्तान को साधने के लिए वह तालिबान शासन से बातचीत को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ता रहे।

भारत के लिए तालिबान से संवाद कोई वैचारिक विचलन नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक आवश्यकता है। बीते दो दशकों में भारत ने अफगान में तीन अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

अगर तालिबान शासन और पाकिस्तान के बीच संघर्ष लंबा चला तो इससे अफ़ग़ानिस्तान कई टुकड़ों में बंट सकता है। ऐसा होना भारत के लिए अच्छा नहीं होगा, क्योंकि कई ग्रुप्स खड़े होने से उनमें से कुछ भारत के ख़िलाफ़ भी हो सकते हैं और क्षेत्रीय स्तर पर यह भारत के लिए ठीक नहीं है। इससे पूरे क्षेत्र में भी अस्थिरता आ सकती है। तालिबान के लिए भी भारत से संवाद जरूरी है- क्योंकि पाकिस्तान के साथ उसके रिश्ते अब उतने सहज नहीं रहे और चीन का आर्थिक प्रभाव भी सीमित है। वहीं भारत सुरक्षा और स्थिरता चाहता है और तालिबान वैधता और सहयोग की तलाश में है। खैर, पाकिस्तान ने तालिबान पर भारत की गोद में बैठने का आरोप लगाया है। भारत और अफगानिस्तान के संबंध पाकिस्तान की आंखों को हमेशा से चुभते रहे हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान हमेशा से ही अपने इलाके में होने वाली किसी भी अप्रिय गतिविधि के लिए भारत और तालिबान को जिम्मेदार ठहराता रहा है। जबकि भारत हमेशा अफगानिस्तान के नागरिकों के लिए मदद का हाथ बढ़ाता रहा है। जब अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था, तो भारत ने सबसे पहले मदद भेजी थी। तालिबान ने मानवीय मदद, बुनियादी ढांचे और कूटनीति के लिए नई दिल्ली के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना शुरू कर दिया है। भारत के साथ अच्छे संबंध विकसित करके, तालिबान शासन क्षेत्रीय विरोधियों को यह भी दिखाना चाहता है कि उसके पास विकल्प मौजूद हैं। जैसे-जैसे अफगानिस्तान अपनी साझेदारियां बढ़ा रहा है, पाकिस्तान का उस पर दबाव कम होता जा रहा है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान युद्ध में भारत की सतर्कता जरूरी

सुरक्षा

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ पत्रकार

आज आज हक्कानी का देश है अफगानिस्तान, कभी इसके कन्धार (तब गांधार) क्षेत्र में महाभारत-कालीन शकुनि का शासन था और कौरव-माता गांधारी यहीं की राजकुमारी थी। महाराजा रणजीत सिंह के साम्राज्य का भी एक अंग था, काबुल कंधार तक हरिसिंह नलवा की वीरता के किस्से भी फैले हुए थे। वैसे इसे महाराजा दिलीप सिंह की सल्तनत भी माना जाता था। हमारे बड़े-बुजुर्ग बताते हैं कि गांधारी ने शकुनि को श्राप दिया था कि तेरे साम्राज्य में कभी शांति नहीं रहेगी क्योंकि तेरे छल-कपट से मेरा पूरा परिवार खत्म हो गया है। अब 15 अगस्त, 2021 से पूरा अफगानिस्तान 'तालिबान' सरीखे संगठन की गिरफ्त में है। अब वहां 98.7 प्रतिशत आबादी इस्लामी है। कभी अफगानिस्तान 'सिल्क रूट' (रेशम-मार्ग) का केंद्र भी रहा है। यहां की समृद्धि व अंतरराष्ट्रीय व्यापार और जुझारू तेवर सदा चर्चा में रहे। एक समय में यहां अमेरिकी व सोवियत सेनाओं का भी कब्जा बना रहा। अब कोई विदेशी सैनिक वहां पर नहीं है। इन दिनों यह इस्लामी देश अपने पड़ोसी इस्लामी देश पाकिस्तान के साथ युद्ध में उतरा हुआ है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा रेखा को 'डूरंड लाइन' भी कहा जाता है। यह सीमा रेखा 2611 किलोमीटर में फैली है।

तालिबान के पास अमेरिकी व सोवियत सेनाओं द्वारा छोड़े गए हथियारों के भण्डार हैं और इधर अमेरिका इस समय पाकिस्तान की पीठ है। वैसे कौन अधिक सशक्त है, इस बात के प्रामाणिक आंकड़े तो उपलब्ध नहीं हैं लेकिन दोनों के पास मांगी, लूटी और खरीदी आधुनिक युद्ध सामग्री के लम्बे-चौड़े भण्डार हैं। पाक परमाणु-सम्पन्न भी है और उधर अफगानिस्तान को भी कुछ मित्र देशों का परमाणु-संरक्षण प्राप्त है। यह भी एक तथ्य है कि दोनों देशों में आतंकी संगठनों का बोलबाला रहा है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है। वैसे भी अपनी आदत के अनुरूप पाकिस्तान भारत पर अफगानिस्तान को शह देने का आरोप तो लगाएगा ही। उधर, पाकिस्तान को स्वयं भी बलूचिस्तान के अलगाववादी आंदोलन का भय सताता है। इधर, उसके अपने देश में भी स्थितियां

यह भी एक तथ्य है कि दोनों देशों में आतंकी संगठनों का बोलबाला रहा है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है।

नियंत्रण में नहीं हैं। इस समय वहां जो भी होता है, सेनाध्यक्ष मुनीर की रजा से होता है। मगर जनरल मुनीर को अपनी सेना के लगभग एक लाख सैनिक बलूचिस्तान में भी तैनात करने पड़ रहे हैं और अफगान-सीमा पर भी 50 हजार से अधिक की तैनाती है। अब तक के युद्ध में सैकड़ों के मरने की खबरें तो आ रही हैं मगर अभी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध विराम के लिए दबाव भी आने लगे हैं। मुनीर चाहते हैं कि किसी भी विदेशी दखल से पहले वह तालिबान की वर्तमान सरकार का तख्ता पलटवा दें। बहरहाल, दोनों इस्लामी देशों के बीच भीषण-युद्ध छिड़ चुका है। दोनों को भारी क्षति चुकानी होगी और दोनों की आर्थिक हालत ठीक नहीं है।

चरमरा सकती है अर्थव्यवस्था

पाकिस्तान: पाकिस्तान को मध्य एशिया तक पहुंचने के लिए अफगानिस्तान की जरूरत पड़ती है। कराची और ग्वादर जैसे बंदरगाहों के माध्यम से अफगानिस्तान को समुद्री व्यापार की सुविधा मिलती है। खासकर कराची पोर्ट अफगान ट्रांजिट व्यापार का मुख्य मार्ग रहा है। पाकिस्तान को ट्रांजिट फीस, कस्टम ड्यूटी से राजस्व मिलता है।

अफगानिस्तान : अफगानिस्तान समुद्री रास्ते के लिए पाकिस्तान के बंदरगाहों पर ही निर्भर है। दोनों देशों के बीच तनाव लंबा खिंचने की स्थिति में उसके आयात-निर्यात पर सीधा असर पड़ सकता है। स्थिर क्षेत्रीय माहौल होने पर विदेशी निवेश और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बढ़ सकती हैं।

चीन : दोनों देशों के बीच युद्ध का असर सबसे ज्यादा चीन पर पड़ेगा, क्योंकि चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर पाक से होकर गुजरता है। अगर पाकिस्तान आर्थिक तौर पर कमजोर होता है तो इसका असर चीन पर भी पड़ेगा। इसलिए चीन के लिए यह अवसर और खतरा दोनों हैं।

सीमा विवाद : ब्रिटिश शासन के दौरान खींची गई विवाद सीमा रेखा 'डूरंड रेखा' समय-समय पर दोनों देशों के बीच गोलीबारी और राजनयिक तनाव का केंद्र बनी हुई है। डूरंड लाइन को लेकर लंबे समय से विवाद जारी है। दोनों देश एक-दूसरे पर हमले और आतंकियों को छिपाने का आरोप लगाते रहते हैं।

टीटीपी : पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच मौजूदा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर बना हुआ है। पाकिस्तान कई वर्षों से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से प्रतिबंधित टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। इसको लेकर दोनों पक्षों में तनाव एक बार फिर बेहद बढ़ गया है।

अफगानिस्तान के लिए आसान नहीं होगी युद्ध की राह

संघर्ष

डॉ. एन.के. सोमानी

वरिष्ठ स्तंभकार

दक्षिण एशिया के प्रमुख इस्लामिक देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हिंसा व संघर्ष का नया दौर शुरू हो गया है। पिछले साल दोनों देशों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद कतर और तुर्की की मध्यस्थता में युद्ध विराम हुआ। युद्ध विराम के बाद यह अब तक सबसे बड़ा संघर्ष है। इस खूनी संघर्ष के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुले युद्ध का ऐलान कर दिया है। लेकिन सवाल यह है कि दोनों देशों के बीच छिड़ी जंग अगर बड़े युद्ध का रूप लेती है तो क्या होगा। क्या जंग की यह आग इन्ही दोनों देशों तक सीमित रहेगी या इसकी तपत अन्य देशों तक भी पहुंच सकती है।

कतर और तुर्की की मध्यस्थता में हुए युद्ध विराम के महज चार माह बाद जिस तरह से दोनों देश यकायक युद्ध के मुहाने पर आ खड़े हुए हैं उसे देखते हुए सवाल यह भी उठ रहा है कि धर्म के नाम पर समान विचार रखने वाले इन निकट पड़ोसियों के बीच संघर्ष का असल कारण क्या है। एक समय था जब तालिबान इस्लामाबाद की नाक का बाल हुआ करता था। लेकिन, बीते चार साल में दोनों देशों की सरकारें एक-दूसरे के खून की प्यासी हो गई हैं।

हिंसा व संघर्ष की वजह

अगस्त 2021 में जब अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी हुई तो पाक नेताओं की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पाकिस्तान को यह खुशफहमी भी थी कि पाक-तालिबान संबंध उस परम्परागत विचारधारा के आधार पर आगे बढ़ेंगे, जिसका आधार कहीं न कहीं इस्लाम था, लेकिन तालिबान सरकार के मुखिया हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने पाकिस्तान की सरपरस्ती में आगे न बढ़ने और अपनी सरकार को पाकिस्तान की 'पिछलग्गू सरकार' की छवि से बाहर निकलने की कोशिश ने पाक सरकार के उत्साह को जल्द ही ठंडा कर दिया। तालिबानी नेताओं के भारत के प्रति नरम रुख से भी पाकिस्तान नाखुश है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच विवाद का बड़ा कारण तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) है, जो लंबे समय से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बना रहा है और देश में सख्त इस्लामी शासन (शरिया) की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के आतंकवादी पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमलों के लिए अफगानिस्तान

अब सवाल यह उठ रहा है कि दोनों देशों के बीच जारी हिंसक झड़पें अगर किसी बड़े संघर्ष में बदलती है तो पूरा मामला किस दिशा में जाता हुआ दिखाई देगा।

को एक अड्डे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तान के इस आरोप के प्रति तालिबान ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। उलटा इसे पाकिस्तान का आंतरिक मुद्दा बताकर उससे अपने देश के हालात संभालने की नसीहत देता रहा है। इन्ही आरोप-प्रत्यारोप के चलते पाकिस्तान ने काबुल और दूसरे क्षेत्रों पर कई बार हवाई हमले किए, जिसके कारण दोनों देशों के बीच सीमा पर झड़पें भी हुई।

ताजा संघर्ष की शुरूआत उस समय हुई जब पाकिस्तान ने 21 फरवरी को अफगानिस्तान के भीतर संदिग्ध आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए। पाकिस्तान का कहना था कि टीटीपी और बलोच विद्रोही अफगान धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान पर हमले के लिए कर रहे हैं। अफगानिस्तान पर पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक के जवाब में तालिबान सरकार ने डूंरड लाइन पर पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अफगानिस्तान का दावा है कि उसने पाकिस्तान की 19 चैकियों को तबाह कर दिया और 55 सैनिकों को मार गिराया। उसने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के नजदीक एक सैन्य मुख्यालय पर कब्जा करने व कई पाक सैनिकों को बंदी बनाने का दावा किया है। 55 सैनिकों की मौत व राजधानी पर हमले का जवाब देने के लिए पाकिस्तान ने ऑपरेशन गजब-लिल-हक (हक या न्याय के लिए खुदा का कहर) शुरू किया है। ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान की वायु सेना ने काबुल, कंधार और पंक्तिया में तालिबान के ठिकानों, गोला-बारूद के डिपो और सैन्य मुख्यायलयों पर भारी बमबारी की। इस जवाबी हमले में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के 270 से ज्यादा लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है।

पाक का कड़ा संदेश

सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा- 'हमारी बर्दाश्त की हद पार हो चुकी है। पाकिस्तान की तरफ से अफगानिस्तान में हवाई हमलों और अफगान तालिबान की उचित समय पर भरपूर जवाब देने की धमकी के बाद सवाल यह उठ रहा है कि दोनों देशों के बीच जारी हिसंक झड़पें अगर किसी बड़े संघर्ष में बदलती है तो पूरा मामला किस दिशा में जाता हुआ दिखाई देगा। खासकर सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के सैन्य समझौते के बाद। सैन्य क्षमताओं का आकलन चाहे किसी भी स्तर पर किया जाए और चाहे कोई किसी पर कितना भी भारी

अब सिम का होना अनिवार्य कर दिया

वॉट्सएप और अन्य मैसेजिंग एप्स को फोन के सक्रिय सिम से लिंक करना होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हर बार की तरह इस महीने भी 1 मार्च से कई नियमों में बदलाव देखने को मिलेंगे। महीने की पहली तारीख अक्सर नीतिगत और प्रशासनिक परिवर्तनों के लिए अहम मानी जाती है, जिनका सीधा असर आम लोगों की दिनचर्या और जेब पर पड़ता है। मोबाइल यूजर्स के लिए नया नियम लागू होगा जिसके तहत वॉट्सएप और अन्य मैसेजिंग ऐप्स को उसी फोन के सक्रिय सिम से लिंक करना जरूरी होगा जिसमें एप चल रहा है। यानी जिस डिवाइस पर एप इस्तेमाल कर रहे हैं, उसमें संबंधित सिम का होना अनिवार्य होगा। साथ ही वेब या डेस्कटॉप लॉगिन के लिए छह घंटे का ऑटो लॉग-आउट नियम लागू किया जाएगा। 6 घंटे के बाद अब से वेब या डेस्कटॉप अपने आप लॉगआउट हो जाएगा। इसका उद्देश्य फर्जी नंबरों और साइबर अपराधों पर रोक लगाना है।

आज से कई बदलाव देखने को मिलेंगे

- सिम से लेकर यूपीआई पेमेंट तक बदल जाएंगे नियम
- फर्जी नंबरों और साइबर अपराधों पर रोक लगेगी

महीने की पहली तारीख अक्सर नीतिगत और प्रशासनिक परिवर्तनों के लिए अहम मानी जाती है, जिनका सीधा असर आम लोगों की दिनचर्या और जेब पर पड़ता है। इसके साथ ही लोगों को सुविधा भी मिलती है

रेलवे ने बंद किया पुराना एप

1 मार्च से रेलवे अपना पुराना यूटूएस एप बंद कर रहा है। इसके बाद यात्री इसका इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकट बुक करने के लिए अब यात्रियों को नए रेलवन एप का उपयोग करना होगा। इससे यात्रियों को नई प्रणाली अपनानी होगी। शुरुआत में तकनीकी दिक्कतें आ सकती हैं, लेकिन रेलवे का कहना है कि नया सिस्टम अधिक तेज, सुरक्षित और उपयोगकर्ता-अनुकूल होगा। इस नए एप में टिकट बुक करने पर आपको काफी छूट भी मिलेगी।

एलपीजी की कीमतों में भी बदलाव संभव

हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की नई कीमतें जारी होती हैं। होली के त्योहार को देखते हुए लोगों को उम्मीद है कि इस बार कीमतों में राहत मिल सकती है, हालांकि अंतिम फैसला सरकार की घोषणा के बाद ही साफ होगा।

न्यूनतम बैलेंस नियम में राहत

बैंकिंग से जुड़ा एक संभावित राहत भरा बदलाव भी सामने आ सकता है। कुछ सरकारी बैंक मिनिमम बैलेंस की गणना के तरीके में बदलाव कर सकते हैं। पहले किसी एक दिन बैलेंस कम होने पर पेनल्टी लग जाती थी, लेकिन अब एवरेज मंथली बैलेंस के आधार पर शुल्क तय किया जा सकता है।

यूपीआई पेमेंट में बढ़ेगी सुरक्षा

डिजिटल भुगतान को ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए 1 मार्च से बड़े ऑनलाइन ट्रांजैक्शन पर सिर्फ यूपीआई पिन पर्याप्त नहीं होगा। बैंक उच्च राशि के लेनदेन के लिए अतिरिक्त सुरक्षा जैसे बायोमेट्रिक या मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन अनिवार्य कर सकते हैं। बड़े अमाउंट के ट्रांजैक्शन पर अतिरिक्त वेरिफिकेशन लागू किया जा सकता है। केवल यूपीआई पिन के बजाय बायोमेट्रिक या अतिरिक्त ऑथेंटिकेशन की जरूरत पड़ सकती है। इसका मकसद ऑनलाइन फ्रॉड को कम करना और यूजर्स की सुरक्षा बढ़ाना है।

किराए में सुरक्षा निधि पर भी परिवर्तन के आसार

किराए के नियमों में भी बदलाव देखने को मिल सकते हैं। नए या रिन्यू होने वाले रेंट एग्रीमेंट के लिए डिजिटल रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य किया जा सकता है। साथ ही सिक्योरिटी डिपॉजिट को अधिकतम दो महीने के किराए तक सीमित करने और मकान मालिक के प्रवेश से पहले पूर्व सूचना जैसे प्रावधानों पर जोर दिया जा रहा है।

खबर संक्षेप

यूपी में महिला जज के पिता का मर्डर

मुरादाबाद। यहां के नागफनी थाने के बंगला गांव चौराहे पर शुक्रवार को बुलंदशहर में एडिशनल

सिविल जज (सीनियर डिवीजन) के पद पर तैनात आसमा सुल्ताना के पिता और शहर की मशहूर अलवीना बेकरी के संचालक मो. असद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड को मो. असद के हिस्ट्रीशीटर साले जफर ने अंजाम दिया है।

शेट्टी फायरिंग मामले में अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन

मुंबई। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई वाले घर पर फायरिंग मामले में जांच जारी है। इस मामले

में मुंबई क्राइम ब्रांच के हाथ बड़े सुराग लग रहे हैं। मामले में क्राइम ब्रांच ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि शूटर्स को मोटी रकम दी गई थी। वारदात को अंजाम देने एटीएम के जरिए फंडिंग पड़ोसी देश नेपाल से हुई थी। इसके लिए मुंबई क्राइम ब्रांच जांच कर रही है।

केजीएमयू के डॉक्टर के खिलाफ चार्जशीट पेश

लखनऊ। किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटीमें महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म, गर्भपात और मतांतरण

के मामले में चौक पुलिस ने मुख्य आरोपित डॉ. रमीजुद्दीन नायक, उसके मां-बाप व सहयोगी के खिलाफ 800पन्नों से अधिक की चार्जशीट दाखिल कर दी है। पुलिस ने 2 पीड़िताओं के बयान शामिल किए हैं। उसके पास से 3 लैपटाप से 4हजार जीबी डाटा भी मिला है।

राज्यसभा चुनाव से पहले एमवीए में 'तनातनी'

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा सियासी संग्राम छिड़ गया है। राज्यसभा की सात सीटों में

से एक सीट और उसी एक सीट नेएमवीए की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस, राष्ट्रवादी (शरद गुट) और उद्धव सेना तीनों ही दल इस सीट पर दावा ठोक रहे हैं। कई दौर की बातचीत के बाद कोई फैसला नहीं हो पाया है अपितु घमासान बढ़ गया है।

दुराचार का आरोप पुरुष पर, पालक पर नहीं होगा

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने हाल ही में एक महिला की याचिका खारिज कर दी। महिला ने

मांग की थी कि जिस व्यक्ति पर उसने शादी का झूठा वादा करके बलात्कार करने का आरोप लगाया है, उसके माता-पिता और दादी पर भी मुकदमा चलाया जाए। महिला का कहना था कि उस व्यक्ति के परिवार वालों पर भी केस चले, लेकिन कोर्ट ने नकार दिया।

पीएम मोदी ने अजमेर में किया एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

सरकार सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध ये नारीशक्ति को सशक्त करने में होगा अहम

अभियान का लक्ष्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 14 साल की लगभग 1.15 करोड़ लड़कियों को टीका लगाना

एजेंसी ▶▶ अजमेर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के अजमेर से सर्विकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 5 लड़कियों को ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीका लगाया गया। इस अभियान का लक्ष्य हर साल सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 14 साल की लगभग 1.15 करोड़ लड़कियों को टीका लगाना है। टीका तय सरकारी हेल्थ सेंटर पर मुफ्त में दी जाएगी। एचपीवी टीकाकरण के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान के शुभारंभ के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है। पीएम मोदी ने कहा कि अजमेर से राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत के साथ कई परियोजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास और युवाओं को नियुक्ति पत्रों के वितरण का सौभाग्य मिला है।

कार्यक्रम का लक्ष्य 1.15 करोड़ लड़कियों को टीका

इस अवसर पर 5 लड़कियों को ह्यूमन पैपिलोमावायरस टीका लगाया गया

एचवीपी टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री मोदी

भाजपा सरकार में महिलाओं को संबल दिया जा रहा

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अजमेर से एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू हुआ है। ये अभियान देश की नारीशक्ति को सशक्त करने की दिशा में अहम कदम है। पीएम मोदी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि परिवार में जब मां बीमार होती है, तो घर बिखर सा जाता है। अगर मां स्वस्थ है, तो परिवार हर संकट का सामना करने में सक्षम रहता है। इसी भाव से भाजपा सरकार में महिलाओं को संबल देने वाली अनेक योजनाएं चलाई हैं।

महिलाओं के लिए मिशन मोड में काम हो रहा

पीएम मोदी ने कहा कि हमने 2014 से पहले का वो दौर देखा है, जिसमें शौचालय के अभाव में बहनों-बेटियों को कितनी पीड़ा और अपमान झेलना पड़ता था। बच्चियां स्कूल छोड़ देती थी, क्योंकि वहां अलग टॉयलेट की सुविधा नहीं होती थी। पहले जो सत्ता में रहे, उनके लिए ये छोटी बातें थी, इसलिए इन समस्याओं की चर्चा तक नहीं होती थी। हमारे लिए ये बहन-बेटियों को बीमार करने वाला, उनके अपमान से जुड़ा संवेदनशील मसला था। इसलिए इनका मिशन मोड पर समाधान किया। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान कुपोषण माताओं के जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा होता था।

गुजरात में माइक्रोन टेक्नोलॉजी सेमीकंडक्टर असेंबली की शुरुआत

पीएम मोदी ने गुजरात के साणंद में माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्ट और पैकेजिंग (एटीएमपी) संयंत्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने सभा को संबोधित किया। यह उद्घाटन भारत के सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि है। एटीएमपी संयंत्र से भारत में निर्मित पहले सेमीकंडक्टर मेमोरी मॉड्यूल का वाणिज्यिक उत्पादन और शिपमेंट शुरू हो गया है।

दुनिया के सबसे बड़े संयंत्रों में से एक होगा

साणंद संयंत्र पूरी तरह से चालू हो जाने पर लगभग 5 लाख वर्ग फीट का क्लीनरूम क्षेत्र उपलब्ध होगा और यहां दुनिया के सबसे बड़े रेज्ड-फ्लोर क्लीनरूम में से एक बन जाएगा। साणंद एटीएमपी संयंत्र माइक्रोन के वैश्विक विनिर्माण नेटवर्क से उन्नत डायनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी (डीआरएएम) और नैंड सेमीकंडक्टर वेफर्स को तैयार मेमोरी और स्टोरेज उत्पादों में परिवर्तित करेगा।

पीएम आज तमिलनाडु और पुडुचेरी में अहम परियोजनाएं शुरू करेंगे

प्रधानमंत्री रविवा को पुडुचेरी में 2,700 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इस अवसर पर वे एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे।इसके बाद वे मदुरै में दोपहर लगभग 3:00 बजे वे 4,400 करोड़ से अधिक की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री इस अवसर पर एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

साइंस-डे पर बोले प्रधानमंत्री

ज्ञान विज्ञान से जुड़े तो संकटों से मुक्ति पाना होगा आसान

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को नेशनल साइंस डे पर कहा कि जब ज्ञान विज्ञान के साथ जुड़ता है तो संकटों से मुक्ति का रास्ता अपने आप खुल जाता है। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जब ज्ञान विज्ञान के साथ जुड़ता है, तो जब ज्ञान और विज्ञान से हमारा परिचय होता है, तो संसार की सभी समस्याओं और संकटों से मुक्ति का रास्ता अपने आप खुल जाता है। उन्होंने कहा कि समाधान का, विकास का और नवाचार का आधार विज्ञान ही है। पीएम ने कहा कि आज नेशनल साइंस डे सीवी रमन की रमन इफ़ेक्ट खोज को समर्पित है। यह खोज बड़ी अहम रही।

विज्ञान का उपयोग लोगों की भलाई के लिए हो

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा कि नेशनल साइंस डे पर हम रिसर्च, इनोवेशन और साइंटिफिक जिज्ञासा की भावना का जश्न मनाते हैं जो हमारे देश को आगे बढ़ाती है। यह दिन सर सीवी रमन की रमन इफ़ेक्ट की अहम खोज की याद में मनाया जाता है। इस खोज ने भारतीय रिसर्च को दुनिया भर में मजबूती से जगह दिलाई। हम अपने युवाओं को मजबूत बनाने पर काम कर रहे।

एआई इंपैक्ट समिट में कांग्रेस पर हमला बोला

हार से थक चुकी कांग्रेस अब देश को बदनाम करने में जुटी

अब तो वह मुस्लिम लीगी-माओवादी कांग्रेस बनी

प्रधानमंत्री ने एआई इंपैक्ट समिट के दौरान कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस ने दुनिया भर के मेहमानों के सामने देश को बदनाम करने की कोशिश की। पूरे देश में हार रही कांग्रेस भारत को बदनाम कर रही है। कांग्रेस अब 'मुस्लिम लीगी-माओवादी कांग्रेस' बन गई। है।

'कभी वह इंडियन नेशनल कांग्रेस थी'

प्रधानमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा, 'कभी कांग्रेस इंडियन नेशनल कांग्रेस थी लेकिन अब आईएनसी नहीं बची है... इंडियन नेशनल कांग्रेस नहीं बची है... आज वो आईएनसी के बजाए एमएमसी बन गई है। एमएमसी यानी मुस्लिम लीग - माओवादी कांग्रेस हो चुकी है।

निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का प्रकाशन किया शुरू

बंगाल में एसआईआर के बाद 5.46 लाख कटे व 1.82 लाख वोटर जुड़े

बांकुरा में 1.35 लाख नाम हटने की चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ कोलकाता

निर्वाचन आयोग ने बंगाल में एसआईआर के बाद की मतदाता सूचियों को शनिवार को चरणबद्ध

तरीके से प्रकाशित करना शुरू कर दिया। बांकुरा जैसे कुछ जिलों में मतदाता सूची पोर्टल और मोबाइल एप पर उपलब्ध नहीं कराई गई है। बांकुरा से 1.35 लाख से अधिक नाम हटाए गए होंगे। प्रकाशन से 7.08 करोड़ मतदाताओं को 'स्वीकृत', 'हटाए गए'। या 'विचाराधीन' के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। 58 लाख की गणना जारी है।

7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ हुए वोटर

बंगाल में एसआईआर पूरा करने और अंतिम लेकिन अपूर्ण सूची प्रकाशित करने में 116 दिन लगे। मसौदा मतदाता सूची 16 दिसंबर को प्रकाशित हुई थी जिसके अनुसार मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गई है। मसौदा मतदाता सूची में शामिल मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए गए थे, फिर अपील सुनी गई।

ममता का महिला सुरक्षा पर जोर

कोलकाता में पिंक बूथ और शाइनिंग पेट्रोलिंग बनाने का किया ऐलान

बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने आगामी चुनाव से पहले महिलाओं की सुरक्षा मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने

कोलकाता पुलिस की दो नई पहलों की घोषणा की है। सीएम ने एक्स पर बताया कि शहर के प्रमुख चौराहों पर ऑल-वुमन पिंक बूथ स्थापित किए जाएंगे, जो शाम से लेकर आधी रात तक संचालित रहेंगे। इन पर तैनात महिला पुलिसकर्मी सीधे तौर पर महिलाओं की सहायता और शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगी। इनके जरिए शहर की महिलाएं जरूरत पड़ने पर सीधे महिला अधिकारियों से संपर्क कर सकेंगी।

द्वारकाधीश में रंगों से सराबोर लोग

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में द्वारकाधीश मंदिर में शुक्रवार को होली के त्योहार से पहले लोग रंगों से जश्न मनाते हुए।

बरनाला में राहुल ने कांग्रेस नेताओं को दिया बड़ा अल्टीमेटम

आप टीम वर्क का काम करें वरना रिजर्व में चले जाएंगे

एजेंसी ▶▶ बरनाला

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक किसान महाचौपाल को संबोधित करते हुए पंजाब के बरनाला से केंद्र की मोदी सरकार पर करारे हमले किए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को टीम वर्क का मंत्र भी दिया।

राहुल ने कहा कि मैं कांग्रेस को भी एक संदेश देना चाहता हूं। काम टीम वर्क से होता है वरना रिजर्व में चले जाएंगे। उन्होंने केंद्र पर किसानों, छोटे उद्योगों की अनदेखी का आरोप लगाया। इतना ही नहीं राहुल ने सवाल किया कि आखिर ऐसा कौन सा दबाव था जिसके कारण प्रधानमंत्री ने देश के हितों के खिलाफ फैसले लिए। राहुल ने फिर पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब को लेकर अपने दावे दोहराए।

नहीं माने तो खरगे सबक सिखाएंगे

राहुल ने कहा कि मैं कांग्रेस को भी एक संदेश देना चाहता हूं। मैं आपको बता रहा हूं,आप चाहे कितने भी बड़े क्यों न हों, पार्टी से बड़ा कोई नहीं है। टीम के सदस्य बनिए। और अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो खरगे और मैं आपको सबक सिखाएंगे। हमारी असली ताकत हमारे कार्यकर्ता हैं। वे ही हमारी असली ताकत हैं।

4 महीने तक टालते रहे, 15 मिनट में कर दिया

राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ऐसे फैसले लिए हैं जो किसानों के हितों के खिलाफ हैं। वे ऐसा काम मात्र 15 मिनट में कर दिया।

समझौते पर हस्ताक्षर क्यों किए?

अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौते का जिक्र करते हुए राहुल ने कहा कि ऐसा क्या दबाव था कि भारत के प्रधानमंत्री ने हमारे देश के लिए मृत्युदंड के फरमान पर हस्ताक्षर कर दिए?

वित्त मंत्री को लिखा पत्र पूर्व सैनिकों को उनका सही हक दिया जाए

राहुल ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के लिए प्रयाप्त बजट का आवंटन और विकलांगत पेंशन पर आयकर की छूट को बहाल किया जाए। कांग्रेस नेता ने वित्त मंत्री को 25 फरवरी को यह पत्र लिखा यह उल्लेख किया कि पूर्व सैनिक इन दोनों मामलों के कारण मुश्किल का सामना कर रहे हैं।

जज के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणी, यह 'दिनदहाड़े न्यायिक हत्या' जैसा

एजेंसी ▶▶ इलाहाबाद

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद की एक सिविल अदालत के जज के खिलाफ सख्त

टिप्पणी करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है। यह मामला एक संपत्ति विवाद से जुड़ा था, जिसमें निचली अदालत ने एक किराएदार को उस संपत्ति पर कब्जा और मालिकाना हक दे दिया था। सुनवाई की अध्यक्षता न्यायमूर्ति संदीप जैन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निचली अदालत का यह फैसला गलत ही नहीं, बल्कि जान-बूझकर किया गया गंभीर न्यायिक कदाचार है। इस फैसले को 'दिनदहाड़े न्यायिक हत्या' बताया।

अनुचित फायदा दिया गया

हाई कोर्ट ने बताया कि ट्रायल कोर्ट ने जान-बूझकर महत्वपूर्ण सबूतों को नजरअंदाज किया, जैसे उस महिला का मृत्यु प्रमाण पत्र, जिसके नाम पर संपत्ति थी। अदालत के अनुसार ऐसा करने का मकसद वादी (किराएदार) को अनुचित फायदा पहुंचाना था।

नेतन्याहू बोले- ईरान का परमाणु हथियार हासिल करना मानवता के लिए 'खतरा'

◆ कई देशों ने जताई चिंता, हमले रोकने की अपील, कूटनीतिक समाधान की दी सलाह

◆ ब्रिटेन बोला- ईरान को कभी भी परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दें

ईरान की राजधानी तेहरान में धुंआ-धुंआ

यूएस-इजराइल का ईरान पर संयुक्त हमला

ईरान के नागरिकों ने अमेरिका-इजराइल हमले के विरुद्ध सड़कों पर प्रदर्शन किया

हमले में घायल ईरानी नागरिक

लेबनान के बेरूत में रफिक हरीरी हवाई अड्डे पर उड़ानें रद्द होने से फंसे यात्री

ईरान के हमले के बाद इजराइल के नागरिक बंकर में

खामेनेई के घर पर हमले के बाद की सेटेलाइट इमेज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में अचानक सैन्य तनाव बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। इजराइल और अमेरिका ने ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान ईरान से पैदा हुए अस्तित्व के खतरे को खत्म करने के लिए शुरू किया गया है। इस कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में बड़े युद्ध की आशंका को तेज कर दिया है। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल और अमेरिका ने

मिलकर ईरान के आतंकी शासन के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया है। ईरानी शासन लंबे समय से इजराइल और अमेरिका के खिलाफ हिंसक नारे और गतिविधियां चलाता रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा शासन परमाणु हथियार हासिल कर ले तो पूरी मानवता के लिए खतरा बन सकता है। नेतन्याहू ने मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थन को ऐतिहासिक बताया।

खाड़ी क्षेत्र में रह रहे 90 लाख से ज्यादा भारतीय संकट में

देश में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई की पड़ सकती है मार

कविता जोशी, नई दिल्ली। खाड़ी क्षेत्र दशकों से भारत की ऊर्जा सुरक्षा का एक बहुत बड़ा केंद्र रहा है। वर्तमान तनाव के दौर में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि इसका भारत पर क्या प्रभाव पड़ सकता है? जिसे लेकर सुरक्षा और कूटनीतिक मामलों के विशेषज्ञों ने हरिभूमि से बातचीत में स्पष्टता प्रदान की है। उनका कहना है कि क्षेत्र में युद्ध के हालात में भारत पर दो-तरफा असर पड़ सकता है। एक ओर हमारी ऊर्जा सुरक्षा यानी आर्थिक हित खतरे में पड़ सकते हैं। क्योंकि हम अपना लगभग 70 फीसदी से अधिक कच्चा तेल इसी क्षेत्र से लेते हैं। वहीं, दूसरी ओर खाड़ी क्षेत्र में वर्तमान में बनी हुई भारतीय कामगारों की 90 लाख से अधिक संख्या होने की वजह से इनकी सुरक्षा पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। सेना के पूर्व सेवानिवृत्त अधिकारी मेजर जनरल एस.बी.एस अस्थाना ने बताया कि युद्ध के हालात आक्रामक होने पर होमुर्ज की खाड़ी से आने वाले तेल और व्यापार दोनों में बाधा आएगी। यही नहीं लाल सागर के इलाके में भी संकट गहरा सकता है। भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के बाकी भागों तक तेल-गैस व जरूरी व्यापारिक आदान-प्रदान होता है।

इजराइल ने जानबूझकर हमला किया: नॉर्वे

नॉर्वे के विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ ने कहा कि इजराइल के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप नहीं हैं। इजराइल इसे एहतियात के तौर पर किया गया हमला बता रहा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एहतियात के तौर पर हमले तभी सही माने जाते हैं, जब खतरा तुरंत और स्पष्ट रूप से सामने हो।

हम ईरान के साथ: पाकिस्तान

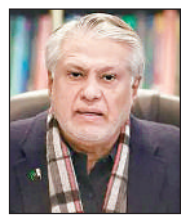

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने ईरान पर हुए हमलों की आलोचना की। उन्होंने तनाव को तुरंत रोकने और संकट के शांतिपूर्ण, बातचीत के जरिये समाधान के लिए दोबारा कूटनीति शुरू करने की अपील की और कहा कि पाकिस्तान का पूरा समर्थन ईरान के साथ है।

अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई एकतरफा: स्पेन

स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज ने अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई को एकतरफा कदम बताते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय तनाव बढ़ाने वाला बताया है। सांचेज ने कहा कि ऐसी कार्रवाई वैश्विक व्यवस्था को और अस्थिर तथा टकरावपूर्ण बना सकती है। हालांकि उन्होंने ईरान सरकार और रिवोल्यूशनरी गार्ड की गतिविधियों को भी स्वीकार्य नहीं बताया। स्पेन ने सभी पक्षों से तुरंत तनाव कम करने और अंतरराष्ट्रीय कानून का पूरी तरह सम्मान करने की मांग की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मौजूदा संकट का समाधान केवल कूटनीतिक बातचीत और शांतिपूर्ण रास्ते से ही संभव है।

कार्रवाई क्षेत्रीय संघर्ष में न बदले: ब्रिटेन

ब्रिटेन के पीएम कीर स्टारमर ने कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और इसीलिए हमने बातचीत के जरिए समाधान तक पहुंचने के प्रयासों का लगातार समर्थन किया है। हम नहीं चाहते कि यह मामला और बढ़कर एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष में तब्दील हो जाए। ब्रिटेन ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में भाग नहीं लिया। हमारी तत्काल प्राथमिकता इस क्षेत्र में मौजूद ब्रिटेन के नागरिकों की सुरक्षा है, जिन्हें चौबीसों घंटे सातों दिन राजनयिक सहायता प्रदान की जाएगी।

ईरान के साथ बातचीत बहाना था: रूस

रूस ने अमेरिका और इजराइल से ईरान में तुरंत हमले रोकने की अपील की। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्हें मौजूदा स्थिति से राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान के रास्ते पर लौटना चाहिए। रूस पहले की तरह अंतरराष्ट्रीय कानून, आपसी सम्मान और हितों के संतुलन के आधार पर शांतिपूर्ण समाधान खोजने के प्रयासों में सहयोग देने के लिए तैयार है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने अमेरिका पर तंज कसते हुए कहा कि शांति दूत फिर सक्रिय हो गया है। ईरान के साथ बातचीत सिर्फ एक बहाना था। यह सबको पता था।

सभी पक्षों से संयम की अपील: ईयू

यूरोपीय संघ (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई है। सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मौजूद अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

कार्रवाई का समर्थन: ऑस्ट्रेलिया पीएम

ऑस्ट्रेलिया के पीएम अल्बानीज ने कहा कि हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को लगातार खतरा पहुंचाने से रोकने के लिए अमेरिका द्वारा की गई कार्रवाई का समर्थन करते हैं।

युद्ध के गंभीर परिणाम: फ्रांस

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि युद्ध से शांति और सुरक्षा पर गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने ईरान के नेतृत्व से अपने परमाणु और बैलिस्टिक कार्यक्रमों पर बातचीत के लिए प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया। ईरान की जनता को भी अपना भविष्य स्वतंत्र रूप से बनाने का अधिकार हो।

समाधान नहीं निकला ये दु:खद: बेल्जियम

बेल्जियम के विदेश मंत्री मैक्सिम प्रेवो ने कहा कि यह बेहद अफसोस की बात है कि कूटनीतिक प्रयास पहले किसी बातचीत से समाधान तक नहीं पहुंच पाए। ईरानी जनता को अपनी सरकार के फैसलों की कीमत नहीं चुकानी चाहिए।

ईरान के समाचार माध्यमों पर साइबर हमला

ईरान पर अमेरिकी और इजराइली मिलिट्री हमलों के बाद ईरान की कई सरकारी न्यूज एजेंसियों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर साइबर हमले हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मिलिट्री कार्रवाई में बढ़ोतरी के साथ-साथ साइबर ऑपरेशन की एक 'बड़ी लहर' शुरू हो गई है, जिसमें कई बड़े घरेलू मीडिया प्लेटफॉर्म पर रुकावट या ऑपरेशनल दिक्कतें आ रही हैं। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए और सेमी ऑफिशियल आईएसएनए न्यूज एजेंसी की वेबसाइटें उन आउटलेट्स में शामिल थीं जिन्हें कथित तौर पर हैक कर लिया गया या उन्हें एक्सेस में दिक्कतें आ रही थीं।

कांग्रेस 'कायरों की सेना': भाटिया

भाजपा ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर सैन्य हमले शुरू करने के मामले में पीएम नरेंद्र मोदी को निशाना बनाने के लिए कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस कायरों की सेना है। किसी भी संवेदनशील घटनाक्रम पर नकारात्मक टिप्पणी करना कांग्रेस का स्वभाव बन गया है। कांग्रेस और राहुल गांधी को मौजूदा स्थिति के बीच 'बचकाना बयान' देने से बचना चाहिए और मोदी सरकार पर भरोसा रखना चाहिए।

भारतीय नागरिकों की सुरक्षा करे केंद्र: राहुल

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती शत्रुता बेहद चिंताजनक है। पूरे पश्चिम एशिया में प्रत्येक भारतीय नागरिक की सुरक्षा और संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मैं भारत सरकार से हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल और सक्रिय कदम उठाने का आग्रह करता हूं।

शांति प्रयासों के प्रति भयावह कदम: जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने हमले को अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और शांति प्रयासों के प्रति भयावह कदम बताया। कांग्रेस हमले की कड़ी निंदा करती है। भारत सरकार युद्ध समाप्त करने के प्रयासों में योगदान दें। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी इजराइल दौरा और भी अधिक शर्मनाक प्रतीत होता है, क्योंकि युद्ध उन्हीं दो नेताओं द्वारा शुरू किया गया है जिन्हें पीएम मोदी अपना अच्छा मित्र बताते रहे हैं।

खबर संक्षेप

ईडी ने की इंद्रजीत की 90 करोड़ की संपत्ति कुर्क

गुरुग्राम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के गुरुग्राम जोनल ऑफिस ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कार्रवाई करते

हुए 'जेम्स ट्यून्स' (जेम रिकॉर्ड्स एंटरटेनमेंट प्रा. लि.) के मालिक और कुख्यात अपराधी इंद्रजीत सिंह यादव पर शिकंजा कसा है। ईडी ने इंद्रजीत और उसकी पत्नी रीना कुमारी की 90.04 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। वह वर्तमान में फरार है और कथित तौर पर संयुक्त अरब अमीरात से अपनी आपराधिक गतिविधियों को संचालित कर रहा है।

पंजाब में आतंकी गिरोह का भंडाफोड़, 2 अरेस्ट

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि उसने विदेश स्थित एक आतंकी

गिरोह का भंडाफोड़ करके दो लोगों को गिरफ्तार करने के साथ आरडीएक्स से भरा और पूरी तरह से तैयार एक परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया है। इसके साथ ही पुलिस ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करने का दावा किया है। पुलिस ने लगभग 2.5 किलो वजनी आरडीएक्स से भरा आईईडी जब्त किया।

अफगानिस्तान का दावा

जलालाबाद में मार गिराया पाक लड़ाकू विमान, पायलट को हिरासत में लिया

एजेंसी ▶▶ काबुल

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अफगान सैन्य और पुलिस सूत्रों के अनुसार, एक पाकिस्तानी लड़ाकू विमान शनिवार को जलालाबाद के एक जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पायलट ने विमान से पैराशूट की मदद से छलांग लगाई और फिर उसे हिरासत में ले लिया गया।

पूर्वी अफगानिस्तान में सेना के प्रवक्ता वाहिदुल्ला मोहम्मदी ने भी इस बात की पुष्टि की है। पाकिस्तान

पाक का दुर्घटनाग्रस्त लड़ाकू विमान

के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने दावा किया कि सुरक्षा बलों ने 297 लड़ाकों को मार गिराया और 450 से अधिक अफगान जवान घायल हो गए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन गजब-लिल-हक के दौरान पाकिस्तान ने अफगान बलों की 89 चौकियों को नष्ट कर दिया और 18 अन्य पर कब्जा कर लिया।

किम जोंग ने दी चेतावनी

हमारी सुरक्षा को खतरा हुआ तो साउथ कोरिया को पूरी तरह कर देंगे 'तबाह'

एजेंसी ▶▶ सिओल

नॉर्थ कोरिया के शासक किम जोंग-उन ने साउथ कोरिया को कड़ी चेतावनी दी है। किम ने कहा है कि उनके देश की सुरक्षा को खतरा हुआ तो वे साउथ कोरिया को 'पूरी तरह नष्ट' कर सकते हैं।

प्योंगयांग में सात दिन चली वर्कर्स पार्टी कांग्रेस के समापन पर किम ने अगले पांच वर्षों के लिए परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को तेज करने का खाका पेश किया। उन्होंने पानी के भीतर से दागे जा सकने वाले इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल, सामरिक

नॉर्थ कोरिया शासक किम जोंग-उन

परमाणु हथियारों के विस्तार, परमाणु-संचालित पनडुब्बी, एआई-युक्त ड्रोन और उन्नत उपग्रह विकसित करने की बात कही। किम ने साउथ कोरिया को 'स्थायी दुश्मन' बताते हुए कहा कि उससे बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। अमेरिका यदि प्रतिबंध और दबाव की नीति छोड़े तो संवाद संभव है।

एएआईबी ने बारामती विमान दुर्घटना पर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की

वीएफआर उड़ानों के संचालन पर मानकों के पालन के लिए दिए आवश्यक निर्देश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने बारामती विमान दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में शनिवार को सिफारिश की कि विमानन नियामक डीजीसीए अनियमित हवाईअड्डों पर वीएफआर उड़ानें संचालित करने वाले सभी संचालकों को निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी कर सकता है। जनवरी में बारामती के पास वीएसआर वेंचर के लेयरजेट विमान दुर्घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी।

मूल कारण जानने सभी पहलुओं की जांच करेंगे

बारामती विमान दुर्घटना फाइल फोटो

इस दुर्घटना पर अपनी 22 पृष्ठ की प्रारंभिक रिपोर्ट में एएआईबी ने कहा कि तथ्यों और दुर्घटना के मूल कारणों वाले कारकों को सामने लाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। अब तक प्राप्त अंतरिम निष्कर्षों को देखते हुए, विमानन सुरक्षा को बढ़ाने के लिए तत्काल आवश्यक निवारक कार्रवाई करने के लिये निम्नलिखित अंतरिम सुरक्षा सिफारिशें जारी करना आवश्यक समझा जाता है।

रिपोर्ट सार्वजनिक मंच पर साझा करें

महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता अदिति तटकरे ने मांग की कि विमान दुर्घटना से संबंधित सभी रिपोर्ट और निष्कर्षों को संकलित कर किसी साझा मंच पर उपलब्ध कराए जाए, ताकि आम लोग इसे देख सकें। उन्होंने बताया कि विधायक इस मुद्दे को उठाने के लिए सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करेंगे।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच ट्रंप का क्यूबा को लेकर बड़ा बयान

आर्थिक तंगी से जूझ रहा, जल्द फ्रेंडली टेकओवर कर सकते

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि क्यूबा सरकार गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही है और अमेरिका से बातचीत कर रही है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका क्यूबा का 'फ्रेंडली टेकओवर' कर सकता है,

जिससे क्यूबन-अमेरिकियों को लाभ हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा सरकार हमसे बात कर रही है। वे बड़ी मुसीबत में हैं। उनके पास पैसा नहीं है, उनके पास कुछ भी नहीं है। लेकिन वे हमसे बातचीत कर रहे हैं और हो सकता है कि हमारा क्यूबा पर फ्रेंडली टेकओवर हो जाए।

टेकओवर से क्यूबन अमेरिकियों को लाभ होगा

हम बातचीत कर रहे, परिणाम सकारात्मक

ट्रंप ने कहा कि संभावित कदम अमेरिका में रहने वाले उन क्यूबाई मूल के लोगों के लिए सकारात्मक हो सकता है, जो दशकों पहले क्यूबा छोड़कर आए थे। उनके मुताबिक, ऐसे कई लोग क्यूबा लौटना चाहते हैं और मौजूदा बातचीत से संतुष्ट हैं। अमेरिका और क्यूबा के संबंध दशकों से राजनीतिक तनाव और आर्थिक प्रतिबंधों के कारण जटिल रहे हैं।

ट्रंप के निर्देश, संघीय एजेंसियां एंथ्रोपिक तकनीक से बनाएं दूरी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह सभी संघीय एजेंसियों को तुरंत एआई डेवलपर एंथ्रोपिक की तकनीक का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश देंगे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि हमें इनकी जरूरत नहीं है, हम इनके साथ काम नहीं करना चाहते और हम इनके साथ फिर से काम नहीं करेंगे। बता दें, एंथ्रोपिक का व्हाइट हाउस के साथ विवाद चल रहा है। कंपनी ने अमेरिकी सेना को अपने एआई टूल्स तक बिना किसी रोक-टोक के पहुंच देने की मांग को मानने से इनकार कर दिया था। इसके बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने एंथ्रोपिक को 'सप्लाई चेन के लिए जोखिम' माना है। यह दर्जा मिलने पर एंथ्रोपिक ऐसी पहली अमेरिकी कंपनी बन जाएगी, जिसे सार्वजनिक रूप से इस तरह का लेबल दिया जाएगा। कंपनी ने कहा कि वह किसी भी 'सप्लाई चेन रिस्क' के दर्जे को अदालत में चुनौती देगी।

भारत-ईयू संबंधों पर 2026 की पहली बैठक

व्यापार, टेक्नोलॉजी, सुरक्षा और सहित कई क्षेत्रों में किया विमर्श

एजेंसी, नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वर्ष 2026 की भारत-यूरोपीय यूनियन संबंधों पर पहली परामर्श समिति की बैठक आयोजित की। इस बैठक में भारत-ईयू के मजबूत होते सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों में आपकी लाभकारी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि इस बैठक में भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी की मजबूत गति और व्यापार, टेक्नोलॉजी, सुरक्षा और गतिशीलता सहित विभिन्न क्षेत्रों में इसके पारस्परिक लाभकारी पहलुओं पर चर्चा की गई।

बैठक में जयशंकर और विक्रम मिसरी

'मदर ऑफ ऑल डील्स'

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हाल में ही मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), जिसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' हुआ है। यह व्यापार समझौता हाल ही में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और भारत के पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित किया गया।

शांतिपूर्ण त्यौहार मनाने और अपराध से दूर रहने को कहा

डीसीपी मयूर खंडेलवाल ने अमन कॉलोनी में किया जनता से संवाद, सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आगामी त्यौहारों के दौरान शहर में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से डीसीपी जोन क्रमांक-4 मयूर खंडेलवाल ने बीती रात अमन कॉलोनी में आम जनता के साथ संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। इस अवसर पर एडिशनल डीसीपी मलकीत सिंह, एसीपी अक्षय चौधरी, थाना प्रभारी मनोज पटवा समेत अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

शहर में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने लोगों से चर्चा करते डीसीपी खंडेलवाल।

जनसंवाद के दौरान डीसीपी ने जनता की समस्याओं को सुनने के बाद उनका निराकरण करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही उन्होंने आम नागरिकों से हर प्रकार के अपराध से दूर रहने की नसीहत दी। आम लोगों को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। साथ ही नशे से दूर रहने की समझाइश देते हुए आगामी त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की। उसके बाद अमन कॉलोनी और ईरानी डेरे का भ्रमण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था बनाई।

उल्लेखनीय है कि पुलिस टीम ने पिछले दिनों अमन कॉलोनी क्षेत्र में एक साथ दबिश देकर कई असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए आरोपियों के पास करोंड़ों रुपए कीमत का चोरी और लूट का माल तथा मादक पदार्थ बरामद किया था। जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि बाहर राज्यों के कई बदमाश वारदात के बाद यहां आकर शरण लेकर फरारी काटते हैं।

असुविधा नहीं होने देंगे

कॉलोनी के अन्य रहवासियों को अनावश्यक ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसको देखते हुए डीसीपी मयूर खंडेलवाल और एसीपी अक्षय चौधरी ने आम लोगों के साथ जन संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना और कार्रवाई के दौरान साधारण लोगों को किसी भी परेशानी की बात नहीं होने की जानकारी दी। डीसीपी ने यह भी निर्णय लिया है कि पुलिस की अलग-अलग टीमें प्रत्येक परिवार का सर्वे करेंगे और सामान्य लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने देंगे।

पदोन्नत कर्मियों को नई जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया

एयरपोर्ट में सीआईएसएफ के वरिष्ठ आरक्षक सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

सीआईएसएफ यूनिट भोपाल एयरपोर्ट में गत दिवस वरिष्ठ आरक्षकों के लिए पिनिंग (पिपिंग) समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान अतुल भनोत्रा, कमांडेंट, कासो द्वारा इकाई के चयनित कर्मियों को वरिष्ठ आरक्षक पद का प्रतीक देकर औपचारिक रूप से धारण कराकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने पदोन्नत कर्मियों को नई जिम्मेदारियों के निर्वहन में समर्पण, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। यह अवसर गर्व एवं उपलब्धि की भावना से परिपूर्ण रहा।

उपलब्धि पर बधाई दी

पदोन्नत कर्मियों ने अपने नए पदचिह्नों को गरिमा एवं आत्मविश्वास के साथ धारण किया। समारोह में इकाई के वरिष्ठ अधिकारी एवं सहकर्मी उपस्थित रहे तथा सभी ने कर्मियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी। पूरे कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, सम्मान एवं प्रेरणा से ओत-प्रोत रहा।

खबर संक्षेप

एक्स आर्मीमैन ने पेट्रोल छिड़ककर खुद को लगाई आग

भोपाल। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ा पठानी में एक्स आर्मीमैन ने पेट्रोल छिड़ककर खुद को आग लगा ली। आग की लपटों से घिरे एक्सआर्मी मैन पर पानी डालकर किसी तरह आग बुझाने के बाद उसे एम्स ले जाया गया, लेकिन पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने के कारण करीब अस्सी फीसदी वह झुलस चुका था। अस्पताल में करीब एक घंटे चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 56 साल के हेंडी डेविस, बरखेड़ा पठानी में रहते थे। वे आर्मी से रिटायर्ड थे। उनके परिवार में उनका बेटा और पत्नी हैं। बेटा एक न्यूज एजेंसी की गाड़ी चलाता है। हेंडी डेविस शराब पीने के आदी थे। उन्हें बीपी शुगर की बीमारी थी।

सूरज दलित पिछड़ा समाज संगठन के तहसील अध्यक्ष बने

औबेदुल्लागंज। दलित पिछड़ा समाज संगठन के सूरज सागर को तहसील अध्यक्ष बनाया गया। यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष पिछड़ा समाज संगठन दामोदर यादव ने सुनील सेरिया की अनुशंसा पर किया। सूरज की नियुक्ति पर अनूप चौधरी, राजकुमार लोधी, पदम सिंह चौहान, लोकेश आदि ने शुभकामनाएं दी।

दिल्ली में सत्याग्रह आंदोलन में शामिल हुए परेश नागर

औबेदुल्लागंज। युवा कांग्रेस रायसेन के पूर्व जिला अध्यक्ष परेश नागर द्वारा दिल्ली में जारी सत्याग्रह आंदोलन में पिछले 4 दिनों से शामिल है। जिस तरह से युवा कांग्रेस के साथियों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है, उसी के विरोध में युवा कांग्रेस के सदस्य दिल्ली में सत्याग्रह आंदोलन कर रहे हैं।

नशे में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित खेल छात्रावास के पास भीम नगर में शुक्रवार रात एक युवक ने अपने घर में फांसी लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि वह शराब के अलावा सूखे नशे का आदी था। पुलिस के अनुसार जितेंद्र गिरी पिता राणा प्रताप गिरी (19) खेल छात्रावास के भीम नगर में रहता था और प्राइवेट काम करता था।

शुभांक			
कल्याणः	1736		
दिनः	148	33	689
रातः	238	39	450
तारा:			
दिनः	269	76	178
रातः	230	55	230

विवाद होने पर सिर में डंडा लगने से दूसरे पक्ष का युवक घायल, काउंटर प्रकरण दर्ज

रंजिश में पिता ने बेटों के साथ मिलकर युवक पर पेपर कटर से किया जानलेवा हमला

पेट, सीने और हाथ में कटर लगने से युवक को गंभीर चोट आई, अस्पताल में किया भर्ती

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित पुरानी विधानसभा के पास शुक्रवार रात रंजिश में हुए विवाद के बाद पिता-पुत्रों ने मिलकर एक युवक पर पेपर कटर से जानलेवा हमला कर दिया। पेट, सीने और हाथ में कटर लगने से युवक को गंभीर चोट आई है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल युवक की बहन की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। इधर, दूसरे पक्ष के युवक के सिर पर डंडे से गंभीर चोट आई है। उसका भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से काउंटर प्रकरण दर्ज कर जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार सनी सिंह (24) पुरानी विधानसभा के पास रहता है। उसके मोहल्ले में रहने वाले दीपक बहादुर (35) से उसका पुराना विवाद चल रहा है। दीपक चाऊमीन का ठेला लगाता है। शुक्रवार रात करीब दस बजे कार शोरूम के पीछे चंपाबाई चौराहा के पास दोनों का आमना-सामना हो गया। इस पर दीपक बहादुर और उसके बेटों ने सनी सिंह को घेर लिया।

बेटों ने उसे पकड़ कर गिराया, जबकि दीपक ने पेपर कटर सनी सिंह के पेट, सीने और हाथ पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। झगड़े के दौरान सनी सिंह ने दीपक पर डंडे से हमला किया, जिससे उसे भी गंभीर चोट आई है। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दीपक और उसके बेटों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है, जबकि दूसरे पक्ष की रिपोर्ट पर सनी सिंह के खिलाफ भी मारपीट का केस दर्ज किया गया है।

चलती बोलेरो में मैनेजर पर चाकू से किया जानलेवा हमला, गंभीर घायल

आरोपी को किया गिरफ्तार

बैरसिया महुआखेड़ा में चलती बोलेरो में कलारी के मैनेजर और ड्राइवर पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शराब कंपनी में साथ काम करने के कारण आरोपी का मैनेजर से मनमुटाव चल रहा था। वह मनमुटाव का बदला लेने पूर्व से योजना बना रहा था और मौका मिलते ही उसने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

पुलिस के अनुसार राहुल अहिरवार (23) ग्राम नीमखेड़ी, नजीराबाद में रहता है और शराब कंपनी की बोलेरो चलाते हैं। राहुल ने पुलिस को बताया कि गुरुवार रात वह कलारी के मैनेजर देवेंद्र पटेल और कर्मचारी दुर्गा कुशवाह के साथ कंपनी की बोलेरो जीप से नजीराबाद से कलेक्शन करने के बाद बैरसिया लौट रहे थे। वह गाड़ी चला रहा था, जबकि को पेसेंजर सीट पर मैनेजर देवेंद्र पटेल बैठे थे। पीछे बीच वाली सीट पर दुर्गा कुशवाह था। रात करीब साढ़े 9 बजे बोलेरो महुआखेड़ा जोड़ के पास पहुंची, तभी दुर्गा कुशवाहा ने अचानक ही मैनेजर देवेंद्र पटेल के साथ गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। मैनेजर देवेंद्र कुछ समझ पाते इससे पहले ही बदमाश अपने पास रखा चाकू निकाला और देवेंद्र पटेल पर हमला कर दिया। हमले में चाकू मैनेजर देवेंद्र की पीठ, पेट और सिर पर लगा था। बोलेरो चला रहे राहुल ने जब बीच-बचाव किया तो दुर्गा ने उस पर चाकू से हमला कर दिया और जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। इस पर राहुल ने दुर्गा को गाड़ी से नीचे उतार दिया और घायल मैनेंजर को इलाज के लिए बैरसिया अस्पताल लेकर पहुंचा, जबकि राहुल ने प्राथमिक उपचार कराने के बाद थाने जाकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने पहले चाकूबाजी का केस दर्ज किया था। मैनेजर की मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद आरोपी दुर्गा कुशवाहा के खिलाफ हत्या के प्रयास की धाराएं बढ़ा दी। पुलिस टीम ने मुखबिर से मिली सूचना के बाद आरोपी दुर्गा कुशवाहा (27) निवासी होलीपुरा बैरसिया को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से वारदात में उपयोग किए गया चाकू और घटना के समय पहने कपड़े जब्त कर लिये हैं।

दुर्गा कुशवाहा, आरोपी

नर्सिंग छात्र को कार ने मारी टक्कर, मौत, दोस्त घायल

बैरागढ़ के चंचल चौराहे पर हुआ हादसा

कार हादसे में मृतक सुनील कुमार दीप, मर्चुरी के बारह बैठे परिजन।

कार लेकर चालक फरार, पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित चंचल चौराहे के पास शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार नर्सिंग छात्र की मौत हो गई। वह अपने दोस्त के साथ चाय पीकर नादरा बस स्टैंड से भैंसाखेड़ी खजूरी सडक लौट रहा था। हादसे के बाद आरोपी चालक कार लेकर मौके से भाग निकला। उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से बेगूसराय बिहार निवासी आकाश दीप पिता सुनील कुमार दीप (24) यहां ग्राम भैंसाखेड़ी में किराए के मकान में रहता था और निजी कॉलेज से नर्सिंग की पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब पौने एक बजे वह अपने दोस्त के साथ चाय पीकर नादरा बस स्टैंड से भैंसाखेड़ी की ओर लौट रहा था। इस बीच चंचल चौराहे के पास कट प्वाइंट से निकलते ही दूसरी दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने आकाश की मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारकर आरोपी चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। वहां से गुजर रहे लोगों ने एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को हमीदिया अस्पताल रवाना किया। वहां चेक करने के बाद डॉक्टर ने आकाश दीप को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसके दोस्त को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। बताया जा रहा है कि चंचल चौराहे पर चल रहे निर्माण कार्य के चलते हादसा होना बताया जा रहा है। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

त्यौहारों को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

अवैध शराब, यातायात व्यवस्था और साफ सफाई के साथ पेयजल आपूर्ति के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

रंगों के पावन पर्व होली को हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए प्रशासन ने मंडीदीप में शनिवार शाम 5 बजे शांति समिति की बैठक आयोजित की। बैठक में मुख्य रूप से नगर में अलग-अलग समुदाय के नागरिक उपस्थित रहे। एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई बैठक में त्यौहार के दौरान नगर की कानून व्यवस्था, साफ-सफाई और नागरिक सुविधाओं को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। नगर में अवैध शराब, यातायात व्यवस्था जैसे मुद्दों पर भी नागरिकों ने अधिकारियों और पुलिस के समक्ष अपनी राय रखी। नपा अध्यक्ष अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल ने त्यौहार पर पेयजल आपूर्ति और विशेष साफ-सफाई अभियान चलाने का आश्वासन दिया।

शांति समिति की बैठक लेते अधिकारी।

एसडीओपी शीला सुराणा ने सुरक्षा व्यवस्था का ड्राफ्ट नागरिकों को बताया। उन्होंने शांति के साथ होली खेलने को लेकर लोगों को समझाया और हुड़दंग करने वालों पर कड़ी नजर रखने को लेकर पुलिस को निर्देश दिए। मंडीदीप थाना प्रभारी रंजीत सराठे एवं सतलापुर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी ने लोगों से अपील की है कि वे शांति और आपसी सौहार्द्र बनाए रखें। बैठक में गणमान्य नागरिक, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि और पत्रकार उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने अपने सुझाव भी साझा किए।

फुटकर शराब दुकानों और समूहों के आवंटन के लिए भरना होगा ई-टेंडर

औबेदुल्लागंज। आबकारी विभाग के अधिकारी भद्र सेन एवं माजीद खान ने बताया कि 26 फरवरी को मध्यप्रदेश शासन की वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति के प्रावधानों के अनुरूप जिले की फुटकर कम्पोजिट मदिरा दुकानों, समूहों का निष्पादन (आवंटन) 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए किया जाना है। इसके लिए कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में गठित जिला निष्पादन समिति द्वारा ई-टेंडर भरा जाएगा। वर्ष 2026-27 के लिए ई-टेंडर द्वारा प्रथम चरण बैच-1 में शामिल मदिरा दुकान समूह मंडीदीप, औबेदुल्लागंज, रायसेन, खरबई, देहगांव तथा बेगमगंज का निष्पादन किया जाएगा।

दुकानें आवंटन के लिए ई-टेंडर का ऑनलाइन टेंडर प्रपत्र डाउनलोड एवं ऑफर सबमिट करने की तिथि 27 फरवरी सुबह 10 बजे से 2 मार्च दोपहर 2 बजे तक रहेगी। ई-टेंडर कम ऑक्शन प्रपत्र 2 मार्च को दोपहर 2.05 बजे खोले जाएंगे। ई-टेंडर कम ऑक्शन अंतर्गत ऑक्शन 2 मार्च को दोपहर 3.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक का समय निर्धारित है। ई-टेंडर खोलने की तिथि एवं समय संबंधित समूह का ऑक्शन समाप्त होने अथवा 2 मार्च को शाम 6 बजे, जो भी बाद में हो निर्धारित किया गया है।

होटल, ढाबों पर पुलिस की छापामार कार्रवाई

8 पेटी अवैध शराब जब्त, तीन लोगों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

नगर में शनिवार रात सतलापुर पुलिस और मंडीदीप पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की। इस कार्रवाई में मंडीदीप, सतलापुर, वर्धमान, राहुल नगर, हाईवे समेत कई जगहों पर छापामार कर अवैध शराब बेचने वालों पर कार्रवाई की। इस दौरान 8 पेटी अवैध शराब जब्त की और तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एसडीओपी शीला सुराणा ने बताया कि ये कार्रवाई रूटीन चैकिंग है। आगामी त्यौहार को देखते हुए सभी जगहों पर कार्रवाई की गई है, जिसमें देसी एवं मसाला शराब की 8 पेटी जब्त की है। इस मौके पर दोनों थाने के प्रभारी उपस्थित रहे।

स्व. भरत पटवा के निधन पर शोक सभा कल

औबेदुल्लागंज। भोजपुर मीडिया प्रभारी पंकज कोठारी, मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, पार्षद दीपू परमार, युवा नेता जीतू नंदवंशी, मनोज चौरसिया, पुरुषोत्तम शर्मा आदि ने बताया कि 2 मार्च सोमवार को शाम 4 बजे विधायक सुरेंद्र पटवा के निवास पर स्व. भरत पटवा के निधन पर शोक सभा रखी गई है। स्व. भरत पटवा पूर्व मुख्यमंत्री सुंदर लाल पटवा के भतीजे एवं विधायक सुरेंद्र पटवा के छोटे भाई थे। पूर्व मंत्री डॉ. प्रभु राम चौधरी, पूर्व मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह, जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा, सुरजीत सिंह गिल, वरिष्ठ नेता नरेंद्र शर्मा, कन्हैया नंदवंशी, डॉ. कैलाश विनय, सोनू चौकसे, नपा अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे, नपा उपाध्यक्ष नामिता बागिस अग्रवाल, रमेश गौर, नंदू शर्मा, पवनजोत सिंह, नरेश सेठी, कांता पटेल, वचन लोधी, आरती यादव, माया राय, सपना रैकवार, रेखा कपूर, प्रियंका गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार ऋषभ जैन, रवि राय, माखन सेन आदि ने दुख व्यक्त किया है।

खेड़ापति माता मंदिर हिरानिया में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का समापन

अंतिम दिन मंत्रोच्चारण के साथ पूजन कर यज्ञ में डाली पूर्ण आहूति, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लिया धर्म लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

खेड़ापति माता मंदिर हिरानिया में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का शनिवार को समापन हो गया। इस दौरान आचर्य द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ पूजन कर हवन किया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया और ब्राह्मणों को विदाई दी गई। ज्ञात हो कि खेड़ापति माता मंदिर परिसर में यज्ञाचार्य आशीष व्यास, कथावाचक पंडित राजेंद्र प्रसाद शास्त्री और खेड़ापति माता मंदिर के पुजारी रामबाबू दुबे ने कथा एवं नव देवी, हनुमंत लाल, शिव परिवार का प्राण प्रतिष्ठा कराई थी। सात दिनों तक चली श्रीमद् भागवत कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर कथा श्रवण कर पुण्य लाभ लिया।

पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र गुड्डू, पूर्व साडा अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा, भाजपा नेता नरेंद्र शर्मा, योगेश तिवारी कथावाचक राजेंद्र प्रसाद शास्त्री से आशीर्वाद लेते हुए। बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हुए।

शनिवार को पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र बबलू अग्रवाल, पूर्व साडा अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा, मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, नरेंद्र शर्मा, जेपी शर्मा, रामेश्वर नागर, कैलाश डब्बू नागर, कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष इमरत सिंह दरबार, किसान कांग्रेस अध्यक्ष सूरजमल गौर, पंकज शर्मा, डॉ. माखन नागर, उमेश नागर, बद्री प्रसाद नागर, रवि नागर, आरती यादव, रेखा कपूर, जेपी मिश्रा, योगेश तिवारी, बंटी तिवारी, वीरेंद्र नागर, दुर्गेश मेहरा, डॉ नंदू नागर, प्रियंका गुप्ता ने पूजा-अर्चना कर हवन किया गया।

संगीत, जयकारों और धार्मिक उत्साह का रहा वातावरण

कथा व्यास ने श्रीकृष्ण चरित्र, धर्म, भक्ति और सत्संग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जीवन में सदाचार अपनाने का संदेश दिया। कथा समापन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के गांवों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। भंडारे की व्यवस्था समिति एवं ग्रामवासियों के सहयोग से सुचारू रूप से संपन्न हुई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भक्ति संगीत, जयकारों और धार्मिक उत्साह का वातावरण बना रहा। आयोजकों ने कथा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

मंडीदीप में दो अलग-अलग जगहों पर लगी आग, नहीं हुई जनहानि

नपा के दमकल कर्मचारियों ने पाया आग पर काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

औद्योगिक नगर में गर्मी बढ़ने के साथ ही आगजनी की घटनाओं में इजाफा होने लगा है। शुक्रवार को नगर में दो अलग-अलग स्थानों पर आग लगने की घटनाएं सामने आईं। पहली घटना दोपहर में एमपी फॉरेस्ट कंपनी के पास कचरे के ढेर में हुई। सूचना मिलते ही नगरपालिका की दमकल कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

दूसरी घटना रात लगभग 10 बजे आयशर फैक्ट्री और श्मशान घाट के बीच पड़े कचरे के बड़े ढेर में लगी। कचरे का ढेर बड़ा होने के कारण आग तेजी से फैल गई, जिससे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर करीब एक घंटे बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया लिया। दोनों घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। नगरवासियों ने गर्मी के मौसम में कचरे के ढेरों की नियमित सफाई और सतर्कता बढ़ाने की मांग की है।

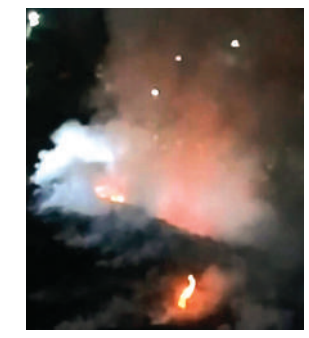

त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने आयुक्त कार्यालय परिसर में की बैठक

शांति, सौहार्द एवं भाईचारा के साथ मनाएं त्यौहार: पुलिस कमिश्नर

पुलिस कमिश्नर सभा को संबोधित करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आगामी त्यौहार होलिका दहन, धूलहेंडी, रंग पंचमी, रमजान, ईद-उल-फितर, चैत्र नवरात्र इत्यादि त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने आयुक्त कार्यालय परिसर में हिंदू उत्सव समिति, नगर रक्षा समिति, शांति समिति, गणमान्य नागरिकों तथा पीडब्ल्यूडी, एमपीईबी एवं नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में त्यौहारों के दौरान शहर में शांति, आमजनों की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु चर्चा की गई। त्यौहारों की तैयारियों, जुलूस मार्ग, बिजली इत्यादि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई साथ ही उपस्थित नागरिकों से सुझाव भी जाने गए। समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को समुचित दिशा निर्देश दिए गए। सभी त्यौहार शांतिपूर्ण सौहार्दपूर्वक एवं भाईचारे की भावना से मनाने का आग्रह किया।

हिंदू उत्सव समिति, नगर रक्षा समिति, गणमान्य नागरिक बैठक में शामिल हुए।

अफवाहों पर ध्यान नहीं देने व पुलिस को सूचना देने के लिए अपील

पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने होलिका दहन, धूलहेड़ी, चल समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस का सहयोग करने व किसी भी अफवाहों पर ध्यान नही देने व पुलिस को सूचना देने के लिए अपील की। साथ ही त्यौहारों के दौरान देर रात्रि तक थाना क्षेत्र में रहने, बलवा ड्रिल सामग्री साथ में रखने एवं अलर्ट रहते हुए सोशल मीडिया पर नजर रखने हुए निर्देश दिए गए। उक्त बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मोनिका शुक्ला एवं समस्त पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, नगर निगम, धर्मगुरु, गणमान्य नागरिक, नगर/ग्राम रक्षा समिति, शांति समिति के पदाधिकारी/सदस्य एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एमसीयू में लाइटिंग एंड सिनेमेटोग्राफी पर वर्कशॉप का आयोजन

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के चलचित्र विभाग एवं केनन द्वारा लाइटिंग एंड सिनेमेटोग्राफी विषय पर विद्यार्थियों के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में विषय विशेषज्ञ के रूप में कुलदीप डामोर उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को अपनी फिल्म बनाते समय किस प्रकार कैमरा प्लेसमेंट करना चाहिए, सीन के हिसाब से लेंस का चयन करना चाहिए और साथ ही उन्होंने तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से विद्यार्थियों को समझाया। कार्यशाला के अंत में प्रेक्टिकल करके बताया गया, जिससे विद्यार्थियों को बताई गई बातें स्पष्ट रूप से समझ में आई। दूसरे विषय विशेषज्ञ के रूप में विनीत व्यास ने डायरेक्शन के बारे में विद्यार्थियों को बताया। कैनन कंपनी से सुनील शर्मा, एरिया सेल्स मैनेजर एवं गौरव विश्वास, एसएसओ कार्यशाला में तकनीकी बारीकियों को समझाते हुए विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यशाला का संयोजन डॉ गजेंद्र सिंह अवास्या ने किया।

आज से कई स्कूलों में छुट्टी, त्योहार पर घर के लिए बड़ी संख्या में रवाना हुए नौकरीशुदा

ट्रेनों में बढ़ी यात्रियों की भीड़: स्लीपर बने जनरल, हड़ताल की खबर से ऐसे हालात

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

होली त्यौहार के चलते ट्रेनों में शनिवार को भारी भीड़ देखने को मिल रही है। भोपाल स्टेशन पर दिनभर ही अच्छी खासी भीड़ रही है। शाम के समय 5:00 के बाद तो स्टेशन पर पैर रखने तक के लिए जगह नहीं दिखाई दे रही थी। शाम को राज्यरानी एक्सप्रेस के समय ट्रेन में सवार होने को लेकर लोगों की आपा-धापी मच गई। कई लोग पटरी के पास खड़े होकर दूसरी साइट से बैठने की कोशिश करते नजर आए। सरकारी व प्राइवेट कार्यालयों के अधिकांश कर्मचारी शनिवार की वर्किंग करने के बाद घर पर त्योहार मनाने के लिए निकल गए। दरअसल शनिवार से कई स्कूलों में होली तक के लिए छुट्टी लग गई। तो कुछ स्कूलों में बोर्ड एग्जाम छोड़कर स्कूल स्तर की परीक्षाएं हो गई। इसके चलते दूसरे जिलों से यहां काम करने वाले लोग अपने घर त्योहार मनाने निकल गए। जिससे प्लेटफार्म व गाड़ियों में भीड़ बढ़ गई। इसके चलते भोपाल सहित कई स्टेशनों से जाने वाली ट्रेनें यात्रियों से फुल देखने को मिली।

रेलवे सूत्रों के अनुसार रोजाना करीब 75 से 85 हजार यात्री सफर करते है। लेकिन होली पर्व के चलते अन्य दिनों की अपेक्षा 90 हजार से एक लाख यात्री शनिवार को भोपाल स्टेशन पहुंचे। आने वाले एक-दो दिनों में यात्रियों की संख्या आम दिनों की अपेक्षा डेट गुना से अधिक हो सकती है। इसके चलते रेलवे की ओर से टिकट काउंटर पर अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई। तो वहीं रेलवे अधिकारियों द्वारा होली के मौके पर जहां कुछ रूटों पर स्पेशल ट्रेनें चलाई है।

रेलवे स्टेशन पर भीड़भाड़ का दृश्य।

बस हड़ताल के चलते अभी से लोग जाने लगे

होली से एक दिन पहले 2 मार्च से बस संचालक हड़ताल पर जा रहे हैं। इसके चलते लोग होली का पर्व मानाने के लिए अभी से घर जाने लगे हैं। इसके चलते बसों में भीड़ बढ़ गई। राजधानी के विभिन्न बस स्टैंड से रवाना होने वाले सभी बसें यात्रियों से खचाखच भरकर जा रही हैं। बस चालक क्षमता से अधिक सवारियों को बैठा रहे हैं। 50 सीटर बसों में 70 से 80 यात्रियों बैठा रहे हैं।

स्लीपर में जनरल कोच जैसी भीड़

होली के त्यौहार चलते ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ इस कदर उमड़ी रही है कि यात्रियों को खड़े होने तक की जगह नहीं मिल रही है। सामान्य दिनों में भीड़ का जो नजारा जनरल कोच में नजर आता था, वैसा ही नजारा स्लीपर कोच में देखने में आ रहा है।

सीट कंफर्म न होने से यात्री परेशान

घर जाने के लिए ट्रेन में महीनों पहले ई-टिकट करवाए थे, लेकिन बर्थ कंफर्म नहीं हो पाई। इसके चलते कई परेशान यात्री टीटीई को अधिक चार्ज देकर टिकट बनवाते नजर आए।

इन ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ देखने को मिली

भोपाल स्टेशन पर राज्यरानी, कुशीनगर एक्सप्रेस, दक्षिण एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों जैसे ही प्लेटफार्म पर यात्री उनमें सवार होने के लिए के दौड़ते देखे जा रहे थे। कई लोग तो रेलवे ट्रैक पार कर ट्रेन के अंदर जाने में मशक्कत करते नजर आए।

होली के अवसर पर रेलवे स्टेशनों पर आरपीएफ ने बढ़ाई सुरक्षा व्यवस्था, ड्रोन कैमरों से रखी जा रही निगरानी

आरपीएफ ने रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विशेष सुरक्षा प्रबंध किए हैं। यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ द्वारा सुरक्षा उपायों को लागू किया गया है। इसके तहत भोपाल सहित पमरे जोन के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त संख्या में रेलवे सुरक्षा बल के साथ साथ रेलवे सुरक्षा विशेष बल के जवान तैनात किए गए हैं।

ड्रोन कैमरों से निगरानी और तकनीकी उपाय

पीआरओ नवल अग्रवाल ने बताया कि सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तेज कर दी है। आरपीएफ द्वारा स्टेशनों के संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए डिजिटल निगरानी तंत्र को भी सक्रिय किया गया है।

संदिग्ध एवं नशीली वस्तुओं की जांच

स्टेशन परिसर में संदिग्ध सामान या वस्तुएं पाए जाने पर उनकी तुरंत और गहन जांच की जाएगी। आरपीएफ द्वारा ट्रेनों और स्टेशनों पर नशीली वस्तुओं के सेवन या शराब पीने जैसे विघटनकारी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

ई-बसों के संचालन से पहले नहीं सुधरी बस स्टॉप की हालत

राजधानी के 60 प्रतिशत से ज्यादा बस स्टॉप की हालत खराब, कहीं जंग लगा तो कहीं कुर्सियां गायब

खस्ताहाल बस स्टॉप।

बीसीएलएल का तर्क

- बस स्टॉप को दिया जा रहा है नया रूप
- आठ साल पहले बनाए गए थे शहरभर में 100 से ज्यादा बस स्टॉप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में भले ही नई ,ई-बसों के आने की तैयारियों के बीच पुराने बस स्टॉप को सुधारने का दावा किया जा रहा हो, लेकिन अब भी 60 प्रतिशत बस स्टॉप ऐसे हैं जो बदहाल हैं। कहीं कुर्सियां गायब हैं तो कहीं इनमें जंग लग रहा है और गंदगी से घिरे हैं जबकि बीसीएलएल का तर्क है कि नई बसों के आने के पूर्व सभी बस स्टॉप को व्यवसस्थित कर लिया जाएगां जहां कमियां हैं उन्हें दूर करेंगे। शहर के वल्लभ भवन के पास बस स्टॉप की कुर्सियां ही गायब हैं जबकि अयोध्या बायपास रोड पर बने चार बस स्टॉप भी जंग खा रहे हैं। कुर्सियां व लोहे के एंगल शरारती लोग उखाड़कर ले गए। करोंद, जहांगीराबाद, हमीदिया रोड, सदर मंजिल के पास बस स्टॉप भी बदहाली से ही घिरे हैं। बीसीएलएल ने एक माह पहले शहर के बीस से ज्यादा बस स्टाप की पुताई करवाई।

शीतला माता मंदिर व बड़वाले महादेव मंदिर में प्रदोष पर आयोजित होगा विदाई समारोह

होली मनाने आज मां भवानी गाजे बाजे के साथ पहुंचेंगी मायके

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

माता रानी की विदाई समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर राजधानी के बड़वाले महादेव मंदिर व शीलता माता मंदिर में विदाई समारोह का आयोजन होगा। बड़वाले महादेव मंदिर विदाई समारोह के बाद मां भवानी अपने मायके भवानी मंदिर सोमवारा पहुंचेंगी। श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति एवं ट्रस्ट के द्वारा मां पार्वती की विदाई के साथ संपन्न होगा।

मलयाली एसोसिएशन के 15वें वार्षिक समारोह का सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वार्षिक समारोह एवं सांस्कृतिक संध्या संपन्न।

ऑल इंडिया मलयाली एसोसिएशन (एआईएमए) मप्र चैप्टर द्वारा आयोजित 15वां वार्षिक समारोह एवं सांस्कृतिक संध्या "समन्वयम सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। एआईएमए मध्य प्रदेश चैप्टर के अध्यक्ष जॉली कुरियन ने स्वागत भाषण देते हुए संगठन की उपलब्धियों एवं एकजुटता पर प्रकाश डाला। सचिव पी. अनिल नायर ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्ष भर की गतिविधियों, सामाजिक कार्यों एवं सांस्कृतिक आयोजनों का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने संगठन की निरंतर प्रगति और सामुदायिक सहयोग के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एआईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोकुलम गोपालन ने कहा संगठन की राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका एवं मलयाली समाज की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के प्रयासों की सराहना की।

भोपाल हाट में होली के रंग आजीविका के संग मेले का आयोजन

1200 रुपए किलो घी के साथ आर्गेनिक तरीके से तैयार मावा की भरमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत भोपाल हाट में होली के रंग आजीविका के संग मेले का आयोजन किया जा रहा है, दो दिवसीय इस मेले में प्रदेश के कई जिलों से आए लोगों ने अपने अपने स्टॉल लगाए।

यह मेला मुख्य रुप से होली को ध्यान में रखकर लगाया गया।

मिलेट्स के शुगर फ्री लड्डु बनाते हैं: सुनीता

रीवा से आई सुनीता तिवारी ने बताया कि हम मिलेट्स के लड्डू बनाते हैं, जिसमें शुगर फ्री भी होते है। लड्डू बनाने के लिए बाजरा ज्वार मक्का के साथ देसी घी और ड्राई फ्रूट का इस्तेमाल किया जाता हैं, इस लड्डू को 3 महीने तक इस्तेमाल किया जा सकता है। होली को देखते हुए इस बार हमने गुझिया भी बनाई है।

मिथलेश ठाकुर

गाय के दूध से बनाते मावा: मिथलेश

लेटरी, सगड़ा से आई मिथलेश ठाकुर ने बताया कि हम घर की गाय के दूध से मावा तैयार करते हैं। इससे बनी गुझिया या सभी प्रकार की मिठाईयों बेहद स्वादिष्ट होती हैं। मावा को खरीदने के लिए दूर दराज से लोग आते है।

सीमा कुशवाहा

सुनीता तिवारी

देसी घी आर्गेनिक तरीके से करते हैं तैयार: सीमा

पिपरिया से आई सीमा कुशवाहा ने अपने स्टॉल पर गाय और भैंस के दूध से तैयार देसी घी लेकर आईं, उनहोंने बताया कि हम देसी घी पूरी तरह आर्गेनिक तरीके से तैयार करती हैं। इसकी डिमांड अब बहुत ज्यादा है। और इसकी कीमत 12 सौ रुपए प्रति किलो है।

ग्रामीण पर्यटन, वन्यजीव पर्यटन और विरासत पर्यटन का अनूठा अनुभव प्रदान कराते टूरिस्ट विलेज

पर्यटन से समृद्धि की ओर: खजुराहो क्षेत्र के गांव बनेंगे टूरिस्ट विलेज

छतरपुर का रनेह वाटरफॉल।

खजुराहो से लौटकर मधुरिमा राजपाल ⏭

गांवों के आस पास बसे प्राकृतिक परिवेश को रिनोवेट करके पर्यटक को आकर्षित कराने का प्रयास मप्र पर्यटन विभाग द्वारा हमेशा से ही कराया जाता रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा पर्यटक इन टूरिस्ट विलेजमें बने होम स्टे में ठहरें, जिससे गांवों वालों की आजीविका में सुधार हो और मप्र पर्यटन का विस्तार। मप्र पर्यटन विभाग के प्रयासों के परिणामस्वरुप ही मप्र के तीन गांव सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम की श्रेणी में आ चुके हैं, प्राणपुर(पहला क्राफ्ट हैंडलूम टूरिज्म विलेज), साबरवानी (समृद्ध गोंड जनजातीय संस्कृति) और लाड़पुरा(रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन)। इसी को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग प्रदेश के गांवों के विकास के लिए हमेशा तत्पर नजर आया और परिणामस्वरुप यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट खजुराहो मंदिर के आस-पास के गांवों को पर्यटन विलेज बनाने का सफल प्रयास विभाग द्वारा किया जा रहा है।

छतरपुर के निकट मदला गांव।

खजुराहो के प्राकृतिक सौंदर्य से परिचित कराने कई गांवों को दिया टयूरिज्ट विलेज का रुप

जहां खजुराहो के आस पास प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण अनेकों स्थल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं तो इन पर्यटकों को होम स्टे का अनुभव या गांव के सौंदर्य, वहां के रहन सहन का अनुभव दिलाने पर्यटन विभाग द्वारा टयूरिज्म विलेज बनाए जा रहे हैं। खासकर छतरपुर जिले के धामना, बसाटा, मदला, चितरई गांव स्थित दतला पहाड़ सहित अनेक स्थानों पर मप्र पर्यटन विभाग विकास कार्यों पर जोर दे रहा है।

धामना और बसाटा, ताकि खजुराहो के पास रहकर ग्रामीण जीवन का अनुभव करें पर्यटक

विश्व धरोहर स्थल खजुराहो से लगभग 20 किलोमीटर दूर बुंदेलखंडी ग्रामीण जीवन का एक प्रामाणिक अनुभव प्रदान करता धामना और बसाटा गांव में केन नदी के मनोरम दृश्य, स्थानीय कृषि जीवन और केन घड़ियाल अभयारण्य और पन्ना राष्ट्रीय उद्यान जैसे आकर्षणों की निकटता शामिल है। इस गांवों में पर्यटक सांस्कृतिक और ग्रामीण अनुभव प्राप्त कर सकते हैं, पर्यटकों को पारंपरिक ग्रामीण जीवन का अनुभव कराने के लिए कृषि भूमि, गाय का दूध निकालना और ट्रैक्टर या बैलगाड़ी की सवारी शामिल है।

धामना में मंगोड़ी, कैथा की चटनी और थड़ूला का लें आनंद

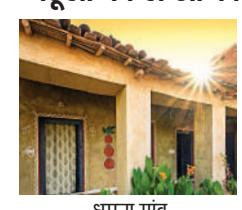
धमना गांव

धामना अपने लजीज पकवानों के लिए जाना जाता है, जिनमें मंगोड़ी, कैथा की चटनी और थड़ूला शामिल हैं। क्षेत्र के पारंपरिक नृत्य रूप जैसे मोनिया, कार्तिक पर्व, भजन मंडली, फाग और स्थानीय हस्तशिल्प यहां की जीवंत सांस्कृतिक विरासत को दशार्ते हैं। गांव में धौरई धाम हनुमान मंदिर, तोरिया हिल और ऐतिहासिक राजगढ़ महल जैसे दर्शनीय स्थल टूरिस्ट को हमेशा आकर्षित करते है। इस गांव में पर्यटक अतिथि सूर्योदय, कृषि क्षेत्र, झील में कृषि और केन नदी के ताजगी भरे दृश्य का आनंद ले सकते हैं। आने वाले समय में छतरपुर जिले को पर्यटन के क्षेत्र में एक नई और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। राजनगर तहसील के अंतर्गत चितरई गांव स्थित दतला पहाड़ को मध्य प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर के मल्टी-टूरिज्म और वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा।

टयूरिज्म विलेज की खासियत

अपर प्रबंध संचालक एमपी टूरिज्म बोर्ड डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने बताया कि पर्यटन विभाग का प्लान 300 से ज्यादा होम स्टे बनाने का है। क्योंकि

डॉ. अभय अरविंद बेडेकर

हमारे देश में पर्यटन के अनेक स्थान है लेकिन पर्यटकों की लॉजिंग काफी एक्सपेंसिव है, जिसे दूर करने के लिए होम स्टे को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गांवों में बने इन होम स्टे में पारंपरिक कला में सिलाई और स्थानीय स्मृति चिन्हों के निर्माण पर विशेष जोर दिया जाता है। पर्यटकों को स्थानीय समुदाय का अनुभव कराने के लिए होमस्टे में पारंपरिक खेल खेले जाते हैं।

पारंपरिक परिधान संग एक्सीलेंस के 'तरंग' व एमएलबी के 'अनन्या' का भव्य समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव अनन्या के तीसरे दिन पारंपरिक वेशभूषा का आयोजन किया गया। जिसमें 74 छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भगवानदास सबनानी- विधायक दक्षिण पश्चिम का आगमन हुआ। मुख्य अतिथि सबनानी के आतिथ्य में पुरस्कारों का वितरण हुआ। पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता में लगभग 74 छात्राओं ने भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा में काली माई स्वरूप को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ वहीं द्वितीय स्थान पर रानी लक्ष्मीबाई का स्वरूप पुरस्कृत हुआ और इस प्रतियोगिता में किसी ने काली माई का रूप धरा तो किसी ने मां दुर्गा और लक्ष्मी बाई के रुप में प्रस्तुति दी। एमएलबी कॉलेज के अनन्या में काली स्वरुप को प्रथम पुरस्कार मिला तो वहीं द्वितीय स्थान पर रानी लक्ष्मीबाई का स्वरुप रहा।

सामाजिक जागरुकता, सांस्कृतिक विरासत और रचनात्मकता का दिखा सुंदर समन्वय

'धरोहरः कला और अभिव्यक्ति' थीम पर सजी धजी छात्राओं ने जब रैंप पर वॉक की तो पूरा माहौल देश की सांस्कृतिक धरोहरों से सजा धजा नजर आया, कहीं बाजीराव मस्तानी के रूप में छात्रा ने मंच पर प्रवेश किया तो किसी ने पद्मावती के लुक से दर्शकों का दिल जीत लिया। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई) के वार्षिकोत्सव तरंग के समापन अवसर पर कला और अभिव्यक्ति की अमूल धरोहर नजर आई। तरंग के अंतर्गत 'धरोहर : कला और अभिव्यक्ति' थीम पर आयोजित पारंपरिक वेशभूषा में विविध भारतीय परिधान पहन कर उत्साहपूर्वक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन परिधानों से भारत की विविधता की एकता का संदेश दिया। साथ ही उनकी पौशाक और बोले गए डॉयलाग्स में सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक विरासत और रचनात्मकता का सुंदर समन्वय देखने को मिला। इसके साथ ही कार्यक्रम में समूह नृत्य प्रतियोगिता नृत्य झंकार की प्रस्तुति भी खास रही, जिसमें प्रथम स्थान अन्वी पांडे के रेडिएंट नृत्य समूह को और द्वितीय स्थान धारवी कुशवाहा के आदि शक्ति नृत्य समूह को मिला।

ये रहे खास

मिस्टर ईव- अंशुल तो नूरिया बनी मिस ईव
सर्वश्रेष्ठ परिधान- (बॉय) - ऋतिक सत्या (शिवाजी महाराज की पोशाक)
सर्वश्रेष्ठ परिधान- (गर्ल्स)- रोशनी कुशवाहा (मणिपुरी वस्त्र)
तो वहीं मिस्टर ईव- अंशुल के तिवारी (कृष्ण के स्वरुप के प्रस्तुतिकरण हेतु)
मिस ईव- नूरिया सिद्धिकी (भोपाल की बेगम के रूप प्रस्तुतिकरण हेतु)

विज्ञान दिवस पर खास मैपकास्ट का रवींद्र भवन में सम्मान समारोह व वैज्ञानिक व्याख्यान के साथ लाइव शो

टीचर्स के हाथों में लगाई आग तो बच्चों के हाथ को काटकर निकाला खून

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

टीचर्स के हाथों में केमिकल लगाकर और इस पर फायर स्प्रे करते ही भभकती हुई निकलती आग को देखकर हॉल में बैठे सभी दर्शक हतप्रद रह गए तो वहीं आठ छात्रों को मंच पर बुलाकर उनके हाथों पर केमिकल लगाकर फिर उस हिस्से को चाकू से काटा गया तो खून की धार बह निकली, यही नहीं नाइट्रोजन से भरे ड्रम में गर्म खोलता हुआ पानी डालते ही रूम का टेम्प्रेचर माइनस में चला गया और चारों ओर धुंआ उठने लगा... यह नजारा देखने को मिला शनिवार को रवींद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में देश की महिला वैज्ञानिक का व्याख्यान हुआ तो वहीं 41 युवा वैज्ञानिकों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर आई आई टी, बीएचयू वाराणसी से आये विशेषज्ञ मनोहर कुमार और उनकी टीम ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित विषय पर आधारित लाइव शो किया, जिसके अंतर्गत विज्ञान आधारित प्रयोगों ने दर्शकों को खूब मनोरंजन किया।

इसके बाद, प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह, निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल भोपाल ने विशेष रूप से भोपाल में होने वाली नई वैज्ञानिक पहल और तकनीकी विकास के विषय में चर्चा की। कार्यक्रम का समापन डॉ. विकास शेंदे, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, विज्ञान प्रसार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

41 युवा वैज्ञानिकों को किया पुरस्कृत

इस अवसर पर 41 युवा वैज्ञानिकों को डॉ अनिल कोठारी, निदेशक मैपकास्ट द्वारा 41 प्रतिभागियों को उनकी उत्कृष्ट वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार विज्ञान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिया गया।

टीचर्स के हाथों में केमिकल लगाकर जलाई आग, लोगों को बाताया विज्ञान का चमत्कार।

दिल्ली विवि की प्रो. साइंटिस्ट डॉ. मोनिका कौल ने बातचीत में कहा

मसटर्ड या सरसों के जेनेटिकली मोडिफिकेशन से उनमें वांछनीय गुण उत्पन्न होने के साथ कीटों से बचाव होगा

दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. मोनिका कौल (प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग) ने आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलों के बारे में हरिभूमि से चर्चा करते हुए कहा कि जेनेटिकली मोडिफाइड क्रॉप्स को अमूमन ज्यादातर देशों में अपना लिया है। लेकिन भारत में इसको लेकर लोगों में तरह तरह की भ्रांतियां हैं, जबकि हमारे देश में फसल मानसून पर निर्भर है और कीट नाशकों के प्रभाव से फसल खराब हो जाती है, लेकिन जब हम कोई फसल को आनुवंशिक रूप से संशोधित करते हैं तो उसके खराब होने या सड़ने के चांसेस बहुत कम हो जाते हैं और इसी को आधार बनाकर हम लोगों ने मस्टर्ड या सरसों के ऊपर रिसर्च की और उसका जीएम या जेनेटिकली मोडिफाइड रूप तैयार किया, लेकिन इसको लेकर कई तरह की भ्रांतियां फेलाई गई, जबकि मस्टर्ड का प्रयोग केवल तेल या मसालों में ही नहीं, बल्कि उसके वेस्ट पार्ट का प्रयोग केटल फूड में भी होता है।

हरिभूमि चर्चा

गंवार फली से निकलने वाला चिपचिपा पदार्थ नहीं होता टॉक्सिक

डॉ मोनिका ने कहा कि हमनें गंवार फली पर रिसर्च प्रस्तुत की थी, जिसमें ऐसा माना जाता था कि गंवार फली से निकलने वाला चिपचिपा पदार्थ टॉक्सिक होता है, और इसके लिए हमने तीन साल की रिसर्च की और कई थीसेस सब्मिट की, जिससे निषकर्ष निकला कि गंवार फली पूरी तरह से स्वास्थ्य वर्धक है, इसमें किसी प्रकार का टॉक्सिक नहीं है।

क्या है जीएम या जेनेटिकली मोडिफाइड क्रॉप्स

मोनिका ने कहा कि यह ऐसे पौधे हैं जिनके डीएनए को आनुवंशिक इंजीनियरिंग के माध्यम से परिवर्तित किया जाता है, एग्रोबैक्टीरियम या जीन गन जैसी तकनीकों का उपयोग करके ताकि उनमें वांछनीय गुण उत्पन्न हो सकें। सामान्य संशोधनों में कीटों से बचाव भी शामिल है।

24वें जी सिने अवॉर्ड्स-2026 में मिथुन और पलक मुच्छल देंगे धर्मेंद्र को खास श्रद्धांजलि

भारतीय सिनेमा का मनाया जाएगा जश्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मारुति सुजुकी प्रस्तुत 24वें जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में भारतीय सिनेमा का जश्न एक बार फिर भव्य अंदाज में मनाया जाएगा। यह खास शाम टैलेंट, जज्बात और सितारों और उनके फैंस के बीच के मजबूत रिश्ते को समर्पित होगी। इस मौके पर संगीत की गूंज के बीच, महान एक्टर धर्मेंद्र को एक खास श्रद्धांजलि दी जाएगी।

मशहूर म्यूजिक कंपोजर मिथुन और सिंगर पलक मुच्छल अपने सुरों से उनके शानदार सफर और सिनेमा पर उनके गहरे असर को मंच पर जिंदा करेंगे। दर्शक भी इस भव्य शाम को लाइव देखने के लिए टिकट बुक कर सकते हैं और इस खास जश्न का हिस्सा बन सकते हैं। यह प्रस्तुति भारतीय सिनेमा के उन छह दशकों को सलाम करेगी, जिन्होंने दर्शकों के दिलों को छुआ, एक दौर को पहचान दी।

धर्मेंद्र सिर्फ एक स्टार नहीं थे, वो सिनेमा की पहचान थे, जिनमें गर्मजोशी, हिम्मत, अपनापन और सच्चाई साफ नजर आती थी। उनकी पहचान एक ऐसे इंसान की रही, जो दिल से बेहद नेक और उदार थे। साल 2005 में जी सिने अवॉर्ड्स में धर्मेंद्र को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इस खास श्रद्धांजलि से पहले, मुंबई में जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिथुन ने इस प्रस्तुति को लेकर अपनी भावनाएं साझा कीं और बताया कि वो मंच पर क्या खास लेकर आने वाले हैं। 24वें जी सिने अवॉर्ड्स 2026 का यह शानदार जश्न 28 फरवरी और 1 मार्च को मुंबई के एनएससीआई डोम में होगा। इस शाम में शानदार परफॉर्मेंस, सितारों की मौजूदगी और कई यादगार पल देखने को मिलेंगे।

इस अवसर पर सम्मानित हुए कुछ युवा वैज्ञानिकों से हरिभूमि ने की चर्चा

नाम- इंदु रानी
संस्थान- मैनिट मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,भोपाल
विषय- गणितीय विज्ञान

प्रयोग- बॉन्ड और ऑप्शन प्राइसिंग के लिए शॉर्ट-रेट मॉडल में पैराबोलिक पीडीई के लिए भौतिकी-निर्देशित आवर्ती शिक्षण, इंदु रानी ने डीप लर्निंग के जरिए पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशन मैथमेटिक्स की सॉल्व की, जिसमें मैथ्स और एआई दोनों का प्रयोग किया गया, तीन साल की कंप्लीट प्रैक्टिस के बाद उन्होंने इसे सबमिट किया।

नाम- श्रुति सिंह
संस्थान- सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय, सतना
विषय- चिकित्सा विज्ञान, आयुष सहित

प्रयोग- दवा-रहित रोगियों में तंत्रिका संबंधी सूक्ष्म लक्षण, स्किजोफ्रेनिया : एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

नाम- शिवांगी बिदोलिया
संस्थान- राजा रामन्ना उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र इंदौर
विषय- भौतिक विज्ञान

प्रयोग- उच्च तीव्रता वाले लेजर-प्लाज्मा द्वारा संचालित प्रोटॉन त्वरण, इसका परिवहन और अनुप्रयोग। शिवांगी ने कैंसर थेरेपी और प्रोटोन थेरेपी के ऊपर रिसर्च की, जिसमें उन्होंने लेजर किरणों के जरिए कैंसर से बचाव का तरीका खोजा। इसके लिए उन्होंने सेल सैंपल पर रिचर्स की और अब एनिमल मॉडल के ऊपर भी इसको एप्लीकेबल करेंगी।

नाम- दीपिका जंगम
संस्थान- आईसीएफआरई - उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर
विषय- पृथ्वी और वायुमंडलीय

प्रयोग- मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व में भूगर्भीय बायोमास और कार्बन भंडार का अनुमान और रैंडम फॉरेस्ट मॉडलिंग का उपयोग करके लगाया गया। दीपिका ने रिमोट सेंसिंग के जरिए बायोमास ऐस्टीमेशन पर काम किया और इसके लिए उन्होंने कान्हा नेशनल पार्क का चयन करके उसके कुछ हिस्से पर रिमोट सेंसिंग के जरिए बायोमास का पता लगाया।

भोपाल में लॉन्च हुआ मिसेज इंडिया बियॉन्ड बॉर्डर्स 2026 का पोस्टर

भोपाल। शुक्रवार को मोटल शिराज में द पेजेंट इंडिया कंपनी की एमपी चैप्टर हेड फराह अनवर ने मिसेज इंडिया बियॉन्ड बॉर्डर्स 2026 के पोस्टर लॉन्च के दौरान न सिर्फ आगामी आयोजन की घोषणा की, साथ ही महिलाओं के आत्मविश्वास, पहचान और संभावनाओं पर भी चर्चा की। फराह अनवर ने बताया कि मिसेज इंडिया बियॉन्ड बॉर्डर्स 2026 का आयोजन इस वर्ष जुलाई में थाईलैंड में किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित पेजेंट में मप्र सहित देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों से 50 प्रतिभागी हिस्सा लेंगी।

चूनर जा भीगी रंग-रंग में, रंग डारौ न लाला सेजरिया में...

सकलपर्णा समूह ने किया फाग उत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सकलपर्णा समूह द्वारा शनिवार को फाग उत्सव का आयोजन किया, इस उत्सव में जहां महिलाओं ने खूम रंग गुलाल खेला तो वहीं होरी गीतों से भी इस संध्या ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस अवसर पर सकलपर्णा की अध्यक्ष अनीता सक्सेना ने बताया कि सकलपर्णा का उद्देश्य भारतीय संस्कृति को समृद्ध करना और सहेजना है।

होली मिलन में पारंपरिक फाग, होरी रसिया गीत और अवध, ब्रज, वृंदावन के लोकगीत गाए। जहां अबीर लगाकर सभी का स्वागत किया, वहीं फूलों से खेली। इस अवसर पर चूनर जा भीगी रंग रंग में, रंग डारौ न लाला सेजरिया में..., मैं तो आई पिया की चोरी, श्याम खेलो न मोसे होरी..., होरी खेलन आयो श्याम, आज जाय रंग में बोरो री, नटवर नटवर नंदलाला, आज बिरज में होरी रे रसिया आदि गीत गाया।

अर्घ्य प्रेक्षा गृह में नदी यात्रा और भक्ति-संगीत ने किया मंत्रमुग्ध

आध्यात्मिक जीवन को दर्शाती प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अर्घ्य कला समिति द्वारा अर्घ्य प्रेक्षा गृह में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में साहित्य, संगीत और नृत्य के अद्भुत संगम ने उपस्थित रसिकजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दो प्रस्तुतियां नदी यात्रा (बैले-नाट्य) और भक्ति-संगीत की संध्या ने दर्शकों के हृदय में कला के प्रति गहरी अनुभूति और आस्था का संचार किया। नदी यात्रा में जल, जीवन और संस्कृति का भाव-दर्शन देखने को मिला तो वहीं भक्ति-संध्या में संत-कवियों की अमर रचनाओं को पारंपरिक स्वर-लय में जीवंत किया गया।

गंगा का मातृ-स्वरूप साकार करती नदी यात्रा

नदी यात्रा में भारतीय नदियों के उद्गम से लेकर उनके सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक जीवन में व्याप्त महत्व को रेखांकित किया गया। इस नाट्य-रूपांतरण में हिंदी साहित्य के अमर कवियों की रचनाओं को जीवंत कर दर्शकों को एक भाव-यात्रा पर ले जाया गया। जब मैथिलीशरण गुप्त की कविता गंगा से ये पंक्तियां गूंजीं मुझे हाथ धोने का अवसर दे तू बहती गंगा! तो मानो मंच पर गंगा का मातृ-स्वरूप साकार हो उठा।

रंग विदूषक नाट्य समारोह में नाटक दूसरो न कोई... की दी प्रस्तुति

रंग श्री लिटिल बेले में मंचित किया नाटक

'दूसरो ना कोई' पर सजी भावपूर्ण नृत्य-नाटिका, भक्ति रस में डूबे दर्शक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

संत कवयित्री मीराबाई की अमर रचना दूसरो ना कोई पर आधारित नृत्य-नाटिका ने मंच पर भक्ति, समर्पण और प्रेम की अनूठी अनुभूति साकार कर दी। भावपूर्ण अभिनय, सधे हुए भाव-भंगिमाओं और मधुर संगीत के साथ कलाकारों ने मीरा के कृष्ण-प्रेम की गहराई को जीवंत कर दिया, जिससे सभागार तालियों से गूंजता रहा। मीरा बाई के जीवन पर आधारित यह नाटक दूसरो न कोई... लगभग सात वर्ष पूर्व बंसी दादा ने अंतर्मन में देखा और महसूस किया था। उनकी यही कल्पना साकार होती नजर आई रंग श्री लिटिल बेले में आयोजित रंग विदूषक नाट्य समारोह के पहले दिन, इसका लेखन अंजना पूरी ने किया।

रंग श्री लिटिल बेले में नाटक 'दूसरो न कोई' का मंचन करते कलाकार।

25 दिवसीय कार्यशाला में हुआ तैयार

25 दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने न केवल रंग विदूषक की शैली को आत्मसात किया, बल्कि रंगमंचीय दृष्टिकोण को भी गहराई से समझने और अभ्यास में लाने का प्रयास किया।

मीरा की भक्ति और उनके विद्रोही स्वरूप को दर्शाया

मीरा के जीवन, उनकी भक्ति और उनके विद्रोही स्वरूप को रंगमंच के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाने का एक संवेदनशील प्रयास के रूप में इस नाटक में इस प्रस्तुति में मीरा बाई के पदों को संगीतबद्ध किया गया है, जिनमें राजस्थान के पारंपरिक गीत, संगीत और नृत्य की सजीव झलक मिलती है। सम्पूर्ण नाट्य संरचना दृश्यबंधों और अभिनेता की शारीरिक अभिव्यक्ति के माध्यम से रची गई है, जिसमें सामूहिकता की विशिष्ट भूमिका रही है।

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

रंगोत्सव विशेष

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित

भोपाल

रविवार, 1 मार्च 2026

P-12

इंद्रधनुषी रंगों से रंग जाए जीवन

वासंती बयारों के बीच जब नवकोंपल, नवपुष्पों के मोहक वर्णों और सुगंध से प्रकृति सुशोभित-सुवासित हो रही होती है, ऐसे ही अवसर पर इंद्रधनुषी रंग-भाव लिए आता है, होली का त्योहार। उसके आगमन की आहट से रोम-रोम पुलकित हो उठता है। उल्लास-उमंग को संग लिए रंगोत्सव हमें जीवन के हर रंग को आत्मसात करने का भी संदेश देता है।

आवरण कथा

सरस्वती रमेश

प्रकृति जब धरती पर ऋतु परिवर्तन का विविधवर्णी उत्सव मनाती है। पलाश, गेंदा, गुलाब, गुलमोहर जैसे फूलों और खेतों में दूर तक फैली पीली सरसों से अपना श्रंगार करती है, इसी अवसर पर रंगपर्व होली के बहाने हम सब भी प्रकृति के इस उत्सव में शामिल हो जाते हैं। ऋतु की मादकता से अपने भीतर उपजे आह्लाद को ठिठोली, राग, रंग और अल्हड़पन के माध्यम से व्यक्त करते हैं। यह ऋतु ऐसी मदमस्त होती है कि धूप की हल्की हंसी जैसी किरणें भी धरती पर किसी सुनहरी पिचकारी-सी लगती हैं। शीतल बयार का जादू प्रकृति के कण-कण में छाने लगता है। क्या इंसान और क्या पशु-पक्षी, सब प्रकृति के सम्मोहन में बंध जाते हैं। हृदय में उल्लास के कपाट खुल जाते हैं। मन में फाग के राग बजने लगते हैं। पांव ढोलक, मृदंग की थाप पर खुद-ब-खुद थिरकने लगते हैं। इस ऋतु के प्रभाव को कवि दिनेश शुक्ल की ये पंक्तियां प्रभावी तरीके से व्यक्त करती हैं-

पृथ्वी, मौसम, वनस्पति, भंवरे, तितली, धूप
सब पर जादू कर गई, ये फागुन की धूल।

विविध रंगों से सजता है जीवनः होली तो रंगों की उमंग से उत्साहित होने का त्योहार है। उत्सव के रंग में रंग जाने का समय। लेकिन ये रंग महज बाहरी रंग नहीं होते, जीवन जीने का फलसफा भी सिखाते हैं। हमारा जीवन विविध भावों वाले रंगों से ही तो मिलकर बना हुआ है। कहीं दुःख का धूसर रंग है तो कहीं आनंद का चटख रंग। कहीं वियोग के पनीले रंग हैं तो कहीं प्रेम और मिलन के सुर्ख रंग। लाभ, हानि, संकट, समाधान, रोग, निरोग, शोक, अशोक, सफलता, असफलता सब जीवन के विविध रंग ही हैं। इन्हीं विविधताओं से ही इंद्रधनुषी बनता है जीवन हमारा।

जरा कल्पना करके देखिए यदि इस धरती पर केवल एक ही रंग होता। अंधकार का स्याह रंग या रोशनी का चमकीला रंग। तब एकरसता हमारे जीवन, हमारी दिनचर्या को कितना बोझिल बना देती। यदि हमारी जिंदगी में भी सिर्फ कोई एक ही रंग होता। सिर्फ सुख का चटख रंग या दुःख ही दुःख तो हम सुख-दुःख के रंगों को विलग कर उनके भावों को किस प्रकार समझ पाते? दुःख के स्याह रंग नहीं होते तो सुख के दिनों की पहचान करना भी मुश्किल होता। दुःख के रंग से ही सुख के रंग और निखरते हैं। दुःख हमें सुख की महत्ता को समझाने, उसे अपनी झोली में सहेजने की सीख लेकर आता है। यह विरोधाभास ही एक सार्थक, अनुभव संपन्न जीवन का बेहतरीन उदाहरण है। जीवन में हर भाव, हर रंग का संतुलन साधना आवश्यक है। किसी एक रंग से न तो जीवन बन सकता है और न जीवन में संपूर्णता का आनंद मिल सकता है। जीवन रंगों के इस संतुलन को साधने का नाम है। आशा, उम्मीद, सकारात्मकता, करुणा, प्रेम, उदारता जैसे रंगों की अधिकता हमारे जीवन के एक वृहद हिस्से को उत्सव में तब्दील कर देती है। सिर्फ हमारे जीवन को ही नहीं, हमारे आस-पास रहने वाले लोगों के जीवन में भी खुशी और उल्लास के रंग बिखेरती है।

समझें रंगों का संदेशः हर रंग में गहरे सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक अर्थ निहित होते हैं। ये रंग जीवन की अलग-अलग स्थितियों का आईना होते हैं। इस आईने में हम हर रोज खुद को देखते हैं। अलग-अलग भावों को महसूस करते हैं। जैसे प्रकृति में इंद्रधनुष सात रंगों से सजा होता है,

वैसे ही हमारा जीवन भी विभिन्न रंगों का मिश्रण होता है। वास्तव में विभिन्न रंग, हमारे मन की गहराइयों को प्रतिबिंबित करते हैं। जीवन को जितने खुले मन से विभिन्न रंगों में देखेंगे, उतना ही वह रंगीन और अर्थपूर्ण लगेगा। रंग हमें सिखाते हैं कि हर स्थिति स्थायी नहीं होती। जैसे इंद्रधनुष बारिश के बाद निकलता है, वैसे ही दुःख के बाद सुख, क्रोध के बाद शांति, हानि के बाद नई शुरुआत होती है। रंग हमें याद दिलाते हैं कि जीवन को एक रंग में बांधना असंभव है। रंग हमें हंसना सिखाते हैं। प्रेम में पड़ना सिखाते हैं। जीवन की विसंगतियों से लड़ना भी सिखाते हैं। रंगों के जरिए हम अपने भावों, अनुभवों और विचारों को व्यक्त करते हैं। जरूरत बस इतनी है कि हम रंगों के भावार्थ को अपने जीवन में ठीक से उतारें। होली के रंग भी यही संदेश लेकर आते हैं। जीवन आपसी मेलजोल और खुशियों के रंगों का मेला है। इस मेले में से हमें रंग चुनकर अपने जीवन को रंगीन बनाना है। अपने आस-पास की उदासियों को विदा करना है। आज की भागम-भाग भरी जिंदगी में रंग हमें थोड़ा ठहरने और आत्म मंथन करने की आवश्यकता को बताते हैं। जीवन में रंगों का उल्लास उतारने के लिए थोड़ा ठहरना, हर रंग की तासीर को समझना जरूरी है।

रंगों में निहित सामाजिकताः इस रंग पर्व की बेला में हम सब रंगों में निहित सामाजिकता को भी आत्मसात करें, उसे भी प्रत्यक्ष रूप से प्रकट करें। खुशियों की सौगात लेकर आने वाली होली में अपनों को गले लगाएं। जैसे शीत से रूठी प्रकृति को वसंत अपने माधुर्य से मनाता है। पत्ते-पत्ते, कली-कली और पुष्प-पुष्प को अपनी वासंती बयार से गुदगुदाता है। आम्र मंजरियों को अपनी ऊष्मा से महमहाता है, ठीक वैसे ही हम अपने रूठे प्रियजनों को अपने प्रेम, अपनापे की ऊष्मा से मनाएं। एकांत के उदास रंगों में डूबे अपने पड़ोसियों, भाई-बंधुओं से मिलकर उनके जीवन को होली के रंगों से स्पंदित करें। होली तो अजनबियों और शत्रु को भी गले लगाने का संदेश लेकर आती है ताकि हमारे बीच सामूहिकता की भावना जिंदा रहे, ताकि हम एक-दूसरे के साथ के महत्व को समझें और कोमल संवेदनाओं को धारण कर सकें। हमारे बीच सामाजिकता बनी रहे और हम अवसाद, एकाकीपन के दुष्प्रभावों से दूर रह सकें।

रंग वाली होली से एक रात पूर्व, होलिका जलाते हैं। जलती होलिका तो एक प्रतीक मात्र है। असली होलिका तो तब जलेगी जब अपनी चारित्रिक कमजोरियों, असहजताओं, मन की कुंठाओं को भी दहन कर दिया जाए। मन से ईर्ष्या, वैर के बदरंगों की निकासी की जाए और प्रेम के रंग से सराबोर हुआ जाए। तभी तो समाज को विभाजित करने वाली शक्तियों का विध्वंस होगा। ऊंच-नीच की भावना, अमीर-गरीब का अंतर, जाति-धर्म का विभेद सबकी होली जलेगी। यदि होली के रंग में हमारा मन सच्चे अर्थों में रंग जाए तो मन से सारे दूषित विचार निकल जाएंगे। हमारा शरीर नए मनोभाव को धारण कर एकदम तरोताजा महसूस करेगा। भाईचारे के रंग में भीगा मन, बड़ों के लिए सम्मान और छोटों के लिए दुलार से भरा मन, रिश्तों के प्रति आत्मीयता से भरा रंग। तभी होली मनाना सार्थक होगा। कवि हरिवंशराय बच्चन के शब्दों में-

होली है तो आज अपरिचित से परिचय कर लो
होली है तो आज मित्र को पलकों में धर लो
भूल-शूल से भरे वर्ष के वैर, विरोधों को
होली है तो आज शत्रु को बाहों में भर लो। *

दोहे

श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में सब हो लिए, तन-मन से रंगीन।
गोपी नाचे झूम कर, ग्वाल बजाए बीन।।
पिचकारी से छूटती, रंगों की रसधार।
प्रेम रंग में डूबकर, करें नेह संचार।।
तरह-तरह के रंग से, भरकर पूरा थाल।
छुई-मुई गोरी हुई, हुए गुलाबी गाल।।
रंग अबीर गुलाल को, लेकर चले गुपाल।
गाएं, बछड़े, कुंज तरु, ग्वाल-बाल सब लाल।।
अंग-अंग थिरकन लगे, बजते ढोल मृदंग।
उठती गिरती ताल पर, फड़क रहे हैं अंग।।
राग-रंग के पर्व पर, छाया है अनुराग।
नाच रही हैं गोपियां, ग्वाले गाएं फाग।।
राधा जी हैं छोड़ती, पिचकारी से धार।
नैन श्याम से मिल गए, धार हुई बेकार।।

रंग, उमंग, तरंग के संग मस्ती भरा धमाल मचाने का संदेश लेकर आता है, होली का पर्व। यही वजह है कि खासतौर पर युवाओं का यह सबसे पसंदीदा त्योहार माना जाता है। होली से युवाओं के जुड़ाव और इसे मनाने के अंदाज पर एक नजर।

रंग-मस्ती-उमंग के संग युवाओं का होली धमाल

नया अंदाज

शैलेंद्र सिंह

बीते साल के होली वाले दिन की सुबह की घटना है। पुणे के एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में गजब की युवा हलचल देखने को मिल रही थी। वीकेंड पर आमतौर पर देर तक सोने वाले युवा उस दिन सूरज की किरणों के उगने के पहले ही जग चुके थे। किसी के हाथ में गुलाल के पैकेट थे, कोई फोन पर प्ले लिस्ट सेट कर रहा था, तो कोई पूछ रहा था, 'पानी वाला रंग लाऊं या सिर्फ ड्राई?' ये सब वही युवा थे, जो सप्ताह भर कॉरपोरेट ऑफिस में प्रजेंटेशन की आपा-धापी में रहते हैं। स्टार्टअप्स की मीटिंग में भविष्य के सपने बुनते हैं और अपने करियर की सीढ़ियां तेजी से चढ़ने की हर कोशिश करते हैं। लेकिन होली का दिन आते ही इनकी पहचान बदल जाती है। होली के दिन ये बेफिक्र और रंगों से सराबोर मस्ती के रंग में डूबे दोस्त बन जाते हैं। यह अकेले पुणे के एक मिडिल क्लास मुहल्ले की कहानी नहीं है। यह समूचे शहरी भारत के ब्राइट करियर वाले युवाओं के होली धमाल की कहानी है।

होली खेलने में नहीं रहते पीछेः यह सही है कि आज के शहरी युवा अपने करियर को लेकर जितने गंभीर रहते हैं, उतना ही ध्यान अपने जीवन में उत्सव और संतुलन के लिए भी देते हैं। आईटी प्रोफेशनल मोहन रंगनाथन जो कि साउथ इंडिया से हैं, लेकिन पढ़ाई से लेकर करियर तक उत्तर भारत में गुजारने के कारण होली को भरपूर सेलिब्रेट करते हैं। उनके मुताबिक, 'हम जैसे युवा डेडलाइन और टारगेट में भले उलझे रहते हों, लेकिन होली एक ऐसा दिन है, जब हम बिना किसी दबाव के खुलकर होली खेलते हैं, तब हमें कतई नहीं याद रहता कि हममें प्रोफेशनल कौन है या जूनियर कौन है या सीनियर कौन है? ना ही उस समय हमें अपना वर्क प्रेशर और प्रोजेक्ट की डेडलाइन परेशान करती है। होली के दिन सिर्फ रंग और मस्ती का धमाल होता है।'

दिल्ली में रहने वाली यंग प्राफेशनल पूनम कहती हैं, 'वास्तव में होली मूड नहीं बल्कि साल भर के लिए मेंटेलिटी को रिसेट करने का त्योहार होता है। यह अकेला ऐसा फेस्टिवल है, जो उत्तर से मध्य ही नहीं लगभग पूरे भारत के हर हिस्से तक हर जगह और हर युवा को रोजमर्रा की जिंदगी की एकरसता से बाहर निकालता है।'

इसलिए है पसंदीदा त्योहारः कई ऐसे त्योहार होते हैं, जो कुछ लोग मनाते हैं और कुछ लोग नहीं मनाते। लेकिन होली एक ऐसा त्योहार है, जिसे आप चाहे मनाएं या न मनाएं पर आपको इस दिन पूरी छुट्टी मिलती है। पूरी तरह से आजादी महसूस होती है। इसलिए अपार्टमेंट से लेकर क्लबों तक हर जगह होली, युवाओं को मस्ती और बेफिक्री से जीने को प्रेरित करती है। इसीलिए इसे युवाओं का पसंदीदा पर्व माना जाता है।

नए रूप में होली की मस्तीः हाल के दशकों में भारत के बड़े शहरों का पारंपरिक चेहरा बदल गया है। अब 70 और 80 के दशक वाले मुहल्ले नहीं बचे। अब गेटबंद सोसायटियों का चलन है, इसलिए होली के दिन सुबह से ही सोसायटियों में डीजे की धमाल के साथ रूफ टॉप होली के एक से बढ़कर एक वर्जन देखने को मिलते हैं। पूल पार्टी होली, इकोफ्रेंडली होली जैसे नए आयाम भी इस मस्ती के हिस्से बन चुके हैं। बेंग्लुरु में जॉब करने वाले भिलाई के राघव कहते हैं, 'हम युवा लोगों में से अगर कोई होली न भी खेलना चाहे तो मनाने वालों की संख्या ज्यादा होती है और न मनाने वालों की इस मामले में जरा भी नहीं चलती। उन्हें घर से खींचकर होली पार्टी में खींच लिया जाता है। मजेदार बात यह है कि कुछ देर पहले तक खेलने से ना-नुकुर करने वाला बंदा भी कुछ देर में होली के रंगों में सराबोर होकर खेलने लगता है। यही तो इस पर्व की खासियत है।' इससे उलट हावड़ा की रहने वाली कनुप्रिया के मुताबिक पांच सालों से चेन्नई में रहते हुए भी उन्होंने बंगाल की फूलों वाली होली का कल्चर जिंदा रखा है और अब तो उनकी देखा-देखी बहुत से उनके युवा साथी भी होली के दिन फूलों वाली होली बड़े प्यार से खेलते हैं। तेलंगाना के रहने वाले रमेश जो मथुरा में जॉब करते हैं, बताते हैं, 'फूलों की होली में गजब का आकर्षण है। यह खूबसूरत भी है, मस्ती घनघोर भी है और पर्यावरण के अनुकूल भी है।'

दिल्ली में फाइनेंस प्रोफेशनल आरव के मुताबिक 'अब दिल्ली में भी बेंग्लुरु और मुंबई की तरह युवाओं की होली पार्टियां बनती हैं और दिनभर डीजे के साथ होली धमाल होता है। अब होली पर कुछ भी चेहरे पर चुपड़ देना, मिट्टी, गंदगी आदि से होली खेलना धीरे-धीरे चलन से बाहर होता जा रहा है। इसके साथ ही कम से कम भारत के शहरी यंगस्टर्स, जो अपने करियर को लेकर सीरियस और सुरक्षित हैं, मस्ती के इस त्योहार में न केवल नए-नए आयाम जोड़ रहे हैं बल्कि इसके साथ जुड़े डरावने अनुभवों को मनोरंजन से यादगार अनुभव से स्थानांतरित करने लगे हैं।'

रंगीली होती है वर्चुअल होलीः अब युवाओं द्वारा सोशल मीडिया में भी जमकर होली खेली जा रही है। आज सोशल मीडिया में विशेषकर इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब में होली के दिन जितने इंद्रधनुषी चेहरे दिखते हैं, उतने चेहरे तो सचमुच में आस-पास भी नहीं दिखते हैं। वास्तव में होली एक ऐसा त्योहार है, जिसमें प्राचीनता हो या आधुनिकता, सब एक जैसे और एक ही जगह एकत्र हो जाते हैं। कुल मिलाकर अगर कहें तो भले यह 1980 या 90 की बजाय इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक हो, लेकिन भारत के युवाओं में होली की मस्ती में जरा भी बदलाव नहीं आया है। *

हुड़दंग

राजा चौरसिया

ताऊजी की होली

होली के रंग में भइया
जब घुली भंग की तरंग,
ताऊजी के ठुमके देख
हर कोई रह गया दंग।
टुन्नावस्था में बहककर
ताऊजी सठिया गए
उनका हुड़दंग देखकर
जवान भी शरमा गए।
ताई को जब पता लगा
लेकर दौड़ीं डंडा
ताऊ जान बचाकर भागे
नशा हो गया ठंडा।

हंसी-ठिठोली

राकेश सोहम्

एआई के संग कार्यालयीन होली के रंग

एआई का जमाना है। सांस्कृतिक धरोहर माने जाने वाले त्योहारों की मिट्टी पलीत हुई पड़ी है। फूलों के रंगों से खेला जाने वाला होली का त्योहार कालांतर में कीचड़ और गोबर से खेला जाता था। फिर केमिकल युक्त रंगों से खेला जाने लगा। हाल ही में ऑर्गेनिक रंगों से खेला जा रहा था। पर एआई के आगमन से वह भी बंद हो गया है। लोग मोबाइल पर होली खेलते हैं। होली की आधिकारिक छुट्टियां भी समाप्त कर दी गई हैं। सरकारी महकमों में प्रतीकात्मक होली मनाई जाती है। हालांकि ऐसे मामलों में महकमों का रवैया अभी भी ढर्रा-सा और खाने-पीने तक सीमित है।

इधर होली के ठीक एक दिन पहले मुख्यालय का आदेश बॉस की फैक्स मशीन के बाहर लटकती हुई जुबान की माफिक झांक रहा था। उन्होंने गुस्से में मशीन की जुबान खींच ली। जैसे अधीनस्थ की खींच लिया करते हैं। पर आदेश को देखते ही बॉस के होंठों पर रसीली मुस्कान तैर गई। आंखों में रंग अठखेलियां करने लगे। फौरन सेक्रेटरी को फोन घुमाया, 'रंगीली जी..आइए।' मिस रंगीली चौंक गईं। टेढ़े बॉस के मीठे बोल! दिलो-दिमाग में 'ये क्या हुआ, कैसे हुआ, कब हुआ..' का प्रश्न वाचक संगीत बजने लगा। 'मिस रंगीली' से 'रंगीली जी'! बॉस ने कक्ष में बिखरी खुशबू को सांसों में समेटा और बोले, 'हाय रंगीली.. हैप्पी होली।' फिर रुक गए। मिस रंगीली के हाथ से मोबाइल गिर गया। ऐसी धृष्टता? बॉस ने कनखियों से भांपा और लंबा पॉज लेकर बोले, 'हैप्पी ..सॉरी.. ऑफिस में होली सेलिब्रेशन का आदेश आया है। कल होली है। सो कार्यालयीन सभाकक्ष में सेलिब्रेशन सुनिश्चित करें। सेलिब्रेशन की रिपोर्ट भी कल ही भेजनी है।' मिस रंगीली ने मोबाइल उठाया और चंपत हो लीं।

दूसरे दिन कार्यालय का सभा कक्ष खुशबुओं से महक रहा था। दीवारों पर रक्ताभ दिलनुमा गुब्बारे झूल रहे थे। बॉस की कुर्सी के पीछे स्क्रीन पर रंगों की फुहार के साथ 'हैप्पी-होली' की लिखावट उछल रही थी। सभा कक्ष खचाखच भरा हुआ था। हमेशा लेट-लतीफ पहुंचने वाले अधिकारी भी समय पूर्व पहुंच गए थे। बेहद जरूरी बैठकों का बहिष्कार करने वाले अड़ियल टाइप के अधिकारी सजे-धजे सभा कक्ष में मौजूद थे। किसी को रंग लगने-लगाने की चिंता नहीं थी क्योंकि होली एआई के माध्यम से मोबाइल पर खेली जानी थी।

कार्यक्रम का संचालन कार्यालय के जबरिया कवि प्रेम रोगी जी कर रहे थे। शुरुआत मिस कंटीली द्वारा बॉस के मोबाइल पर लाल रंग के दिलनुमा गुब्बारे को भेजकर किया गया। जैसे ही डिजिटल गुब्बारा बॉस की मोबाइल स्क्रीन पर फूटा उनकी बत्तीसी बाहर गिरने को हो आई। बॉस ने सभी को कलर्ड अंगूठे की इमोजी प्रेषित की। प्रत्युत्तर में लोगों ने 'हाथ-जोड़े' और 'गुलाली-टीके' की इमोजी भेज दी। प्रेम रोगी कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए बोले, 'मुख्यालय के निर्देशानुसार, किसी को दुःख पहुंचाए बिना आप एक-दूसरे को एआई के माध्यम से डिजिटल रंग डाल सकते हैं। प्रेम का संदेश जाना चाहिए बस। बहरहाल, मैं कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार से बता देना चाहता हूं।'

प्रेम रोगी जी ने 'रूपरेखा' और 'चाहता हूं' पर विशेष जोर दिया तो सभी की नजरे बैठक में उपस्थित खूबसूरत सहकर्मी 'रूपरेखा' की ओर घूम गईं। रूपरेखा ने उनको आड़े हाथों लिया। उन्होंने फट से एक डॉगी की इमोजी रोगी जी को भेज दी और गुस्से में पांव पटकते हुए सभाकक्ष से बाहर हो गईं। इसी दौरान एक चिढ़े हुए अधिकारी ने दूसरे अधिकारी की उड़ते नोटों के बीच रिश्वत से रंगे हाथों वाली तस्वीर एआई से बनाकर साझा कर दी। मामला इतना गर्मा गया कि बॉस को इसे अपने संज्ञान में लेना पड़ा।

सभा कक्ष में 'होली के रंग एआई के संग' का दौर चलता रहा। भले ही वहां एआई के माध्यम से बनावटी होली खेली जा रही थी पर टेबल के बीचों-बीच गरमा-गरम समोसे और लजीज गुझिए एकदम असली थे। सो खाने-पीने का दौर बाकायदा चलता रहा। हैप्पी होली! *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

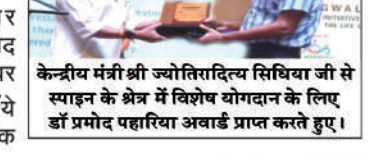

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?

सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?

सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?

डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?

15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?

एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?

90 से 95% सफल है। NBC@

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?

इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?

नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)

समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक | व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें

सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

कर्नाटक के खिलाफ ड्रॉ रहे फाइनल में पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीता जम्मू कश्मीर

जम्मू-कश्मीर ने 67 साल में पहली बार जीती रणजी ट्रॉफी, 8 बार की चैंपियन कर्नाटक से छीना खिताब

एजेंसी ▶▶| हुबली

जम्मू कश्मीर ने अपने जोश और जज्बे का शानदार नमूना पेश करते हुए शनिवार को कर्नाटक के खिलाफ ड्रॉ रहे फाइनल में पहली पारी की बढ़त के आधार पर पहली बार रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीतकर 67 साल का इंतजार खत्म किया और अपना नाम इतिहास में दर्ज कर दिया। जम्मू कश्मीर ने यह शानदार जीत 8 बार के चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ दर्ज की। उसने पांच दिन तक चले मुकाबले में शुरू से ही अपना दबदबा बनाए रखा और इस सत्र में अपने अभियान का शानदार अंत किया।

जम्मू कश्मीर ने पहली पारी में बनाए थे 584 रन

जम्मू कश्मीर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 584 रन बनाए थे, जिसके जवाब में कर्नाटक की टीम 293 रन ही बना पाई थी। इस तरह से जम्मू कश्मीर को 291 रन की बढ़त मिली और उसने कर्नाटक को फॉलोआन के लिए आमंत्रित करने की बजाय दूसरी पारी खेलने का फैसला किया। मैच के पांचवें और अंतिम दिन जम्मू कश्मीर ने जब अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 342 रन बनाए थे तब दोनों टीम के कप्तान मैच को ड्रॉ करने पर सहमत हो गए और जम्मू कश्मीर पहली बार चैंपियन बन गया। इस तरह से जम्मू कश्मीर में अपनी कुल बढ़त 633 रन कर दी थी।

यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा क्षण है : डोगरा

जम्मू कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने कहा कि उनकी टीम की रणजी ट्रॉफी में ऐतिहासिक जीत को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं है और यह उनके जीवन का सबसे बड़ा क्षण है। डोगरा नेकहा, 'सच कहूं तो मैं इसे शब्दों में बयान नहीं कर सकता, मेरे पास शब्द नहीं हैं। इस समय यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। विदा होने से पहले यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।' उन्होंने कहा, ''सच कहूं तो जेकेसीए (जम्मू कश्मीर क्रिकेट संघ) के साथ रहना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यहां के खिलाड़ी बहुत अच्छे हैं और उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मैं केवल 11 खिलाड़ियों की बात नहीं कर रहा हूं बल्कि सभी 14-15 खिलाड़ियों की बात कर रहा हूं। वे लाजवाब हैं, उन्होंने अपना पूरा योगदान दिया है और मैच जीतने के लिए बेताब रहे हैं।

हम फाइनल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए : पडिक्कल

कर्नाटक के कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने कहा कि जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी के पूरे सत्र में असाधारण गेंदबाजी की लेकिन स्वीकार किया कि उनकी टीम फाइनल में अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रही, जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा। पडिक्कल ने कहा, 'हम जानते थे कि टॉस बड़ी भूमिका निभाएगा, लेकिन आखिरकार यह फाइनल है। हम सभी जानते हैं कि चाहे आप कुछ भी करो फाइनल का दबाव रहेगा। हमें बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था। दुर्भाग्य से हम ऐसा नहीं कर पाए और उन्होंने हमसे कहीं बेहतर क्रिकेट खेली।' कर्नाटक के कप्तान ने इस पूरे सत्र में नबी के प्रदर्शन के बारे में कहा, 'उन्होंने पूरे सत्र में असाधारण रूप से अच्छी गेंदबाजी की।

अंतिम समय में शामिल हुए कामरन इकबाल ने जड़ा शतक

चोटिल शुभम खजूरिया की जगह तुरंत जम्मू-कश्मीर की टीम में शामिल हुए कामरन इकबाल ने फ्लाइट की थकान से पार पाते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 160 रन की पारी खेलकर टीम को रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने में मदद की। इकबाल का रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक जड़ना शानदार रहा। वह श्रीनगर में अपने घर पर आराम कर रहे थे क्योंकि वह मूल टीम का हिस्सा नहीं थे। तभी उन्हें तुरंत टीम में शामिल होने के लिए फोन आया। इस स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज को 23 फरवरी को दोपहर तीन बजे टीम प्रबंधन का फोन आया और उन्हें अगले दिन सुबह नौ बजे खेल शुरू होने से पहले टीम में शामिल होना था।

जम्मू कश्मीर ने 67 साल पहले राष्ट्रीय टूर्नामेंट में लिया था हिस्सा

रणजी ट्रॉफी का इतिहास 92 साल पुराना है लेकिन जम्मू कश्मीर की टीम ने 67 साल पहले पहली बार इस राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। एक समय उसे कमजोर टीम माना जाता था लेकिन अब उसने अपने कौशल और दृढ़ संकल्प से खुद को मजबूत टीम साबित कर दिया। जम्मू-कश्मीर 2013-14, 2019-20 और 2024-25 के सत्र में क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था, लेकिन लेकिन वह इससे आगे बढ़ने में नाकाम रहा था। लेकिन केएससीए स्टेडियम में पिछले पांच दिनों में किसी भी समय ऐसा नहीं लगा कि उसके खिलाड़ी पहली बार रणजी ट्रॉफी का फाइनल खेल रहे हैं। उसकी यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने उस टीम को हराया, जिसके पास कई स्टार भारतीय खिलाड़ी हैं। यह सही मायने में एक टीम प्रयास था, जिसने कमजोर मानी जाने वाली टीम को खिताब तक पहुंचाया। जम्मू कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा रणजी ट्रॉफी में 10 हजार रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने।

डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई का 2026 सीजन, धमाकेदार शुरुआत

हरभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

वर्ष 2026 सीजन के शुरुआती महीने ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई का आकार और मजबूती लगातार बढ़ रही है। टूर ने कुछ ही समय में नया रायपुर, दिल्ली और कोलकाता में तीन महत्वपूर्ण टूर्नामेंट आयोजित किए, और फिर 72वें लीग की घोषणा के साथ एक नया आयाम जोड़ा है। ये सभी घटनाक्रम दर्शाते हैं कि टूर न केवल अपनी पहुंच में, बल्कि अपने सार में भी विस्तार कर रहा है। इस प्रगति का एक प्रमुख मापदंड पुरस्कार राशि है। सीजन के शुरुआती घरेलू चरण में, डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ने 1.5 करोड़ रुपए के पुरस्कार राशि वाले तीन टूर्नामेंट आयोजित किए, जिससे कुल पुरस्कार राशि 4.5 करोड़ रुपए हो गई। यह भारतीय पेशेवर गोल्फ के वित्तीय पैमाने में एक महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है। सीज़न की शुरुआत नया रायपुर में 3 से 6 फरवरी तक आयोजित एसईसीएल छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप से हुई। यह आयोजन न केवल 1.5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि के कारण, बल्कि इसलिए भी खास रहा, क्योंकि इसे किसी पारंपरिक महानगर के बजाय एक उभरते हुए बाजार में आयोजित किया गया था। इसने दिखाया कि पेशेवर गोल्फ अपने स्थापित केंद्रों से बाहर भी ध्यान आकर्षित कर सकता है और कड़ी प्रतिस्पर्धा पेश कर सकता है।

गोल्फ में मजबूत खिलाड़ी, नए बाजारों में व्यापक उपस्थिति

टॉलीगंज क्लब में 17 से 20 फरवरी तक अर्बाना द्वारा प्रायोजित डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप 2026 का आयोजन किया गया। एक बार फिर, पुरस्कार राशि 1.5 करोड़ थी और विजेता को 22,50,000 मिले। ओम प्रकाश चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप जीती। कोलकाता में हुए इस आयोजन ने एक महत्वपूर्ण बात को पुष्ट किया। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई अब बड़े टूर्नामेंटों पर निर्भर रहने के बजाय अपने टूर्नामेंटों के आकार और गुणवत्ता में निरंतरता लाने की ओर अग्रसर है। इस वर्ष, प्रत्येक नेक्सजेन इवेंट की पुरस्कार राशि 20 लाख रुपये से बढ़कर 25 लाख रुपए हो गई है। उद्घाटन इवेंट जीतने वाले अभिषेक कुमार, उस तरह की युवा प्रतिभा का एक उदाहरण हैं, जिसे यह मंच समर्थन देने के लिए बनाया गया है। कुल मिलाकर, सीजन के पहले महीने से संकेत मिलता है कि डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई लगातार गति पकड़ रहा है। विभिन्न शहरों में बेहतर संचालन, अधिक पुरस्कार राशि, एक स्पष्ट विकास मार्ग और प्रारूप में नवाचार एक साथ काम करना शुरू कर रहे हैं। यदि यह सिलसिला जारी रहता है, तो भारतीय पेशेवर गोल्फ में मजबूत खिलाड़ी, व्यापक ध्यान और नए बाजारों में व्यापक उपस्थिति देखने को मिल सकती है।

खबर संक्षेप

खेल मेरे खून में रचा बसा है: ज्योति सिंह

बेंगलुरु। 21 वर्षीय ज्योति सिंह भारतीय हॉकी में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने कहा कि खेल उनके खून में रचा बसा है। झांसी में जन्मी ज्योति ने महिला जूनियर विश्व कप में भारत की कप्तानी की और पिछले साल सीनियर टीम में भी पदार्पण किया, जिसमें उन्होंने प्रो लीग के चार मैचों में भाग लिया। इसमें विश्व में नंबर एक नीदरलैंड के खिलाफ जीत भी शामिल है। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता अंतरराष्ट्रीय एथलीट थे। मैं उनके साथ मैदान में दौड़ने और बैडमिंटन खेलने जाया करती थी।' ज्योति ने कहा, 'मेरी चचेरी बहन ने मुझे हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया। वह सीनियर अकादमी का हिस्सा थी। जब भी वह गर्मियों की छुट्टियों में घर आती थी, मैं उसके साथ समय बिताती थी और उसकी तरह बनना चाहती थी।' ज्योति ने कहा, 'मेरे परिवार और कोच ने हमेशा मेरा साथ दिया। मुझ पर कभी कोई दबाव नहीं था। खेलों से जुड़े परिवार से आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है क्योंकि उन्होंने भी इसी तरह के अनुभव किए हैं।'

हैरी ब्रूक युग की शुरुआत : जैक्स

कोलंबो। ऑलराउंडर विल जैक्स का मानना है कि टी20 विश्व कप में इंग्लैंड का शानदार प्रदर्शन 'हैरी ब्रूक युग' की शुरुआत है, जो शांत और स्पष्ट मानसिकता के साथ खेलती है। टी20 विश्व कप से पहले ब्रुक को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इसकी शुरुआत एशेज में निराशाजनक प्रदर्शन से हुई और उसके बाद वेलिंगटन में एक नाइटक्लब के बाउंसर के साथ नशे में हुई झड़प के बाद उनके नेतृत्व को लेकर सवाल उठने लगे। लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाकर इंग्लैंड को एक मैच शेष रहते सेमीफाइनल में जगह दिला दी।

'करो या मरो' के मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा भारत, गेंदबाजी में करना होगा प्रभावशाली प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

आज शाम 7 बजे से ईडन गार्डन्स में रोमांचक मुकाबला

भारतीय बल्लेबाज अब अपने पुराने रंग में दिख रहे हैं लेकिन गेंदबाज अब भी प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और ऐसी परिस्थितियों में वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल जैसे सुपर आठ के मैच में उसे इस विभाग में अपना बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

वेस्टइंडीज की दक्षिण अफ्रीका से हार और भारत की जिम्बाब्वे पर जीत ने ग्रुप एक के सुपर आठ के इस मैच को दोनों टीम के लिए करो या मरो जैसा बना दिया है। इसलिए अब दोनों टीम कोई कसर नहीं छोड़ेंगी और ऐसे में ईडन गार्डन्स में एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। इस मैच के विजेता को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मार्च को दूसरे सेमीफाइनल में खेलने का मौका मिलेगा।

वेस्टइंडीज का टूर्नामेंट में प्रदर्शन अच्छा

वेस्टइंडीज ने इस टूर्नामेंट में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी रणनीति स्पष्ट है। शुरू में कुछ सतर्क होकर खेलना और बाद में बेखौफ अंदाज में आक्रमण करना। अपनी इस रणनीति के कारण उसे लगातार पांच मैच में जीत मिलीं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने उसकी जीत का सिलसिला रोक दिया। वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी में गहराई है और इसका नमूना दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ देखने को मिला जब नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे रोमारियो शेफर्ड के नाबाद अर्धशतक लगाया। शिमरोन हेटमायर का नंबर तीन पर आना भी बड़ा सकारात्मक फैसला साबित हुआ है।

एशियाई मुक्केबाजीः भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी लवलीना और निकहत

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी।

तीसरा महिला वनडे

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्लीन स्वीप से बचने उतरेगी टीम इंडिया

एजेंसी ▶▶| होबार्ट

पहले दो मैचों में बुरी तरह हारने के बाद बैकफुट पर खड़ी मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को होने वाले तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अगर जीत हासिल करके अपनी प्रतिष्ठा कुछ हद तक बचानी है तो उसको अपनी बल्लेबाजी की कमजोरियों को दूर करना होगा। भारतीय टीम पहले दोनों मैच में चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में नाकाम रही और ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी परेशानी के लक्ष्य हासिल करके श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई। यह लगातार 12वां अवसर है जबकि भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया से वनडे श्रृंखला गंवाई। असल में भारत अभी तक अपने इस प्रतिद्वंदी से द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं जीत पाया है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को अगर क्लीन स्वीप से बचना है तो उसके बल्लेबाजों को अपने खेल में आमूलचूल सुधार करना होगा।

श्रीलंका से जीतकर भी हारा पाकिस्तान टी20 विश्वकप में सफर हुआ समाप्त

एजेंसी ▶▶| पाल्लेकल

पाकिस्तान ने शनिवार को सुपर आठ चरण के मैच में श्रीलंका के खिलाफ पांच रन से जीत दर्ज की लेकिन नेट रन रेट में न्यूजीलैंड से पिछड़ने के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गया। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (100) के शतक और फखर जमां के (84 रन) के अर्धशतक तथा दोनों के बीच किसी भी विकेट के लिए टी20 विश्व कप इतिहास में 176 रन की रिकॉर्ड भागीदारी से 8 विकेट पर 212 रन बनाए। इसके

जवाब में श्रीलंकाई टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन बनाए, जिसमें कप्तान दासुन शनाका ने नाबाद 76 रन और पवन रत्नायके ने 58 रन की अर्धशतकीय पारी खेलीं। वहीं, न्यूजीलैंड ने अंतिम चार में अपनी जगह बना ली है। पाकिस्तान से मिले 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। पथुम निसांका 7 गेंदों का सामना करने के बाद महज 3 रन बनाकर आउट हुए। कामिल मिशारा 26 रन बनाकर आउट हुए। चरित असंलका को 25 रनों के स्कोर पर आउट हुए। कामिंडु मेंडिस सिर्फ 3 रन ही बना सके, जबकि जनिथ लियानागे 5 रन बनाकर आउट हुए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, मैकेनिकल खण्ड अशोक विहार, लहारपुर डेम के समीप, बाग मुंगालिया, भोपाल
Phone No. 0755-2930001, E-Mail I.D. emphbpl@mp.nic.in
क्रमांक 296/तक/का०यं०/लो०स्वा०/मैके०खण्ड/भोपाल/2026 / दिनांक 25/2/2026
निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 36/2025-26 दिनांक 25.02.2026 ऑन-लाईन निविदा क्रमांक 2026_PHED_485214_1 दिनांक 25.02.2026

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत मैकेनिकल उपखण्ड रायसेन की आई.टी.एच. 10/02 विभागीय रिंग मशीन में विशेष सुधार कार्य हेतु ऑन लाईन डिजिटली हस्ताक्षरित निविदा दिनांक 13.03.2026 सायं 17.30 बजे बजे तक प्रतिष्ठित फर्म जिन्हें इस प्रकार के कार्य का अनुभव प्राप्त हो, से एपेंडिक्स 2.10 पर आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु अभिलेखों जैसे प्रतिभूति राशि की पावती, मूल निमार्ता/अधिकृत विक्रेता के पंजीयन का प्रमाण पत्र/अनुभव प्रमाण-पत्र इत्यादि (निविदा अनुसार) निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से ऑन-लाईन जमा करना होगा। निविदा दिनांक 16.03.2026 को सायं 15.00 बजे ऑन लाईन खोली जावेगी। कार्य की अनुमानित लागत रुपए 2,04,700.00/- (रुपए दो लाख चार हजार सात सौ) मात्र है तथा प्रतिभूति राशि रुपए 4,094/- (रू. चार हजार चौरान्हवे) मात्र है। निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंटस) राशि रुपए 2000/- ऑन लाईन भुगतान करने के उपरांत बेबसाईट: https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं। परिशिष्ट / संशोधन केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

टेण्डर के प्राक्कलन की अनुमानित लागत राशि (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	टेण्डर का मूल्य (रू.)	टेण्डर बिक्री की तिथि	टेण्डर आनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि	टेण्डर खुलने की तिथि
2,04,700.00	4,094.00	2,000.00	13.03.2026, 17.30 बजे तक	13.03.2026 17.30 बजे तक	16.03.2026 15.00 बजे तक

निविदा से संबंधित अन्य समस्त शर्तें एवं विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ऑन-लाईन निविदा क्रमांक 2026_PHED_485214_1 दिनांक 25.02.2026 पर उपलब्ध है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा.यां.वि. मैके. खण्ड भोपाल

जी - 26648/25 स्वच्छता ही सेवा है

लोकायुक्त कार्यालय मध्यप्रदेश
लोकायुक्त भवन
भोपाल
क्रमांक / 2521/स्टोर / 2026 भोपाल, दिनांक :25/2/26

-:: वार्षिक रख-रखाव कार्य (AMC) एवं दर अनुबंध (Rate Contract) संबंधी
ई-निविदा सूचना :-

लोकायुक्त संगठन, म.प्र., भोपाल के एफ ब्लॉक पुराना सचिवालय स्थित मुख्यालय कार्यालय के कम्प्यूटर्स, लेपटॉप, प्रिंटर्स, यू.पी.एस., इंटरनेट नेटवर्किंग एवं फोटोकॉपी मशीनों के वार्षिक रख-रखाव कार्य हेतु एवं निविदा के दर पत्रक (प्रपत्र-2) के भाग-दो (अ एवं ब) एवं तीन में उल्लेखित सामग्री आवश्यकता अनुसार एक वर्ष की अवधि हेतु प्रदाय किया जाना है। सामग्री प्रदाय हेतु इच्छुक पंजीकृत एवं अनुभवी फर्मों से उल्लेखित वर्णित सामग्रियों हेतु ई-निविदाएं https://mptenders.gov.in पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिये निम्नानुसार तिथियाँ निर्धारित की गई हैं:-
1. ई-निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर उपलब्ध है, जिस पर निविदा संबंधी समस्त शर्तें दी गई है, जो कि राशि रुपए 1,000/- (रुपए एक हजार मात्र) ऑनलाईन जमा करने पर प्राप्त की जा सकती है।
2. ऑनलाईन निविदा प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिये निम्नानुसार तिथियां निर्धारित की गई है:-
1. ऑनलाईन निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक 13.03.2026 समय सुबह 10:00 से दिनांक 02.04.2026 समय सुबह 10:00 बजे तक।
2. ऑनलाईन प्राप्त निविदाओं में सर्वप्रथम तकनीकी निविदाएं दिनांक 03.04.2026 समय दोपहर 12:00 बजे अथवा उसके उपरांत लोकायुक्त कार्यालय परिसर, भोपाल में खोली जावेगी, तत्पश्चात तकनीकी निविदाओं में पात्र पाये गये निविदादाताओं की वित्तीय निविदायें दिनांक 10.04.2026 समय दोपहर 03:00 बजे अथवा उसके उपरांत खोली जावेगी।
3. निविदा स्वीकृत करने अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार सचिव, लोकायुक्त कार्यालय, म.प्र. भोपाल का होगा, इस हेतु पृथक से कोई पत्राचार नहीं किया जावेगा।
निविदा संबंधी शेष शर्तें निविदा प्रपत्र में दी गई है।

(विनोद मालवीय)
उप संचालक (वित्त)
लोकायुक्त कार्यालय मध्यप्रदेश
भोपाल

जी- 26635/25 स्वच्छता ही सेवा

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, प्लाट नं.-27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल
एनआईटी नं.- 05/2026/निविदा/सा/मु.अ.भ. / भोपाल दिनांक 20.02.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू.में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWPIU_484805_1	यूनानी महाविद्यालय परिसर जिला भोपाल में विभिन्न / मरम्मत / रिनोवेशन कार्य एवं 02 अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	भोपाल	161.87	161870	12500	12 माह वर्षाकाल सहित
2	2026_PWPIU_484823_1	लोक निर्माण विभाग (भवन) जिला भोपाल में विभिन्न विभागों के भवन कार्यों हेतु सुपरविजन एवं क्वालिटी कंट्रोल सर्विसेसे कार्य।	भोपाल	12601.52	252030	15000	24 माह वर्षाकाल सहित
3	2026_PWPIU_484858_1	प्रोवाइडिंग फर्नीचर फार गवर्नमेंट लॉ कॉलेज नर्मदापुरम एंड गवर्नमेंट कॉलेज इछावर डिस्ट्रिक्ट सीहोर म.प्र.	नर्मदापुरम्	49.81	50000	5000	03 माह वर्षाकाल सहित
4	2026_PWPIU_484059_1	शासकीय महाविद्यालय खिलचीपुर जिला राजगढ़ में 06 अतिरिक्त अध्ययन कक्षो का निर्माण कार्य	राजगढ़	420.18	420180	15000	12 माह वर्षाकाल सहित
5	2026_PWPIU_484283_1	विदिशा में शासकीय महाविद्यालय लटेरी की बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य	विदिशा	96.37	96370	10000	10 माह वर्षाकाल सहित

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3 निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 20.02.2026 समय 10.30 से दिनांक 06.03.2026 समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग भोपाल

जी- 26603/25 स्वच्छता ही सेवा

एनएलआईयू में नाटक का मंचन

वचन का पालन करने में असाधारण साहस दिखाता है चरणदास चोर

भोपाल। राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय (एनएलआईयू), भोपाल में शनिवार शाम संस्कृति और नैतिकता का संगम देखने को मिला, जब विश्वविद्यालय सम्मेलन केंद्र में प्रसिद्ध नाटक 'चरणदास चोर' का प्रदर्शन हुआ। एसपीआईसी मैके के सहयोग से आयोजित दिवंगत हबीब तनवीर की इस उत्कृष्ट कृति को नया थिएटर के प्रतिभाशाली कलाकारों ने जीवंत कर दिया। यह प्रदर्शन राष्ट्रीय कार्य बल (एनटीएफ) की सिफारिशों और छात्र कल्याण के लिए राज्य द्वारा अनिवार्य कैलेंडर के तहत एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में आयोजित किया गया था। छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य परंपरा की पहचान 'चरंदास चोर' में एक आम चोर की कहानी बताई गई है, जो अपने पेशे के बावजूद, अपने वचन का पालन करने में असाधारण साहस दिखाता है। एनएलआईयू के सहायक प्रोफेसर और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आयुष जायसवाल ने सत्र के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि एसपीआईसी मैके के माध्यम से इस स्तर के प्रदर्शन का आयोजन एनटीएफ द्वारा निर्देशित छात्रों के समग्र कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आज कला और शैक्षणिक समुदाय के बीच संवाद स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जिससे यह सिद्ध होता है कि छात्रों के समग्र विकास और मानसिक स्वास्थ्य के लिए इस तरह के रचनात्मक माध्यम आवश्यक हैं।

मां के साथ पैदल जा रही बेटी से बदमाश ने पर्स झपटा, पुलिस ने शुरू की तलाश

भोपाल। कमलानगर थाना क्षेत्र स्थित डी-सेक्टर सूर्या नगर के पास शुक्रवार रात एक्टिवा सवार अज्ञात बदमाश मां के साथ पैदल जा रही युवती के कंधे पर लटका पर्स झपटकर फरार हो गया। पर्स में नगदी व एक मोबाइल फोन समेत दस्तावेज रखे थे। पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार डी-112 सूर्या नगर कॉलोनी निवासी शिवानी मैसारे (25) शुक्रवार रात करीब सवा 8 बजे अपनी मां के साथ सब्जी मार्केट से खरीददारी करके घर लौट रही थी। उसी दौरान कॉलोनी के सामने कुछ दूरी पर डी-सेक्टर में इलेक्ट्रानिक एक्टिवा पर सवार होकर आया एक बदमाश शिवानी के कंधे पर लटका पर्स झपटकर फरार हो गया। बदमाश कैप लगाया था। पुलिस अब घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

भोपाल मंडल में पहली बार 'डायरेक्ट ड्राइव' ऑटो सिग्नलिंग तकनीक का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

भारतीय रेल के आधुनिकीकरण की दिशा में पश्चिम मध्य रेल ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भोपाल मंडल के कुरवाई केथोरा-मंडीबामोरा-कालहार खंड में 16.93 रूट किलोमीटर (आरएकेएम) (कुल 33.86 इक्वेटेड आरएकेएम डबल लाइन) में 'ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग' प्रणाली को सफलतापूर्वक कमीशन कर दिया गया है।

भारतीय रेलवे में पहली बार पश्चिम मध्य रेल के रेलखंड में डायरेक्ट ड्राइव मॉड्यूल आधारित तकनीक का प्रयोग कर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रदान की गई है। इस अत्याधुनिक तकनीक की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें ब्लॉक सेक्शन में लगे ऑटो सिग्नलों को सीधे रास्ते के किनारे स्थित कैबिनेट के माध्यम से 'डायरेक्ट ड्राइव' किया जाता है। इस परियोजना को पश्चिम मध्य रेल के सिग्नलिंग विभाग और परम-सीमेंस कंसोर्टियम द्वारा संयुक्त रूप से निष्पादित किया गया है। इस तकनीक से रेलवे सिग्नलिंग में तांबे के तारों और रिले की आवश्यकता में भारी कमी आएगी। यह नई तकनीक न केवल लागत प्रभावी है, बल्कि रेलवे संचालन में विश्वसनीयता और सुरक्षा के स्तर को भी कई गुना बढ़ाती है। इस उपलब्धि से ट्रेनों के परिचालन की क्षमता बढ़ेगी और सेक्शन में ट्रेनों के बीच का अंतराल कम होने से रेल यातायात और अधिक सुगम होगा।

मुख्य विशेषताएं

नए ऑटो हट का निर्माण: ईपीसी प्रोजेक्ट के तहत कुरवाई केथोरा–मंडी बामोरा के बीच ऑटो हट आरएच 38 और मंडी बामोरा–कालहार के बीच ऑटो हट आरएच 37 का निर्माण किया गया है।

उन्नत फाइबर कनेक्टिविटी: वेयसाइड कैबिनेट और ऑटो हट को जोड़ने के लिए रिंग पाथ में 24एफ ओएफसी (ऑप्टिकल फाइबर केबल) बिछाई गई है। साथ ही, रूट डायवर्सिटी सुनिश्चित करने के लिए 04X48 ओएफसी का उपयोग किया है।

सुरक्षा और गति: यह हाई-स्पीड डेटा ट्रांसमिशन प्रणाली कवच और आधुनिक यात्री सूचना प्रणाली जैसे सुरक्षा तंत्रों को सुदृढ़ बनाने में सक्षम है।

रेलवे का बर्खास्त कर्मचारी ब्लैकमेलिंग के आरोप में गिरफ्तार, एमडी ड्रग्स भी मिली

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

निशातपुरा पुलिस ने रेलवे के बर्खास्त कर्मचारी राजेश तिवारी को ब्लैकमेलिंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस को नगदी के अलावा दो ग्राम एमडी ड्रग्स व अवैध पिस्टल भी बरामद हुई है। आरोपी ने गोमांस तस्कर असलम चमड़ा के करीबी को ब्लैकमेल करते हुए रुपए की मांग की थी। डील तीन लाख रुपए में तय हुई थी। पुलिस ने आरोपी को 50 हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। हालांकि पुलिस ने कार्रवाई अभी जारी होने का कहते हुए कुछ भी कहने से इंकार किया है।

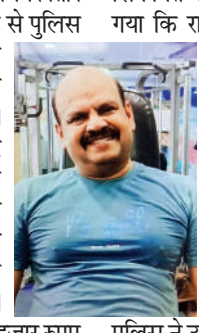

जानकारी के मुताबिक जहांगीराबाद निवासी शाहजेब खान उर्फ जिब्बी गोमांस तस्कर असलम चमड़ा का करीबी है। पूर्व रेलकर्मी राजेश तिवारी लगातार शाहजेब खान के खिलाफ सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड कर रहा था। वह अपने वीडियो में उसे गोमांस तस्कर और भू-माफिया बताता था। विगत 26 फरवरी को शाहजेब ने इस मामले में निशातपुरा थाने में शिकायत की थी। शिकायत में कहा गया कि राजेश ने उसे बदनाम न करने के बदले तीन लाख रुपए मांगे हैं। योजना अनुसार शाहजेब रकम देने के लिए तैयार हो गया और शुक्रवार देर रात रुपए देने के लिए राजेश तिवारी को निशातपुरा इलाके में बुलाया। पुलिस ने उसे नोटों की गड्डी लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को आरोपी के पास से एमडी ड्रग्स के अलावा अवैध पिस्टल, मोबाइल फोन और कई संदिग्ध दस्तावेज व वीडियो भी मिले हैं। मोबाइल फोन जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेज दिया गया है।

आरोपी राजेश तिवारी की गिरफ्तारी के बाद वीडियो सामने आया है। जिसमें राजेश और शाहजेब बात करते नजर आ रहे हैं।

रिटायर्ड पुलिस अधिकारी की बेटी से दहेज में मांगे पांच करोड़ रुपए

भोपाल। महिला थाना पुलिस ने एक रिटायर्ड पुलिस अधिकारी की बेटी की शिकायत पर एनआरआई पति समेत ससुराल पक्ष के तीन लोगों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी पीड़िता से पांच करोड़ रुपए की मांग कर रहे थे। इंकार करने पर उन्होंने पीड़िता को घर से निकाल दिया था। पीड़िता ने अपने पिता के साथ महिला थाने जाकर प्रकरण दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि रातीबड़ थाना क्षेत्र में रहने वाले राज्य पुलिस सेवा के रिटायर्ड अधिकारी की बेटी की शादी साल 2018 में दिल्ली में रहने वाले कारोबारी सुशांत चौपड़ा से हुई थी। सुशांत चौपड़ा एनआरआई हैं और चीन में उनका कारोबार है। पीड़िता की उम्र इस समय 31 साल है। वह पिता के साथ महिला थाने पहुंची और पति समेत ससुराल पक्ष के रिपु चौहान व पारुल के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का प्रकरण दर्ज कराया।

नौकरी छूटने से दुखी होकर एम्स के कर्मचारी ने लगाई फांसी

भोपाल। हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित फूटा मकबरा में एम्स के पूर्व सफाईकर्मी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। करीब एक महीने पहले उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। परिजन का कहना है कि सुपरवाइजर उससे व्यक्तिगज दुश्मनी रखता था। काम में कमियां बताकर उसे नौकरी से निकलवा दिया। नौकरी जाने के बाद से ही वह तनाव में था और अधिक शराब पीने लगा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार फूटा मकबरा निवासी जितेन्द्र कीर (36) एम्स अस्पताल में सफाईकर्मी था। उसे नौकरी से निकाल दिया गया था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930